हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

16 जून, 2005

खण्ड–2, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 16 जून, 2005

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र ान एवम उतर	(5)1
नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(5)22
तारांकित प्र ानो के लिखित उतर	

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(5)25
उतर प्रदे ा सरकार द्वारा दिल्ली से उतर प्रदे ा सीमा तक यमुना नदी के पूर्व किनारो के साथ बान्धो के निर्माण सम्बन्धी।	
वक्तव्य	(5)26
राज्यो मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबधी	
स्वतन्त्रता सेनानी का अभिन्नदन	(5)28
वक्तव्य	
राजस्व मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	(5)28
गैर सरकारी संकल्प	(5)30
हरियाणा मे महिला एवम पुरूश लिंग के अनुपाल संतुलन संबंधी	(5)30

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 16 जून, 2005

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार एच0एस0चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

ताराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्स अब सवाल होगे।

Declaration of Gohana as District

17. Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Gohana as district by including some areas of Israna, Julana and Kharkhode sub Tehsils; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) No, Sir

(b) In view of (a) above, question does not arise.

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब हरियाणा

बना था उस समय साढे पांच जिले थे और आज करीब करीब 20 जिले है। मै यह जानना चाहूता हू कि उसके बाद जितने नये जिले बनाये गये उनको बनो का क्राईटेरिया क्या था। क्या नये जिले केवल राजनैतिक आधार पर बनाये गये है। जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने तो उन्होने भिवानी को अलग जिला बना लिया और जब चौटाला साहब मुख्यमंत्री बने तो उन्होने सिरसा को अलग जिला बना लिया। मै यह पूछना चाहता हू कि क्या राजनैतिक लाभ व हानि पहुंचाने के लिये नये जिले बनाये जाते है क्या प्र ाासनिक लाभ को देखकर नही बनाये जाते। अध्यक्ष महोदय, मैने मंत्री जी से गोहाना को जिला बनाने के बारे मे प्र ान किया था। मंत्री जी अपने जवाब मे कह दिया कि गोहाना को जिला नही बनाया जायेगा। मंत्री जी अपने जवाब मे कह दिया कि गोहाना को जिला नही बनाया जायेगा। मंत्री जी मुझे नया जिला बनाने के क्राईटेरिया के बारे मे बताये कि वे क्या है और गोहना को किस आधार पर जिला नही बनाया जा रहा है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जंहा तक गोहाना को अलग से जिला बनाने की बात है, इस बारे मे हमे पब्लिक की तरफ से कोई मैमोरंडम नही आया है और न ही डिविजनल कमी ानर की तरफ से इस बारे मे कुछ आया है। अध्यक्ष महोदय, ये 166 गांव को अलग करके गोहाना जिला बनाने की बात कर रहे है जिसने कुछ गांव पानीपत जिले के भी है। इसराना पानीपत

जिले मे पडता है और जुलाना जींद जिले मे पडता है। अध्यक्ष महोदय, पहले ही बहुत जिले बन चुके है। जहां तक क्राईटेरिया का सवाल है, जिला बनाने के लिए फिक्स क्राईटेरिया नही है। जिले तो लोगो की सहूलियत के हिसाब से, प्र ाासनिक ग्रांउड के हिसाब से बनाये जाते है। मै समझता हू कि पहले की काफी जिले बन गये ह ैअब और जिले बनाना ठीक नही होगा।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, जो हमारे माननीय साथी से गोहाना को जिले बनाने का जिक्र किया है इसमे कोई दो राय नही कि जब से हरियाणा बना है तब से गोहाना पिछडा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जब लोकदल और बीजेपी की ज्वायंट गवर्नमैंट हरियाणा मेब नी थी और डाक्टर मंगल सैन जो रोहतक से थे और वे उस समय गृह मंत्री थे, उन्होने रोहतक की जनता से कहा था कि वे रोहतक को लुधियाना बना देगे। कुछ दिनो के बाद रोहतक के लोग उन्हे कहने लगे कि आप तो रोहत को लुधियाना बनाने की बात कर रहे थे लेकिन आपने तो रोहतक को गोहना बना दिया। यानि गोहाना पहले से ही पिछडा हुआ माना जाता है। अब मै मेरे साथी को आ वस्त करना चाहूंगा कि यह इनकी अपनी सरकार है और अब गोहाना को पिछडा नही रहने दिया जायेगा। वहां पूरा विकास कराया जायेगा।

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, हमारे मौजूदा ढांचे सारी विसगतियां है। उन्हे हम दूर करना ही होगा। मेरे हल्के मे भारती गांव है। उस गांव की तहसील सोनीपत है,

पुलिस स्टे ान गोहाना है और ब्लोक गन्नौर है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उस गांव के लोगो को बहुत ज्यादा असुविधा होती है और एक काम के लिए अलग अलग जगह जाने से खर्चा भी ज्यादा होता है। इस बारे मे मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इस और ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, ऐसा यह एक गांव नही है पूरे प्रदे ा मे और भी गांव ऐसे होगे। यह तो मैने एक उदाहरण दिया है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि हमारे ढांचे मे जो इस तरह की विसंगतियां है उनका सर्वे करवाकर उन्हे दूर किया जाये ताकि आम जनता को परे ाानी न हो। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि उस स्थिति को तर्कसंगत तरीके से ठीक करवाने के लिए क्या सरकार इस पर विचार करेगी या कोई कमेटी गठित करके इसको टाईम बांउड करवाएंगे।

Mr. Speaker: I think Delimitation Commission has stopped all this.

Ch. Dharam Pal Singh Malik: Sir, Delimiation Commission has not stopped all this. They have stopped only delimitation of Districts. सर, यह सब ठीक है लेकिन मैने थाना और ब्लांक की बात की थी वह असैम्बली के लिए ठीक है। अब डी–लिमिटे ान कमि ान बना है वह छः महीने मे इसे पूरा करेगा। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि सभी जगह यह काम होना चाहिए। बहुत सारी ऐसी जगहे है जहां तक कांस्टीच्यूएंसी मे ब्लांक है, दूसरी मे पुलिस स्टे ान है और तीसरी

मे तहसील है वह सब अलग अलग है और लोगो को अपने काम करवाने के लिए जगह जगह पर चक्कर कांटने पडते है। मेरे कहने का तात्पर्य है यह है कि इस प्रकार की विंसगतियों को दूर करने के लिए कोई तर्कसंगत ढांचा बनाने के लिए क्या कोई कमेटी गठित करने का सरकार का विचार है या नही?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इससे पहले एक कमेटी बनी थी जिसको चौधरी धीरपाल जी ने हैड किया था। उस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट भी दी थी लेकिन उस वक्त के हमारे जो चीफ इलैक ान कमि ानर थे उन्होने यह कहा कि आफटर 28.4.2004 तक जितनी रिआंर्गेनाईजे ान हो चुकी है उनको बन्द नही किया जाएगा। जैसे इन्होने क्वै चन किया है हमारी सरकार ने भी एक कमेटी बनाई है which would be headed by Mrs. Kartari Devi जो हैल्थ मिनिस्टर है। मै भी उस कमेटी का मैम्बर हू और उसमे डा0 रघुवीर सिंह कादयान जी, जितेन्द्र मलिक जी, के0एल0 भार्मा जी, भी मैम्बर है और हमारे इलावा चारो कमि ानर अम्बाला, रोहतक, गुडगांव और हिसार भी उस कमेटी के मैम्बर्ज है। इस कमेटी का मेन परपज यह है कि to rationalize and allocate the villages to Block, Sub Tehsil, Policto Station, Tehsil, Sub Division or District by transferring areas from on District to another. लेकिन दूसरी बात यह है कि हमने एफ0सी0आर0 को और हमारे जो स्टेट इलैक ान आफिसर है उनको हमने फाईल मे लिखा है कि वे जा कर इलैक ान कमि ानर से बात करे क्योंकि अभी

गवर्नमैंट चेंज हुई है। पिछली सरकार ने कुछ ऐसे चेंजिज किए थे जो कि राजनीतिक तौर पर किए थे। उसके बारे मे हमने उनसे कहा है कि हमारी गवर्नमैंट अभी आई है अगर रिआंर्गेनाईजे ान का कुछ कार्य होगा जो इसके बारे मे हम कदम उठा सकेगे और कार्यवाही कर सकेगे तथा हम कार्यवाही कर भी रहे है।

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले मे बवानी खेडा, लोहारू, और बाढडा उनके डिस्टिक्ट एक ही है। जब तक डिलिमिटे ान का काम पूरा नही होता तब तक उस जिले के बहुत से गांवो की चकबन्दी का काम पूरा नही होता। और आज के दिन सारी स्टेट मे चकबन्दी का काम होना मु कल है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि जब तक चकबन्दी न हो इन गावों की किल्लाबन्दी करवाई जाए ताकि उन गावो मे आने जाने के रास्ते बन जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हांलाकि यह सवाल मेन सवाल से लिंक तो नही करता है लकिन फिर मै इनसे यह कहना चाहता हू कि वे मुझे सैपरेटली लिख कर दे हम इस पर गौर कर लेगे और जहां तक हो सकेगा उसके लिए हम को ि ा ा कर लेगे।

Procurement of Bajra

71. Shri karana Singh Dalal: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the district wise quantity of production and procurement of bajra crop during the year 2000-2001,2001-2002, 2002-2003, 2003-2004 and 2004-2005 in the State.

(b) the details of the disposal of the Bajra crop so procured as referred to in part (a) above; said.

(c) whether the state Government has suffered any loss on account of procurement of Bajra crop during the period as referred in part (a) above; if so, the year wise details thereof ?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन): (क) और (ख) विवरणी सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ग) राज्य की एजैन्सियों द्वारा बाजरे की खरीद (अधिप्राप्ति) भारत सरकार की न्यून्तम, समर्थन मूल्यों पर मोटे अनाजो की खरीद नीति के अन्तर्गत की जाती है। मोटे अनाजो की खरीद तथा निपटाना मे जिस नीति का अनुसरण किया जाता है, वह निम्न प्रकार से है:—

(i) राज्य सरकार/उसकी एजैन्सियां, भारतीय खाद निगम/भारत सरकार की तरफ से खाधान्नो की खरीद न्यून्तम समर्थन मूल्य की नीति के अन्तर्गत समर्थन मूल्यों पर करेगी;

(ii) राज्य सरकार खरीद गई मात्रा मे से उतना अपने पास रखेगी जितनी कि जन वितरण प्रणाली के अन्तर्गत मांग है

तथा बकाया मात्रा का निपटाना भारतीय निमग ''जैसा ही जहां है'' के आधार पर खुली बोली/निविदा द्वारा करेगी; तथा

(iii) राज्य सरकार को, उस द्वारा खर्च की गई रकम तथा निपटाना की किमत का अन्तर, सबसिडी के रूप मे दिया जाएगा।

उपरोक्त वर्णित स्थिति को देखते हुए, उपरोक्त समय मे हुई बाजरे की खरीद मे राज्य सरकार तथा इसकी एजेन्सियों को, किसी प्रकार से नुकसान होने की संभावना नही है।

विवरणी

District	2000-2001				2001-2002			
	Prod.	Arrival	Proce.	Disposal	Prod.	Arrival	Proce.	Disposal
Bhiwani	156000	3835	0	0	243000	2714	0	0
Faridabad	19000	5057	0	0	19000	1530	0	0
Fatehbad	14000	0	0	0	15000	0	0	0
Gurgaon	78000	10174	0	0	80000	4864	0	0
Hisar	7400	2840	0	0	9600	1308	0	0

	0				0			
Jind	64000	16787	0	0	53000	0	0	0
Jhajjar	31000	0	0	0	32000	1340	0	0
Kaithal	9000	0	0	0	9000	0	0	0
Karnal	3000	0	0	0	1000	0	0	0
Narmaul	110000	15257	0	0	154000	17880	0	0
Panchkula	0	0	0	0	0	0	0	0
Panipat	0	40	0	0	0	4	0	0
Rewari	59000	8710	0	0	91000	14376	0	0
Rohtak	27000	1615	0	0	22000	414	0	0
Sirsa	3000	0	0	0	5000	0	0	0
Sonepati	12000	3784	0	0	11000	312	0	0
Y. Nagar	1000	0	0	0	1000	0	0	0
Total	6560	6809	0	0	8320	0	0	

	00	9			00			

District	2002-2003				2003-04			
	Prod.	Arrival	Prod.	Arrival	Proce.	Disposal	Proce.	Dis
Bhiwani	118000	1504	0	0	242000	13571	11462	11
Faridabad	7000	1433	0	0	14000	31974	30879	30
Fatehbad	14000	0	0	0	18000	0	0	0
Gurgaon	43000	7508	0	0	84000	45832	43490	43
Hisar	88000	1070	0	0	133000	15072	14600	14
Jind	43000	2727	0	0	84000	30674	30674	30
Jhajjar	32000	0	0	0	39000	89	75	74
Kaithal	9000	0	0	0	14000	2700	2700	26
Karnal	1000	0	0	0	2000	0	0	0
Narmaul	49000	2128	0	0	213000	39157	33208	33
Panchkula	1000	0	0	0	2000	0	0	0
Panipat	1000	0	0	0	2000	0	0	0
Rewari	2600	3097	0	0	99000	30169	21268	21
Rohtak	15000	422	0	0	30000	2773	2725	27
Sirsa	5000	0	0	0	15000	30136	3013	30
Sonepati	5000	1396	0	0	11000	5932	5027	50
Y. Nagar	1000	0	1000	0	2000	0	0	0

Total	458000	21285	0	0	1004000	220956	199121	19

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने सदन की पटल पर जो विवरण प्रस्तुत किया है उसके हिसाब से 2004–05 मे जो खरीददारी की गई और उसको देखने से पता चलता है कि उस साल बाजरे का उत्पादन ठीक था। स्पीकर साहब, उससे पहले के वर्शो मे बाजरे की खरीद जानबूझकर नही की गई थी जिससे किसानो को बहुत नुकसान हुआ था और इससे फसल के विविधिकरण पर बहुत बुरा असर पडता है। क्या उप मुख्यमंत्री जी आ वासन देने कि इस साल जो बाजरे का उत्पादन होगा उसकी गिरदावरी करके किसानो को फायदा देने का काम किया जाएगा।

श्री चन्द्र मोहनाः स्पीकर साहब, मै सदन मे आ वासन देता चाहूंगा कि बाजरे की जो भी फसल होगी उसको सरकार खरीदने का काम करेगी।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथी ही मै एक बात और कहना चाहूंगा कि हमारे यहाहं पर जिनती भी बाजरे की प्रोडक ान होती है उससे ज्यादा बाजरा मण्डियो मे आता है और यह पलवल मे भी आता है। इस बारे मे कर्ण सिंह दलाल जी, आप भी विजिलैट रहे ताकि हमारे किसानो की भी फसल की खरीद हो सके।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहता हू कि जो इन्होने

कहा है वह ठीक है। लेकिन जो पिछली सरकार थी वह और उनके लोग जो हरियाणा के नही थे, वे अलग अलग मण्डिया मे जाकर जबरन खरीद करते थे चाहे वे मण्डियो पलवल मे हो या दूसरी जगहो पर हो। मै इस बारे मे माननीय मुख्यमंत्री महोदय और उप मुख्यमंत्री से आ वासन चाहूंगा कि वे भी इस बारे मे ध्यान दे। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री जी ने जो सदन मे आ वासन दिया है उसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हू। स्पीकर साहब, मै यह चाहता हू कि बाजरे के उत्पादन को रेतिले इलाके मे बढावा देने का भी काम यह सरकार करे और उनकी फसल की खरीददारी का भी प्रबन्ध सरकार करे। स्पीकर साहब, इसके स्पोर्ट केन्द्र की सरकार निि चत करती है और एफ0सी0आई0 इसकी खरीद करती है। क्या सरकार हरियाणा मे सरकारी विभाग से मिलकर किसानो को बाजरे को बढावा देने का और उसकी खरीददारी का काम करवाएगी।

श्री चन्द्र मोहनः स्पीकर साहब, जैसा कि हमारे जवाब मे बताया है और मै सम्मानित साथी को आ वासन देना चाहूंगा कि हम जितना भी होगा किसानो को प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगे और उनकी बाजरे की फसल को खरीदगे।

डा0 सु गीला इन्दौराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से जानना चाहूगा कि जैसा कि इन्होने कहा कि गेहू, बाजरा, पैडी और सरसो की फसल की खरीद होगी। मै उनसे पूछना चाहता हू कि क्या इन्होने खरीददारी के लिए कोई नीति

निर्धारित की है। इस बारे मे मै यह कहना चाहूंगा कि जो मार्किट सोसाईटी और विपेज सोसाईटी बनाई गई है वह इतनी सक्षम नही है कि खरीददारी कर सके।

Mr. Speaker: Please confine to the question. It is not possible for the Minister to reply on all the crops.

डा0 सु गीला इन्दौराः स्पीकर साहब, मैने तो खरीद नीति का जिक्र किया है। वह चाहे किसी भी एजैंसी से की जाए। लेकिन मै यह कहना चाहता हू कि जो मार्किट सोसाईटी और विलेज सोसाईटी और विपेज सोसाईटी बनाई गई है वह इतनी सक्षम नही है कि वो खरीददारी कर सके। इस वजह से हरियाणा के किसानो को नुकसान होगा। यह जो गिरदावरी होगी उससे किसानो को नुकसान होगा और इस वजह से जो एजैन्ट्स है वे इसका फायदा उठा लेगे।

Mr. Speaker: Please put the question. Do not deliver the speech.

डा0 सु गीला इन्दौराः स्पीकर साहब, इस तरह से किसानो को करोडो रूपयों का नुकसान न हो और बिचौलिये करोडो रूपये किसानो के न खा जांए तो इसलिए मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि सरकार की इस बारे मे क्या नीति है?

श्री चन्द्र मोहनः स्पीकर साहब, जो माननीय सदस्य ने प्र ान पूछा है उसका मेन सवाल से कोई सबंन्ध नही है। लेकिन

जहां तक बिचौलियों का सवाल है वे इनके ही आदमी थे, हम उनको भगाएगे।

Opening of Governement College

67. Shri Ram Kumar Gautam: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Government College at every Constituency in the State particularly in Narnaund?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): नही, श्रीमान जी।

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर साहब, मैने कल भी नारनौंद मे ि ाक्षा मंत्री जी से एक आई0टी0आई0 खोलने का आग्रह किया था। जो गांव डाटा और बास है। ये बहुत बडे गांव है और इसी तरह से हमारा नारनौंद गांव भी बहुत बडा गांव है यह कम से कम बीस गांवो का वह केन्द्र है। इसलिए वहां पर कालेज खोलना बहुत ही महत्वपूर्ण है। मै चाहता हू कि जैसे मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि गौतम तेरे हल्के मे सारे काम करेगे तो क्या यह कालेज मेरे हल्के मे खोला जाएगा? स्पीकर साहब, इस सै ान मे पिले चार दिन की प्रैक्टिस के दौरान हाउस मे मैने देखा है कि, कि कहकर टाल दिया जाता है कि Queestions Hour is Over.

श्री अध्यक्षः गौतम साहब, यह टालने की बात नही है। क्वै चन आंवर का टाईम ही एक घंटे का होता है। हाउस इस

बारे मे रूल्ज को अमैड कर दे मुझे क्या तकलीफ है। (Interrutions) I am not going to listen you, Guatum Ji, please take your seat.

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की भावना यह है कि ि ाक्षा के क्षेत्र मे प्रसार हो। मै उनको बताना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार की नीति है किसी भी छात्रा को 25 या 30 किलोमीटर से दूर उच्च ि ाक्षा के लिए न चलना पडे। इसी तरह से छात्राओ के लिए 67 परसैंट तक की पास की भी हमने सुविधा दी हुई है। जहां तक इनके क्षेत्र का सवाल है, यह क्षेत्र का सवाल है यह क्षेत्र हिसार जिले मे पडता है और हिसार मे दस कालेजिज है इनका क्षेत्र भी बीस किलोमीटर से ज्यादा दूर नही पडता है। जब हरियाणा बना तो उस समय राज्य मे 39 कालेजिज थे जबकि आज 201 कालेजिज है इसलिए अब किसी नये कालेज को खोलने की आव यकता नही है। इनकी भावना को मै समझता हू और ये भी यह समझते है कि हर काम इनके क्षेत्र मे हो लेकिन सरकार की नीति किसी क्षेत्र वि ोश की न होकर सारे प्रान्त की है।

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर साहब, मै एक बात बताना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः गौतम साहब, आप बताओ नही बल्कि पूछो।

श्री रामकुमार गौतमः स्पीकर साहब, हमारे अनेग गांव ऐसे है जो कालेजिज से बीस किलोमीटर से ज्यादा दूर पडते है।

बास गांव है, पूठी गांव है जो कालेज से 40 या 45 किलोमीटर की दूरी पर पडते है। इसी तरह से चितंगा गांव है, इसलिए अगर नारनौदं मे एक कालेज मुख्यमंत्री जी खोल देगे तो इनकी बल्ले बल्ले हो जाएगी।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक गौतम साहब ने यह कहा कि कई बांव इनके बीस किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर पडते है। ज्यादा दूर के लिए हमारे पास आदमपुर, हिसार, हांसी और नलवा के कालेजिज है। इस तरह से सभी गांव कही न कही नजदीकी कालेज से जुडे हुए है।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः स्पीकर साहब, कैथल एक ऐसा जिला है जिसमे आज तक भी पिछली सरकारों ने सरकारी कालेज नही खोला है। मंत्री जी के डिपार्टमैंट ने यह भार्त रखी थी कि अगर वहां पर 12 एकड जमीन आप डोनेट करवा देगे तो ये सरकारी कालेज खोलने पर विचार करेगें मैने 12 एकड जमीन जगदी ापुरा गांव मे भी जो चण्डीगढ अम्बाला रोड पर पडता है। वहां राइट आन दा रोड कैथल के पास दिलवा दी है और इस बारे मे चिट्ठी लिख दी गई है। वहां पर गवर्नमैंट कालेज मे नये सब्जैक्ट हो पुराने विशय न हो जिन्हे पढकर जब बाहर बच्चे जाते है तो उनको नौकरी या रोजगार मिला जाता है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, कैथल या गवर्नमैंट का तो कोई कालिज नही है लेकिन कई और कालेजिज

है। जैसा माननीय सदस्य ने कहा है कि वे भूमि उपलब्ध करवा देगे तो हम और भी सुविधाए दैगे। सरकार का काम हम क्षेत्र मे ि ाक्षा प्रसार करना है और जो प्रेपोजल आएगी उस पर विचार किया जाएगा।

श्री राज रानी पूनमः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहती हू कि असंध मे कोई गवर्नमैंट कालेज नही है क्या वहां गवर्नमैट कालेज खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, अंसध मे कोई गवर्नमैंट कालेज नही है लेकिन असंध तो करनाल का हिस्सा है और करनाल मे कोई कालेजिज है ?

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहती हू कि जैसा कि अभी बताया कि कैथल जिले मे कोई सरकारी कालेज नही हैं हमारे कलायत मे मार्किट कमेटी की 9 एकड लैंड है और वहां पर एक प्राईवेट महिला कालेज की भुरूआत की गई है लेकिन फंडस की कमी की वजह से वहां की मैनेजिंग कमेटी यह चाहती है कि उसको गवर्नमैट टेकओवर कर ले। क्या सरकार इस पर विचार करेगी क्योंकि कलायत मे महिलाओ का ि ाक्षा स्तर कम है ?

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, जैसा मैने कहा कि सरकार की नीति ि ाक्षा के क्षेत्र मे प्रसार करने की है। कैथल

मे एक डी0ए0वी0 पूंडरी, एक कन्या महाविधालय, फतेहपुर पूडंरी, आर0के0एस0डी0 महाविधालय, कैथल, इंदिरा गांधी महिला महाविधाय, कैथल डी0ए0वी0 कालेज, चीका और कन्या महाविधायल, डांड है। फिर भी माननीय सदस्य ने इस बारे मे कहा कि और अगर ये इस बारे मे कोई प्रपोजल भेजेगे तो उस पर विचार कर लिया जाएगा।

श्री सोमबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि बहल भिवानी मे करीब 60 किलोमीटर दूर है जहां पर कालेज है और यह लोहारू से 45 किलोमीटर दूर है। वहां पर कालेज खोलने के लिए 15 एकड जमीन को रेजोल्यू ान मेरे पास है क्या मंत्री जी वहां पर कालेज खोलने का आ वासन देगे ?

श्री फूल चन्द मुलानाः ऐसा कोई प्रपेाजल नही है, जब आएगा तो विचार कर लिया जाएगा।

आई0जी0 भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि जैसा कि ि ाक्षा नीति मे बढोतरी की जा रही है मेरा हल्का जुलाना जीन्द से 30 किलोमीटर दूर पडता है लेकिन जो उसकी पैरीफेरी मे गांव है वे बहुत दूर दूर पडते है हम वहां पर गवर्नमैट कालेज खोलने के लिए 30 एकड जमीन तक देने को तैयार है ताकि आसपास के गांवो के लोगो को अपने बच्चो को पढाने मे सुविध हो। मै मांननीय मंत्री

महोदय से जानना चाहता हू कि क्या वहां कोई कालेज खोला जाएगा?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने कहा कि वहा नया कालेज खोलने का अभी ऐसा कोई विचार नही है लेकिन जब आप सुझाव भेजेगे तो सरकार खुले दिल से विचार करेगी।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह: मै यह कह रहा था कि सरकार की नीयत अधिक से अधिक ि ाक्षा का प्रसार करने की है प्रदे ा के हित मे तो कालेजिज या ि ाक्षा का प्रसार और जो संस्थाए खुली हुई है और जहां एम0ए0 की क्लासिज अब तक चल रही थी वहा पर फस्ट ईयर के एडमि ान यह कह कर नही किए गए कि युनिवर्सिटी मे ही एडमि ान होगे। वहां क्लासिज नही लगेगी। (विघ्न)

Mr. Speaker: This question was particularly for Narnaund but now the colleges of the entire State are being discussed here. It is very difficult for the Education Minister to reply all this.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह: अध्यक्ष महोदय, वहां फस्ट ईयर के एडमि ान यह कर बन्द कर दिए कि ये एडमि ान यूनिवर्सिटी मे होगे और वहां क्लासिज लगेगी। क्या मंत्री महोदय इस बारे मे इन्कवायरी करवा कर उन क्लासिज मे दोबारा एडमि ान करवायेगे। कृप्या यह बताने का कश्ट करे।

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, एम0ए0 की क्लासिज किसी भी कालेज मे बन्द करने का सरकार को कोई प्रस्ताव नही है। अगर किसी भी कालिज ने ये क्लासजि बन्द की हुई है और किसी कारण से हुई है, अगर आदरणीय सदस्य लिखकर भेज दे तो हम पता करवा लेगे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैने पर्टीकुलर कालेज का नाम बता दिया है।

Mr. Speaker: I think that is sufficient.

Smt. Kiran Chaudhery: Hon'ble Speaker Sir, I would ask Hon'ble Education Minister whether there is any scheme to bring vocational colleges for women in every district of the State because our Government is committed to the upliftment of women. If yes, when the proposal is going to be made.

Sh. Phool Chand Mullana: Hon'ble Speaker Sir, as I have answered in another question that the Government is introducing new vocational courses in Government as well was private college. If the proposal forms any college comes, we will openly grant the permission to start vocational courses.

डा0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री आदरणीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि पिछली सरकार के समय मे केन्द्र की एन0डी0ए0 सरकार के ि ाक्षा मंत्री ने डबवाली मे एक केन्द्रीय विधालय खोलने के लिए मन्जूर किया था।

Mr. Speaker: It is very difficult for the Minister to reply about every college or school.

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय ि ाक्षा मंत्री से प्रार्थना करूंगा कि ये केन्द्र से बात करके पता करवा ले कि उस विधालय का फयूचर क्या है ?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय सदस्य ने खुद कहा कि यह केन्द्रीय विधायल केन्द्र सरकार द्वारा मन्जूर किया गया है अगर केन्द्र सरकार मन्जूर करती है तो स्टेट गवर्नमैंट इसमे कोई ना नही करेगी इसके बारे मे हम पता करवा लेगे।

श्री दूडा रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री से पूछना चाहता हू कि फतेहबाद हैडक्वार्टर पर लडको का कोई कालेज खोलने का सरकार विचार करेगी?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, फतेहबाद पहले सिरसा जिलो का ही हिस्सा था सिरसा जिलो मे कई कालेज है और उधर हिसार मे और हिसार के आसपास भी कई कालेज है इसलिए फतेहबाद मे कोई कालेज खोलने का सरकार का विचार नही है।

कुमारी भारदा राठौरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहती हू कि बल्लबगढ मे एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर ने खाली जमीन पर कई कमरे बनाये हुए है

और उसमे एक प्राईवेट स्कूल चल रहा है अगर वह जमीन हम कालेज के लिए सरकार को दिलवा दे तो क्या वहां पर लडकियों का कालेज खोलने के लिए सरकार विचार करेगी क्योकि उस जमीन पर कई कमरे बने हुए है।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद जिले मे महिलाओ के लगभग 10–12 कालेज है इसलिए वहां पर कालेज खोलने की कोई आव यकता नही है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि 1991 से 1996 तक हमने आई0टी0आई0 खोलने के लिए सारे स्टेट मे बहुत बडा नैट वर्क बनाया था बाद की सरकारों ने आई0टी0आई0 के काफी ट्रेड बन्द कर दिए। वे क्यों बन्द कर दिए क्या मंत्री जी बतायेगे? क्या ऐसी कोई सरकार की स्कीम है कि जो बन्द कर दिए है उनको फिर से रिव्यू करेगे।

10.00 बजे

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस सवाल से इसका कोई सम्बन्ध नही है लेकिन क्योंकि यहां इंडस्ट्रियल ट्रैनिंग भी मै देख रहा हू, इसलिए मै उनको बताना चाहता हू कि सरकार की पूरी कोि ा ा है कि जो संस्थाए बीमार है उकी सेहत को ठीक किया जाएगा।

डा0 ि ाव भाकंर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी को बताना चाहता हू कि भिवानी मे जो वूमैन कालेज है वह किराए की बिल्डिंग मे चल रहा है क्या इस साल सरकार कोई सरकारी बिल्डिंग बनाने बारे सोच रही है और अगर सरकार विचार कर रही है तो कब तक?

Sh. Phool Chand Mullana: Sir, Bhiwani in an important statin. There is a proposal under consideration of the Government and the land is alos available there, Proceedings hae already been started in this regard. As and when the land is transferred to the Eduacation Department, we will start the proceedings of construction of the building.

Augmentation of Sub Station, Mithi

45. Shri Somvir Singh, MLA: Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the execution of augmentation of 33 KV Sub Station Mithi form 2 MVA to 4 MVA and 33 KV Sub StationIsharwal from 2 Nos. tramformers by providing additional 6.3 KVA tranforemer is likely to be completed.

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda): Sir, the capacity of the 33 KV substations at Mithi shall be augmented by the end of June, 2005.

श्री सोमबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहता हू कि जहां तक मेरी नालेज है कि 33 के0वी0 सब स्टे ान, इसरवाल की क्षमता बढाने का प्रपोजल चीफ इंजीनियर हिसार के पास पहले से ही गया हुआ

है, अगर जरूरी नही है तो प्रपोजल किस लिए भेजा हुआ है ? 33 के0वी0 सब स्टे ान इसरवाला की जो क्षमता है वह उससे बहुत ज्यादा ओवर लोडिड है?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि जहां तक प्रपोजल का सवाल है प्रपोजल गई हुई है लेकिन वह इस तरह से नही है जो प्रपोजल है वह इस प्रकार है कि इसरवाल सब स्टे ान मीरान सब स्टे ान से फीड होता है मीरान मे 132 के0वी0ए0 का सब स्टे ान है और उससे 5 सब स्टे ान फीड हो रहे है। प्रपोजल जो है उसके अनुसार मीरान से 2 सब स्टे ानो को घटाकर उनको अलग से फीड करेगे। इससे उसकी समस्या खत्म हो जाएगी। यह ओवर लोडिड है इसमे कोई दो राय नही मीरान से जो सब स्टे ान फीड होते है इसरवाल, तो ााम, निगानी, सिवानी, और थारवा। अब 2006–07 मे इसकी अगूमैटें ान करके 2 सब स्टे ान ि ाफ्ट कर देगे। तो ााम और नगीना को तो ााम के 132 के0वी0ए0 के सब स्टे ान पर ि ाफ्ट कर देगे। मीरान पर 3 रह जाएगे, उसके बाद समस्या हल हो जाएगी और यह काम 2006–07 तक पूरा हो जाएगा।

श्रीमती भाकुंतला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हू कि बावल मे 266 के0वी0 का एक सब स्टे ान है और बावल बहुत बडा इंडस्ट्रियल एरिया है। गांव के लोगो के लिए और इंडस्ट्रीज के

लिए सब स्टे ान है। क्या सरकार इंडस्ट्रीज के लिए अगल से सब स्टे ान बनाने का कोई प्रावधान करेगी?

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda): This does not relate to this question However, information in this regard will be sent later.

कुमारी भाारदा राठौरः अध्यक्ष महोदय, बल्लभगढ मे फतेहपुर बिलोच.....

Mr. Speaker: it is not possible to give answer, Madam Ji, take you seat please (Interuptions) No, I am sorry.

Opening of Poly technic at Hsaaanpur

55. Shri Udai Bhan: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Polyechnic in the Hassanpur town of Hassanpur Constituenyc; if so, the time by which it is likely to be opened?

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda): No, Sir.

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हू कि हसनपुर क्षेत्र फरीदाबाद जिले मे सबसे पिछडा हुआ क्षेत्र है। हसनपुर मे न तो कोई आई0टी0आई0 है और न ही पोलीटैक्नीकी कालेज है। उटावड मे पोलीटैक्नीक कालेज है जो हसनपुर से 40–45 किलोमीटर की दूरी पर है। हसनपुर मे जैसा कि मैने कहा न कोई आई0टी0आई0 है

न वोके ानल इस्ट्रीच्यूट है और न ही पोलीटैक्नीकी कालेज है इसलिए मै मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके हसनपुर मे या उसके आसपास कोई पोलीटैक्नीक कालेज बनायेगे ? यदि जमीन की समस्या है तो वह भी वहां के लोगो द्वारा उपलब्ध करवा दी जायेगी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा मे टोटल 38 पोलीटैक्नीक कालेज है जिनमे 17 सरकारी है, 17 प्राईवेट है और 4 एडिट कालेज है। जिनमे से मेरे ख्या लमे 6 पोलीटैक्नीक कालेज केवल फरीदाबाद जिले मे है। इन सभी कालेज मे कुल इनटेक 8640 बच्चों समय 6 पोलीटैक्नीक कालेज हरियाणा मे थे। जिनमे 4 सरकारी और 2 प्राईवेट थे और उनमे 1140 बच्चे पढते है मै मेरे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि 6 पोलीटैक्नीक कालेजो के अलावा फरीदाबाद जिले मे बहुत सारे इन्जीनिरिंग कालेज भी चल रहे है पूरे हरियाणा मे सबसे जयादा पोलीटैक्नीक कालेज फरीदाबाद जिले मे है इसलिए वहां पर एक और पोलीटैक्नीक कालेज खोलना उचित नही है।

प्रो0 दिने ा कौि ाकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हू कि पुण्डरी हल्के के पपनाला गांव मे पोलीटैक्नीक कालेज बनना मजूंर हुआ था और चौधरी बसी लाल जी उसका फाउडे ांन स्टोन भी रखकर आये थे उसके बाद उनका राज चला गया और वह पोलीटैक्नीक कालेज आज तक नही बना है पता नही कहां चला गया। क्या हमारे

मुख्यमंत्री महोदय उस बनवाने के लिए सहानुभूमिपूर्वक विचार करेगे। मै इस बारे मे आगे बताना चाहूंगा कि उसके लिए लैड भी एक्वायर हो चुकी थी और उस समय आर्डर पास हो गये थे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि जिस तरह से पुण्डरी हल्के मे पोलीटैक्नीक कालेज बनाने के लिए फाउडें ान स्टोन रखा गया उसी तरह से पिछली सरकारो द्वारा बहुत से स्थानो पर पोलीटैक्नीक कालेज बनाने के लिए फाउडे ांन स्टोन रखे गऐ थे और कार्य भाुरू नही हुआ। मै बताना चाहूंगा कि 50 करोड रूपये का बजट पोलीटैक्नीक कालेजिज के लिए रखा गया है। हमारी सरकार इनकी गुणवता बढाने की तरफ ध्यान दे रही है इसी बात को ध्यान मे रखते हुए हमने एम0पी0, नवीन जींदल जी की अध्यक्षता मे एक कमेटी बनाई है क्योंकि जो कानब ांनल डिसीप्लीन थे उससे हटकर आजकल डिसीप्लीन है इसलिए हम चाहते है कि बच्चो की इनटेक ज्यादा हो और उस तरफ ध्यान देगे। इस बात की मुझे प्रसन्नता है कि हमारा जो नीलोखेडी पोलीटैक्नीक कालेजहै उसमे जितनी इनटेक है उसकी 100 प्रति ात प्लैसमैंट है। हम इस प्रकार की गुणवता को बढाना चाहते है। प्र ान पूछने के लिए मेरे काई साथी हाथ उठा रहे है, ऐसी कई जगह है जहां पोलीटैक्नीक कालेज नही है। अभी मै रिवाडी गया था वहां हमारी सरकार ने धामलवास गांव मे एक पोलीटैक्नीक कालेज बनाने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे सीमित साधन है पहले हम

गुणवता बढाने की तरफ ध्यान दे रहे है। तीन महीने मे जिंदल साहब कमेटी की रिपोर्ट दे देगे। उसमे प्राईवेट इन्ट्रपाईजिज जो अच्छी अच्छी है हम उनसे चर्चा कर रहे है कि किस तरह से इन कालेजिज की गुणवता बढाई जाये और वे इनमे ट्रेनिंग लेने वाले युवको को नौकरियां दे। इसी तरह से पानीपत जिले के डाहर गांव मे जो पोलीटैक्नीक कालेज बनता है उसको ए0आई0सी0टी0ई0 से एप्रूवल नही मिली है, कई जगह पर ए0आई0सी0टी0ई0 से एप्रूवल लेनी पडती है वह प्रौसेस मे है। हमारी सरकार सारी डिटेल्ज का अध्ययन कर रही है और सभी की तरफ ध्यान दे रही है जो भी संभव होगा वह हम करेगे।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो जो बात मै पूछना चाहता था माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने उसका जवाब दे दिया है और यहा पर तसल्ली करने की कोि ा ा की है। जीन्द मे वर्श 1995–96 मे पोलीटैक्नीक कालेज सैक ान हुआ था और 25 एकड लैण्ड डिपार्टमैन्ट/गवर्नमैट को हैण्ड आवर भी कर दी गई थी। आज 10–11 साल गुजर गए है लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से उस बारे कोई कदम नही उठाया गया है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी आज जीन्द पर बहुत मेहरबान है और उनका जीन्दद पर हक भी बनता है। इसलिए मै यह चाहूंगा कि तुरन्त इस पोलीटैक्नीक पर कार्यवाही करके इसको चालू किया जाए।

Mr. Speaker: I think you were Minister at that time and you continued as Minister for one year more.

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह पोलीटैक्नीक मैने उसी समय तो मन्जूर करवाया था और उसके बाद मै मिनिस्ट्री से हट गया था बाद मे सरकार ने इस स्कीम को रद्द कर दिया था।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जैसे कि मैने चर्चा की जो पोलीटैक्निकस है उनमे जीन्द मे राजपुरा गांव मे पोलीटैक्नीक का फाउडे ान स्टोन रखा गया था और 25 एकड जमीन नही बल्कि 20 एकड जमीन ग्राम पंचायत ने दी थी। इस प्रकार से कुरूक्षेत्र मे उमरी है, पंचकूला मे नानकुपरा है, इसी प्रकार सिरसा,डबवाली, यमुनानगर, रिवाडी मे पोलीटैक्निकस का मैने जिकर किया है कैथल मे, पबनाया मे, टोहाना मे और फतेहबाद मे भी पोलीटैक्निकस बनने है। इनमे से कुछेक की जमीन दी जा चुकी है और एक आध जगह पर जमीन अवेलेबल नही है। कही पर जमीन 20 एकड दी गई हे और कही पर 21 एकड जमीन दी गई है। स्पीकर साहब, यह सारा मामला हम देख रहे है और प्रयास कर रहे है कि इन पोलीटैक्निकस को जल्दी से चालू किया जाए लेकिन इसके साथ हमारा ध्यान इस बात पर भी ज्यादा है कि क्वांटिटी की जगह क्वालिटी को बढाया जाये ताकि उससे हमारे बच्चो को रोजगार मिल सके। अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी हो सकता है उसके लिए सरकार प्रयास कर रही है।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद की आबादी 22 लाख है और नगर निगम से बाहर रूरल ऐरिया भी है जिसमे एक भी पोलीटैक्नीक नही है। मेरा हसनपुर ऐरिया सबसे पिछडा हुआ ऐरिया है और उतावड मेवता जिले मे है मै माननीय मुख्यमत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि उन्होने जो छ पोलीटैक्निकस बताए है वह कहां पर है जो रूरल ऐरियाज नगर निगम के बाहर है वहा पर और हसनपुर जो कि सबसे पिछडा हुआ इलाका है क्या वहां पर पोलीटैक्निक बनाने की कृप्या करेगे ?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैने कहा कि वाई0एम0सी0ए0 इन्स्टीच्यूट आफ इन्जीनियमिरिंग है और इसकी इनटेक कैपेसिटी 30 बच्चो की है। अल्फा स्कूल आफ इन्जीनियरिंग टैक्नोलोजी फरीदाबाद, बी0एस0 आंगनपूरिया, इसटीच्यूट आफ टैक्नोलांजी मैनेजमैन्ट, फरीदाबाद, कैरियर इन्स्टीच्यूट आफ टैक्नोलोजी मैनेजमैट, फरीदाबाद जैसा कि पहले कहा है आईआई0टी0 होता है, सैकण्ड कैटेगरी मे पोलीटैक्निकस और इन्जीनियरिंग इस्टीच्यूट है। अकेले फरीदाबाद मे छः इन्जीनियरिंग कालेज है छ एम0बी0ए0 कालिज है छः एम0सी0ए0 कालेज, एक फार्मेसी कालेज और पोलिटैक्निकस है और सभी मे कोर्सिज चल रहे है। इन सबका परपज एक ही है इसलिए मै समझता हू कि अभी फरीदाबाद मे किसी और पोलिटैक्निक इस्टीच्यूट की कोई जरूरत नही है।

Construction of Drainage/Channel

93. Shri Tejinder Pal Singh Mann: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether the State the Government has received any complaint in regard to the use of sub standard material in the construction of drainager/channels in the state during the regime of previous Government; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct any qnquiry into the matter referred to part (a) above?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) Yes, Sir

(b) The complaints are under investigation.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान एक बात की और दिलाना चाहूंगा। कैथल जिले मे जहां से हम गुजरते है एक भी ऐसा गांव नही मिला जहां ड्रैनेंज का कोई फायदा हुआ हो। यह पैसा सैट्रंल गवर्नमैंट से आया था वह वाकेय ही down the drain वाली बात है। जगह जगह पर लोगो ने मिट्टी डाल कर रास्ते बनाए हुए है और उन जगहो पर गन्दा पानी इकट्टा हो कर मच्छर पालने की जगह बनी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहता हू कि क्या किसी नीति के तहत सरकार इस परियोजना की चैकिंग करवाएगी क्योकि इसमे टोटल पैसा खाया गया है। मै यहां पर यह बताना चाहता हू कि पाई हल्के मे सिर्फ एक ठेकेदार ने

सारा काम किया है। उस ठेकेदार ने हमारे उस वक्त के मंत्री का घर भी बनायां आज भी गांव मे 300 कट्टे पंचयतीा राज के इस घर मे लगाने के लिए पडे हुए थे। मैने परसो ए0डी0सी0 और डी0सी0 के नोटिस मे लाकर चैक करवाया है। कल भी मैने गलियों के बारे मे एक सवला किया था कि पंचायती राज का जो काम होता है, उसमे जो भी पैसा लगाता है। आमतौर पर उसमे से 10.20 प्रति ात अधिकारी लोग खाया करते है। लेकिन इसमे तो 60–70 प्रति ात पैसा खाया गया है। जिन गलियों मे चार इंच कक्रीट डालनी थी उसकी बजाय दो दो इंच की कही गलियों के अन्दर ईटे नही लगाई गई और सारी नालियां गिरी पडी है। मैने एक कम्पलेट वि ोशकर कैथल जिले के पाई गांव के बारे मे की है। क्या मंत्री जी डी0सी0 से पंचायतो की सामूहिक रूप से इन्क्वायरी करवाएगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीर साहब, माननीय साथी ने जो कैथल जिलो मे ड्रेनो के बारे मे बात रखी है तो ये इस बारे मे जो इनकी स्पैसिफिक कम्पलेट है उसको चीफ विजिलैंस आफिसर और एस0सी0 विजिलैंस पचकूलां को लिखकर दे दे। पहले इस बारे मे ये हालात थे कि अफसर रिटायर हो जाते थे और उनके खिलाफ चार्ज ाीट भी दायर नही होती थी अब हमने यह आर्डर दे दिया है कि जो डिफाल्टिंग आफिसर है उनके खिलाफ एक महीने मे चार्ज भााीट दाखिल की जाए और उनके खिलाफ तीन महीने मे इन्कवायरी की रिपोर्ट दी जाए। माननीय

सदस्य ने जो कहा है उस केस मे अगर अनियमितांए पाई गई तो जरूर कार्यवाही की जाएगी।

श्री तेजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सदन मे यह बताना चाहूगा कि पिछली सरकार के वक्त मे मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला जी पाई मे सिसला और सिरमौरा गांवो मे आए थे और उनको यहां पर 5 से लेकर 7 लाख रूपए की मालांए डाली गई थी। वह सारे का सारा पैसा वहां की गलियों का और नालो का था जो इनको मालाओ के रूपये मे डाला गया था। स्पीकर साहब, उस वक्त वहां पर बडा भारी सूखा पडा हुआ था। जब इनको मालांए डाली गई और मुझे इस तरह मालांए डलती रहे। स्पीकर साहब, वहां का पैसा भूतपूर्व मुख्यमंत्री उनकी सरकार के मंत्री और वहां के विधायक खा गए थे। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्रीजी से प्रार्थना करूगां कि यह जो घोटाला उस वक्त किया गया था इस बारे मे इन्क्वायरी करवाई जाए जिससे पता चलेगा कि यह करोडो रूपयो का घोटाला है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, यह मामला इनसे भी और हमसे भी कन्सर्न्ड है। हमारे पास पिछली सरकार के बारे मे काफी कम्पलेटस आई हुई है। हमने यह विचार किया है कि इसमे इन्कवायरी के लिए हम हमारे डिपार्टमैंट के नुमायदे के अलावा बाहर से किसी दूसरी एजैंसी को भी इन्वालय करेगे और जो अनियमिततांए पाई जाएगी उस बारे मे कार्यवाही करेगे।

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: Mr. Indora, I told you in the very beginning. I gave you time to speak.Now please sit down.

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: Mr. Indora, Please take your seat.

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,. जिस तरह से मै माननीय साथी ने श्री ओम प्रका ा चौआला जी का नाम लेकर सदन से बात कही है तो इस बारे मे मै कहना चाहूंगा कि वे सदन के सम्मानित सदस्य है और बीमारी की वजह से सदन मे अनुपस्थित है। मेरा आपसे निवेदन है कि इन्होने जो उनके बारे मे बात कही है यह एक्सपंज कर दी जाए। स्पीकर साहब, यह मामला चाहे क्र ान का है, चाहे वह सडक का मामला है या कोई दूसरा मामला है। इस बारे मे स्पीकर साहब, ट्रिब्यून मे 16.6.2005 को एक खबर है कि एम0एल0ए0 is still to serve the notice. (विघ्न) यहा पर एक्साईज एक टैक्से ान मिनिस्टर जी भी बैठे हुए है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इन्दौरा जी का यह प्र ान उससे सम्बन्धित नही जो प्र ान चल रहा है।

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: Mr. Indora, Please take your seat. Nothing is being recorded.

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: Mr. Indora, I gave you the time because you are a seasoned man. You are a seasond parliamentarian and you should know when supplementary can be asked for.

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: You know the procdure of putting the supplementary. Please take your seat.

श्री तेजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै अपने साथी को बताना चाहूंगा कि मैने इस बारे मे सारी खबरे एक्साइज एंड टैक्सो ान मिनिस्टर और मुख्यमंत्री जी की नालेज मे ला दी है। (भाोर एवम विघ्न)

Mr. Speaker: Mr. Indora, Please take your seat. Next Question.

Promotion of Sports in the State

89. Shri Ranbir Singh Mahandra: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the state being taken by the Government to spread the culture of sports in the State of Haryana; and

(b) whether the Government intends to involve the local bodies in promotion of sports; if so, the details thereof ?

Chif Minister (Sh. Bhupender Singh Hooda): A statement is laid on the table of the House.

Statement

Various steps have been taken by the Government to spread the culture of sports in the State of Haryana as per details given below:-

1. To provide more facilities to players a comprehensive Sports policy has been implemented.

2. Cash award of Rs. 1.00 crore, Rs. 50 lacs and Rs. 25 lacs are given to the players who bring laurels to the State and Country by winning Gold, Silver and Bronze Medals respectively in Olympic games :—

The position holders of International/National tournaments shall be awarded as under:—

Sr. No.	**Level of tournament**	**Gold Medal**	**Silver Medal**	**Bronze Medal**
1	2	3	4	5
a	Word Cup Championship	300000	2000000	100000
b	Asian/Afro Asian Games	10000000	700000	500000
c	Commonwealth Games	700000	500000	300000

d	Asian Championship	100000	75000	50000
e	National/SAF Games	51000	31000	21000
f	National Championship	31000	21000	11000
g	National School Games	10000	70000	5000
h	All India Inter Universirty	10000	70000	5000
I	National Women Sports Tournament	10000	70000	5000
K	International Veteran Athletice Championship	20000	15000	10000

1	2	3	4	5
Age of Gropup 45-50 Years				
i	National Veteran	7000	5000	30000

	Athletic Championship			
Age of Gropup 45-50 Years				
m	Special Olympic (International) for Mentally/Physically Challengedsports persons	500000	300000	200000
n	World Marathon for Mentally/ Physically Challenged sports persons	100000	75000	50000
o	Asian /Common-wealth games for Mentally/Physically Challenged sports persons	100000	75000	50000
P	Special Olympic (National) for Mentally/Physically Challenged sports persons	7000	5000	30000

2. Rs. 94,54,000/- were given as Cash Awards under this scheme to 672 players last year.

3. Haryana Govt. is providing 3% reservation to sports persons in Govt. jobs

4. Bhim Awards are given to honour the five outstanding players of **Haryana_ every year. Each** "Bhim Awardee" is given a prize of Rs. 1.00 lac and other facilities.

5. An Award has been instituted to honout Coaches, who produce players of International/National repute. This aware will be given to 5 Coaches of Haryana every year. A sum of Rs. 1.00 lac in each and other facilities will be provided to each Awardee.

Note : The amount of cash award for each member of position holder team will be equal to the amount to be given to position holders of individual events.

6. (i) Scholarship of Rs. 1800/- (Rs. 150/- PM) for first position holder at National/State level tournament/championship for college students.

(ii) Scholarship of Rs. 1200/-(Rs. 150/- per month) for second position holder at National/State level tournament/championship for college students.

7. (i) Scholarship of Rs. 1200/- (Rs. 100/- per month) for first position holder at National/State level Tournament/Championship for School students.

(ii) Scholarship of Rs. 900/- (Rs. 75/- per month) for second position holder at National/State level

tournament/championship for college students.

8. Players from Haryana State who are admitted for diploma in coaching at NSNIS are given stipend @ Rs.300/- per month for 10 months.

9. Unemployed Olympians are given pension @ of Rs. 2000/-per month.

10. Under the old age sports pension scheme, financial assistance of **Rs_300/- to** Rs.700/- is given to National/International players.

11. 75% concession in the Haryana Roadways bus fare has been granted all players for participating in all State/National Level Competitions. Free travel facilities in Haryana Roadways buses are given to Arjuna Awardees & bhim Awardees and medal winners in Olympics, Asian Games & Common Wealth Games.

12. A scheme for grant of special financial Assistance to sports persons and their families has been introduced. If a player gets injured during International or National competition, he/she shall be given a grant of Rs. 3.00 lacs & Rs, One the respectively. In case of death Rs. 5.00 lacs shall be given to the family.

13. Diet money of Rs. 501- per player, per day is provided to all players participating National/State Level competitions.

14. Diet money of Rs. 50/- per player, per day is provided to all players sports Nurseries and Sports Hostel.

15. Players of Sports Wing are provided refreshment OP Rs.30/- per player, per day.

16. Diet money @ Rs. 100/- per player, per day is provided for participate of Camps prior to National Games.

17. Coaching Camps of 4 weeks duration are organized by the Sports department National Championships. Services of Coaches are provided for these camps and players are given diet worth Rs. 50/-per player, per day.

18. Stadium with facilities for all games has been constructed at all . Except Fatehabad and Kaithal. to enable players to gain ipollimgp in different sports.

19. Modern sports facilities have been provided to the students of Motital illameStmlafSports, Rai (Distt_ Sonipat).

20.The following Boards and Corporations have adopted 13 Sports Nurseries, in which facilities for boarding, loadging, study, sports kit, coaching etc. are provided free of cost :—

(a) H.S.I.D.C. Volleyball, Boxing

(b) H.F.C. Judo

(c) H.U.D.A. Kabaddi (Two)

(d) Haryana Warehousing Corporation — Wrestling(Two), Table Tennis

(e) HARCO Bank Hockey (Three)

(f) HAFED Wrestling, Badminton.

21. 20 Sports Nurseries and 44 Sports Wings were being run by the Sports Department last year.

22. HSIDC has raised a team of Volleyball and Lawn Tennis.

(b) Haryana Government involves local bodies' i.e.Municipal Committees/Corporations, Distt. Sports Councils, Stadium Committees, Gram Panchayats etc. for the promotion of sports in the State of Haryana. Most of the sports facilities have been constructed and are being maintained with the help of local bodies at various places in the state. Stadiums in villages have been constructed & are being maintained with the help of Gram panchayats. These Local Bodies have made an important contribution in the promotion of sports in the State. Government intends to continue to seek participation of local bodies in the promotion of sports.

Shri Ranbir Singh Mahendra: Mr. Speaker Sir, I would like to know from the Hon'ble Chief Minister, whether any grant is being given to the local bodies

Shri Bhupinder Singh Hooda : Yes, local bodies are being helped by the Sports Department. Somewhere matching grants are given in different shapes. ftruk ulZjh esuVsu djrs gSA now, this year our Government is taking special care of the sports. Sports is the index of health of the State. That is why we have doubled the budget of sports. Last year it was only Rs.4.7 crore and now in the year 2005-2006,11 is Rs. 9 crore. We have increased one budget from Rs. 4.7 crore to Rs. 9 crore. The proposed expenditure in this is Rs. 2.7.crores

infrastructure, rupees one crore for equipments, Rs. 1.50 crores for cash awards and Rs. 1.25 crores for sports and nurseries, But **I** feel one thing, which **I** must say that diet money of our sports persons is very less. So, we have decided to double to the diet money of our sports persons.

Shri Ranbir Singh Mahendra: I welcome the decision taken by our Hon'ble Chief Minister as far as diet money is concerned. But I think the doubled diet money is also too less. I would again request the Hon'ble Chief Minister to increase it from Rs. 150/-. The player has to spend to whole day and now a days, unemployment is alos there. A boy has to spend a whole day and attend the tournament. It is very difficult to live on in Rs. 50/- Rs. as far as diet money is concerned. I would there fore earnestly request the Hon'ble Chief Minister to increase it from Rs. 50/- to Rs. 150/- Secondly, I would also like to propose that as far as the Sports Camps are concerned, they should be held at propose that as far as the Sports, Camps are concerned, they should be held at place where accommodation is fairly good. I would like to tell the Hon'ble Chief Minister that the Board and Corporations such as HSIDC, HFC, HUDA, HARCO, HWC have adopted the 13 sports nurseries, in which facilities of boarding, lodging, study. sports , coaching etc. are being provided free of cost. I would request that they should give the players good accommodation and good food. They should also specify in details about their activities. They should mention that whether two teams are being sponsored by them or two players are being sponsored by them.

Shri Bhupender Singh Hooda: Speaker Sir, as I

have stated, regarding the first part of his question, which the Hon,ble Member has raised about the diet money. This year we have doubled the diest money and if it felt that it is not adequate then we will again give a thought to it. But I thind we should with doubling it. Second part, which he has raised about the facilities being provided by these nurseries which these organizations are running.

श्रीमती सु ीला सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमं.ी जी से पूछना भी चाहती हू और उनको बताना चाहती हू कि हरियाणा मे खिलाडियो के लिए अगल से स्विमिंग पूल बनाए गए थे, किन्तू पिछली सरकार ने डेढ साल पहले अपने जान पहचान के लोगो को और रि तेदारो को ये स्विमिंग पूल 3–3 और 5–5 साल के ठेके पर दे दिए है और हमारे खिलाडियो को मात्र एक घण्टा प्रैक्टिस के लिए दिया जाता है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि पहले करनाल के खिलाडी ने ानल लैवल पर टांप पर आते थे किन्तू इस बार एक भी खिलाडी नही आया है एक घंटा उनको दोपहर के समय 3–4 बजे के बीच मे दिया जाता है बाकी का समय जो भौकिया तैराक है उनके लिए है। ज्यादातर खिलाडी तैराक गांव मे आते है। और कई खिलाडी इस वजह से आना भी छोड गए है इसलिए मेरा अनुरोध है कि उन ठेको को रद्द किया जाए।

Shri Bhupender Singh Hooda: Speaker Sir, we are looking into it.

Smt. Kiran Chaudhary: Mr. Speaker, will Hon'ble

Chief Minister be pleased to state whether he has written to the Sports Minister for retaining the Sports Hostel in Bhiwani as it was discussed earlier with Shri Sunil Dutt Ji?

Shri Bhupender Singh Hooda: Sir, I have discussed this matter with the Sports Ministrty but unfortunately our Hon'ble Sports Minister Shri Sunil Dutt has died. So, no correspondence could be made after that.

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष जी, मै आपके माध्यम से मंत्री जी पूछना चाहूंगा कि हरियाणा मे राई के अंदर स्पोर्टस स्कूल है वह बहुत पुराना सा है और स्पोर्टस को अहमियत देने के लिए एक संस्था पिछली सरकार द्वारा बनाई गई थी। बहालगढ के पस 84 एकड जमीन पंचायत से जबरदस्ती लेकर चौधरी देवी लाल स्पोर्टस अकादमी के नाम करा ली।

Mr. Speaker: I think the time will be over in your supplementary. Only one minute is left.

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष जी, कल चर्चा आई थी कि फरीदाबाद मे जो स्टेडियम है वहां पर खिलाडी पौल्यू ान की वजह से खेलना नही चाहते तो क्या सरकार इस पर विचार करेगी कि क्रिकेट स्टेडियम स्पोर्टस राई या चौधरी देवी लाल अकादमी मे स्थापित किया जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि फरीदाबाद मे पौल्यू ान की वजह से खिलाडी क्रिकेट खेलना नही चाहते तो गुडगांव मे हमारा बहुत ही अच्छा स्टेडियम है। माननीय

सदस्य से भी मेरा इस बारे मे चर्चा हुई है हम इस पर विचार कर रहे है।

Mr. Speaker: Question hour is over.

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Shortage of Drinking Water

103. Dr. Sushil Kumar Indora: Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether Governement is aware of the fact that there is shortage of drinking water in the State; and

(b) if so, the steps taken or prposed to be taken to supply the sufficient drinking water.?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):

(क) जी हां, दिसम्बर, 2004 मे किए गए सर्वेक्षण के अनुसार राज्य के कुल 6759 गांवो मे से 1971 गावों मे पानी की कमी है।

(ख) इन 1971 पानी की कमी वाले गांवो मे 31 मार्च, 2008 तक पेयजल आपूर्ति सुविधाओ मे बढोरती करने का प्रस्ताव है, जो कि पर्याप्त की उपलब्धता पर निर्भर है।

Repair of Roads in Chhachhrauli Constituency

94. Shri Arjan Singh: Will the Chief Minister be

pleased to state-

(a) whether it is a fact the roads in Chhachhrauli Constituency are in very bad condition; and

(b) if the reply to part (a) above be in affirmative, the time by which these roads are likely to be repaired?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा: (क) तथा (ख) कुछ सडको की हालत अच्छी नही है। इनमे से कुछ सडको पर काम चल रहा है भोश सडको का विभिन्न योजनाओ के तहत मुरम्मत करने का प्रस्ताव है। यधपि इसकी कोई समय अवधि निर्धारित नही की जा सकती, फिर भी राज्य सरकार इनकी जल्दी मुरम्मत करने का प्रयत्न करेगी।

Education City

73. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the State Government to develop an education city in the State; if so, the location and the vision behind thereof?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): हां, श्रीमान जी। राज्य मे ि ाक्षा भाहर स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार भूमि उपलब्ध करवायेगी तथा ि ाक्षा भाहर मे उत्कृश्टता वाले संस्थान स्थापित करने के लिए मानदण्ड दायरा निर्धारित करेगी। ि ाक्षा के नये उभरते क्षेत्रो मे गुणवता वाले तथा राश्ट्रीय या अन्तर्राश्ट्रीय स्तर के संस्थानो की स्थापना पर ध्यान दिया

जायेगा।

जहां तक प्रस्तावित ि ाक्षा भाहर के स्थल का सम्बन्ध है, इसका चयन करने के लिए एक उप समिति का गठन किया गया है। समिति की रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है।

Contract Forming

90. Shri Ranbir Singh Mahendra: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the State Government to adopt contract farming in the State for achieving the goal of crop diversification; if so, the details thereof, togehteriwth the steps being taken to education the farmers in the regard.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः हां, श्रीमान जी। राज्य मे अनुबन्धित खेती (कान्ट्रैक्ट फार्मिग) को बढावा देने के लिए पजांब कृशि उत्पाद मण्डी एक्ट, 1961 मे सं ाोधित करने के लिए कार्यवाही की जा रही है। इस सम्बन्ध मे किसानो को ि ाक्षित करने के लिए किसान प्रि ाक्षण ि ावितर आयोजित किए जा रहे है।

Opening of a Government College

96. Shri Arjan Singh: Will the Chief Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the State Government to open a Government College for boys/Girls in the Chhachhroli Constitutency; and

(b) if so, the time by which the aforesaid college in likely to be opended?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): नही, श्रीमान जी।

Providing of Sewarage and Water Facilities

16. Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Minister be pleased to state-

(a) whether Union Government has approved any project for providing sewerage and drinking waer facilities to the towns of Haryana State falling under Nationl Capital Region during the year 2002-2003, and

(b) if so, the total amount released out of the whole amount earmarket for the project mentioned in part (a) above and the time limit for the complection of the project ?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):

(क) श्रीमान जी, केन्द्रीय सरकार द्वारा सीवरेज व पीने के पानी की सुविधा हेतु कोई भी परियोजना स्वीकृत ही की गई है। फिर भी 87.48 करोड रूपये की 2 परियाजनाए राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से, परियोजना की लागत का 75 प्रति ात ऋण सहायता के तहत सितम्बर, 2002 मे स्वीकृत करवाई गई।

(ख) राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड द्वारा परियोजना की लागत के 75 प्रति ात हिस्से मे से अब तक कूल

45.80 करोड रूपये का ऋण जारी किया गया है। प्रथम परियोजना अक्तूबर, 2006 तक एवम द्वितीय परियोजना जनवरी, 2008 तक पूर्ण की जानी है।

Providing of Job to Recrenched Employees

66. Shri Ram Kumar Gautam, Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Finance Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governmnent to provide jobs to the employees retreched by previous Government during the period from 2000-2005; if so, the details thereof ?

वित मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): सरकार ने छटंनी किये कर्मचारियो के आग्रहो पर विचार करने के लिए मेरी अध्यक्षता मे एक कमेटी गठित की है।

Abolition of Reservation Policy in Category 'A' & 'B'

104. Shri Sushil Kumar Indora: Will the Chief Minister be pleased ot state whethert the Government has abolished the reservation policy of category 'A' and category 'B' of the reserved class; if so, the reasos thereof?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा: जी, नही।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

उतर प्रदे ा सरकार द्वारा दिल्ली से उतर प्रदे ा सीमा तक यमुना नदी के पूर्व किनारो के साथ बान्धो के निर्माण सम्बन्धी।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Motion No. 2 from Shri Udai Bhan, MLA, regarding construction of 28 Kms.long jewar Tapple magginal dam by the U.P Government, which has been bracketed with Calling Attention Motion No. 5 regarding construction of bunds along the eastern banks of Yamuna river by the U.P Government from Delhi to U.P Broder given notice of by Shri Karan Singh Dalal, MLA. I admit it., Shri Karan Singh Dalal, will also allowed to as supplementaries. Shri Udai Bhan may please read his notice.

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्यन्त लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हू जिला फरीदाबाद के साथ लगती यमुना नही की बाई और उतर प्रदे ा सरकार द्वारा लगभग 100 करोड रूपये की लागत से गांव रामपुर बागड से गांव मालब खुर्द तक लगभग 28 किलोमीटर लम्बा जेवर टेप्पल सीमांत बाधं बनया जा रहा है। उक्त बांध की यमुना नही के दाई और, जहां हरियाणा राज्य के जिला फरीदाबाद के गांव स्थित है, ऊचांई लगभग 20 फुट से 25 फुट से ज्यादा है। यदि उक्त बांध निर्मित किया जाता है तो हरियाणा के सैकडो जैसे की राजुपुर खादर, दोस्तपुरा, भोलडा, सोलडा, बागपुर, भूड खेडली, माला सिंह फार्म, भगला पेहरूफा, थन्थरी, गुरवाडीख रहीमपुर, सुल्तानपुर, मोहबलीपुर, कु ाक, बिलोचुपर, का ीपुर, फाट नगर, सतुआगढी, लहरपुर, माहौली इत्यादी तबाह और बर्बाद हो सकते है। जब कभी भी बरसात के मौसम मे, ताजेवाला हैड से अतिरिक्त पानी छोडा जायेगा तो इससे हरियाणा के सैकडो गांवो

मे भारी तबाही, जन हानि, फसलो की क्षति तथा अन्य प्रकोप होगे। बहुत से गाव यमुना नदी मे डूब सकते है।

विशय की गम्भीरता को ध्यान मे रखते हुए मै सरकार से इस सबंध मे उठाये जा रहे पगों के बारे मे सदन मे एक व्यक्तव्य देने के लिए अनुरोध करता हू।

वक्तव्य

राजस्व मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Mr. Speaker Sir, it is true that the irrigation Department of State of U.P has taken up the construction of Jewar. Tappol Marginal Bund on left bank of River Yamunan In Gautam Budh Nagar and Aligarh districts in 28.20 Kms. length at an estimated cost of Rs. 9682.41 lacs. The Bund has been designed for discharge of 275000 Cs. In River Yamuna with a free board of 1.8 meters. The top width of the Bund has been kept as 5.5 Meters. There is provision of stone pitching of the bund on the river side along with launching appron. The average height of the bund is about 18 ft.

U.P Irrigation Department reportedly started construction of the embankment some time in May, 2003 and by this time has nearly completed the work in about 12 Kms. The part of the Bund where work is under progress and is nearing completion is upstream of Palwal. Altgarh Road U.P Irrigation Department got approval of the scheme from the Planning Commission on the basis of clearance of the scheme

by the Ganga Flood Control Commission (GFCC) in the year 2001. The scheme needed revision and when the revised scheme was taken to the GFCC, U.P Irrigation Department was advised to get clearance of the Yamuna Standing Committee. In fact the scheme, at the first instance, was required to be cleared ny the Yamunaa Standing Committee and therefore, the GFCC, at the first instance, should have referred the scheme to the Yamuna Standing Committee. The Yamuna Standing Committee is a committee comprising of members (Chief Engineers) of Basin States presided by Member (River Management), Central Water Commission to examine and clear all the flood schemes on River Yamuna. The scheme was for the first time. Considered by Yamuan Sub Committee, a committee constituted by Yamuna Standing Committee for the pupose of consideration of such schemes from the Basin States in its 3rd meeting held on 19-4-2005 superintending Engineers of the concerned States are the members of the Sub Committee which in headed by Chief Engineer (FM), Central Water Commission. The scheme, therefore came to the notice of Haryana Irrigation Department for the first time when Agenda Item for the 3rd meeting of Yamuna Standing Committee was received from the Director (FM-1) Central Water Commission dated 8-4-2005.

The Superintending Engineer YWS Circle, Fatehbad, attended the 3rd Meeting of the Sub Committee and opposed the scheme. The Sub Committee advised State of U.P to calculate the likely increase in flood level in the river due to prposed construction so as to assess its impact on villages in Haryana. In the meantime U.P Irrigation Department was advised to slow down the work.. Haryana sought a meeting at

the level of Chief Engineers and a meeting of the Chief Engineers was held on 16-5-2005 in the Chamber of Chief Engineer (FM), Central Water Commission. The Chief Engineer, Haryana, contended in the meeting that it was irregular on the part of U.P to bye pass Yamuna Standing Committee/Yamuan Sub Committee and get the scheme cleared by GFCF, Patna/the Planning Commission and start the work, without referring to the Yamuna Standing Committee. (Y.S.C) It further contended that the scheme is in violation of YSC guidelines and the work should be stopped immediately irrespective of the contractual consequences, Chief Engineers (Ganga) U.P informed that there was no intention on the part of U.P. Irrigation Department ot by pass the YSC and it may be that the scheme was not refderred to YSC out of ignorance of the then officers handing the project.. He also stated that GFCC should have considered interstate aspect and directed the Government of UP to get it cleared by YSC in the first instce. The Chief Engineer, Haryana however, reiterated his stand that all works should be stopped by U.P, immediately pending completion of the study and clearance by the Yamuna Standing Committee. This view was not accepted by the Chairman of the Sub-Committee who adcised the Government of U.P to concentrate on the work upstream of Palwal Aligharh Road and not take up the works downstream of it till studies were completed and considered by the Committee.

The Government of Haryana has lodged a strong protest with the Government of Uttar Pardesh and asked them to stop construction work forth with. The Central Water Commission has been requested for urgent intervention. A detailsed D.O letter by the Financial Commissioner and

Principal Sceretary, Irrigation Haryana, has already been sent to the Principal Secretary to Government U.P, Irrgation Department on 03-06-2005 with copies to Chairman Central Water Commission for urgent intervention and also to Adviosor, Planning Commission. A detailed reference has also been made to the Member (River Management) Central Water Commission, Chairman of the Yamuna Standing Committee.

I agrees with the Hon'ble Members that this is a matter of serious concern. The construction of this bund could endanger a number of Villages on Haryana side in Palwal and Hodel Tehsils during the floods in Yamuna. The Government has already lodged a very strong protest with the Government of Uttar Pradesh. We will futher pursue the matter with the U.P Government. We are directing the irrigation Department to examine the impact of this bund on Haryana villages and propose adequate protection measures. I assure the Hon'ble Members, that the Government will take all apporopriate and adequate measures to safeguard the life and property of the residents of the areas under threat.

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, जैसा कि मंत्री जी के जवाब से ही स्पश्ट है कि बहुत गम्भीर मामला है, मै चाहूंगा कि इस पर थोडा और समय डिस्क ान के लिए हो क्योंकि यह हमारे हजारो आदमियों की जिन्दगी और मौत का सवाल है। अगर यह बांध बन जाता है तो इससे हमारे कितने ही गाव बाढ मे बह सकते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहूंगा कि क्या इस गम्भीर मसले को हल करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय स्वयं उतर प्रदे ा की सरकार से बात करने का कश्ट करेगे और

क्या केन्द्र की सरकार इस काम को रोकने के लिए दबाव बनाएंगे ? इस बांध का कार्य 12 किलोमीटर तक हो गया है और 16 किलोमीटर बाकी रह गया है उस पर अभी पत्थर डालना जारी है। और मैटीरियल आ रहा है, कार्य अभी रूका नही है। इसलिए मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या इस कार्य मे हस्ताक्षेप करके उतर प्रदे ा की सरकार और केन्द्र की सरकार से बातचीत करके इस बारे मे कोई कार्यवाही सरकार की तरफ से की जा रही है ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हम इस मामले मे बडे गम्भीर है। मुख्यमंत्री महोदय की तरफ से इस बारे मे डी0ओ0 लैटर लिखवाया जा रहा है और मुख्यमंत्री जी उतर प्रदे ा के मुख्यमंत्री से भी बातचीत करेगे। इसके साथ साथ मैने अपने अधिकारियों को भी कहा है कि विदइन 7 डेज, जो रिंग बाध आपके गांव के आस पास है उसकी प्रोटैक ान के बारे मे हम क्या क्या कदम उठा सकते है। इस बारे मे रिपोर्ट लाकर दे। जो रिंग बाध है उसको थोडा तो रेज करना पडगा। अभी बरसात बाने मे थोडा समय है, जुलाई के महीने मे बरसात आ जाती है उससे पहले हम इस बारे मे कदम उठाएगे और इसके साथ साथ जिन अधिकारियों ने इस मामले मे कोताही बरती है उनके खिलाफ हम कार्यवाही करेगे। ये हमारे जो साथी इधर बैठे है जिन की सरकार मे यह सारी कार्यवाही हुई है। ये पता नही कहा सोये हुए थे, जो 12 किलोमीटर तक बांध बन गया है इस बारे मे जिन अधिकारियो

ने इसकी सूचना नही दी उनके खिलाफ हम कार्यवाही करेगे।

Shri Karana Singh Dalal: Speaker Sir, whether I have been allowed two supplementaries or one?

Mr. Speaker: Maximum two suplementaries are allowed to you.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से एक तो यह पूछना चाहता हू कि इन्होने अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात कही है। क्या ये उस वक्त के इरीगे ान मंत्री और मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के खिलाफ भी कार्यवाही करायेगे, जो तीन चार लम्बी नींद सोते रहे और यह बांध 12 किलोमीटर तक बन गया। जिन्होने प्रदे ा के हितो को नकार करके फरीदाबाद जिले की जनता के साथ खिलवाड किया। उनके खिलाफ क्या कोई एक ान लेगे? दूसरी बात मै यह पूछना चाहता हू कि जो बांध यू0पी0 सरकार बना रही है। क्या मंत्री इस बात का आ वासन देगे कि जिस तरह की बांध यू0पी0 सरकार बनवा रही है उसी तरह का बांध हमारी तरफ भी बनवायेगे या बैराज बनायेगे जिसमे बाढ का पानी एकत्रित किया जा सके। यू0पी0 सरकार ने गोकुल मे एक बडा वैराज बनाया है जिसमे बाढ का पानी एकत्रित होता है क्या उसी तरह का बैराज हमारे यहां बनाया जायेगा जिसमे बाढ का पानी एकत्रित हो जाये ताकि वह पानी मेवात तथा फरीदाबाद इलाके के किसानो को सिचांई के लिए दिया जा सके। ऐसा करने

से फरीदाबाद जिले मे बाढ की जो चिंता है वह भी दूर हो जायेगी। इसलिए मै मत्री जी अनुरोध करूंगा कि वहां बैराज बनाने की योजना बनाई जाये।

स्वतन्त्रता सेनानी का अभिन्नदन

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am very glad to inform the House that Ch. Ranbir Singh Hooda, a freedom fighter, former Minister and father of the persent Chief Minister is present in the VIP Gallery. I welcome him.

वक्तव्य

राजस्व मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, एक तो मेरे साथी ने पिछली सरकार के इरीगे ान मिनिस्टर और मुख्यमंत्री जी की बात की है इस बारे मे मै बताना चाहूंगा कि हम इन्क्वायरी करवा रहे है। और इसमे जो भी दोशी होगा उनके खिलाफ कार्यवाही करेगे। दूसरा मेरे साथी जो बैराज बनाने जो बैराज की बात कर रहे है इस बारे मे मै बताना चाहूंगा कि यह टैक्नीकल मामला है। इस बारे मे हम क्या क्या कदम उठा सकते है यह टैक्नीकली एग्जामिन करवायेगे और जो भी उपायुक्त होगा वह फरीदाबाद की जनता के लिए किया जायेगा। यदि रिंग बाधों से वहां के गावों को लाभ पहुचेगां तो हम बनवाएगे। जहां भी बांध बनाने की जरूरत है वहां बाधं बनवायेगे।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि वहां पर जो रिंग बाध बने हुए है वे 1952 के बने हुए है। उनको बने हुए 50 साल से ज्यादा समय हो गया। वे पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके है। (विघ्न) क्या फोरी तोर पर 15–20 दिन मे उनको बनवाया जायेगा ताकि आने वाली बरसात मे वहां के लोगो को बाढ से राहत मिल सके? दूसरो मै मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि अभी 16 किलोमीटर का बांध बनना बाकी है तथा उस काम को तुरंत बंद होना चाहिए। चाहे उसके लिए हमारे मंत्री जी यू0पी0 सरकार के मुख्यमंत्री जी ने टैलीफोन पर बात करे या मीटिंग करे लेकिन उसका काम तुरंत रूकना चाहिए। 12 कि0मी0 तक बांध पिछली सरकार ककी नालायकियो की वजह से बन गया। 1 मई, 2003 से लेकर जनवरी, 2005 तक तीन साल तक उस पर काम चलता रहा लेकिन पिछली सरकार ने इस पर कोई ध्यान नही दियां अब मै मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि हमारी तरफ वहां स्टड जरूर लगवाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इसके बारे मै पहले ही कहा चुका हू वह रिंग बाध वर्श 1952–53 मे बने हुये थे उनकी रेजिंग के लिए बाकयदा और जगह वहां पर देखेगे ताकि विलेजर्ज को प्रोटैक ान मिल सके और जहां जिन अधिकारियो ने कार्य नही किया उनके खिलाफ भी कार्यवाही करने का सवाल है। 12 किलोमीटर तक काम हो गया है बाकी आगे के काम के बारे मे रोक लगाने के बारे मे पहले की ही कह चूका हू। माननीय

मुख्यमंत्री जी स्वय उन्हे डी0ओ0 लैटर लिख रहे है और अगर आव यक हुआ तो मै स्वय वहां के एग्रीकल्चर मिनिस्टर से इस मामले मे बात करूंगा। इस मामले मे हम पूरी तरह से कसंर्ड है और उचित कार्यवाही करेगे ताकि वहां के लोगो के जान माल और प्रोपटी को पूरी प्रोटैक ान मिल सके।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से मैने बैराज के बारे मे जो सवाल किया है उसके बारे मे उन्होने केवल आ वासन ही दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमारा जो यमुना का इलाका है वहां अण्डर ग्राउंड वाटर 200 फुट से नीचे तक जा रहे है। यमुना का पानी वहां से पैसे ही बह कर जा रहा है और किसी भी प्रदे ा को उसकी जरूरत नही है। बारि ाो के दिनो मे और बिना बारि ाो के दिनो मे भी वह पानी बिना किसी इस्तेमाल के अगले प्रदे ा मे बहता रहता है उतर प्रदे ा सरकार ने गोकुल मे, जंहा भगवान श्री कृश्ण जी का जन्म हुआ था, वहां पर बेराज बना रखा है और वे उस पानी की इस्तेमाल करते है। जब उतर प्रदे ा सरकार यमुना पर और मेवात जैसे इलाको मे पीने के पानी को तररााता है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार और माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक बहुत ही अच्छी स्कीम रेनी वैल स्कीम मेवात और फरीदाबाद के लिए लागू की है। वहां का अण्डर ग्रांउड वाटर और नहरो मे चलने वाला पानी कन्टैमिनेटिड है और वह पानी पीने के लायक नही है। रेनी वैल स्कीम वहां पर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने आलरैडी मन्जूर की हुई है। (विघ्न) अध्यक्ष

महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हू और जनहित मे यह आ वासन भी चाहता हू कि अगर सम्भव है तो वहां पर वे मौका देखने के लिए चले हम लोग भी लोग इनके साथ चलेगे। जहां यू0पी0 की सरकार ने दूसरी तरफ यमुना के ऊपर बांध बनाने की गुसताखी की है क्या उस गुस्ताखी का लाभ उठाते हुए यह सम्भव है कि वहां पर बैराज बना कर गुडगांव, फरीदाबाद, और मेवात के लोगो को पानी दिया जा सकता है ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को पहले ही इस बात का जवाब दे चुका हू कि इसके बारे मे टैक्नीकल तौर पर हम पूरा जायजा लेगे और अगर बैराज बनाने से वहां के लोगो का फायदा होता है तो उसको बनाने के लिए स्टैप्स लेगे लेकिन इससे पहले इस के बारे मे हम रिपोर्ट ले ले। जहां तक रिंग बांध का सवाल है, इसके दो ही तरीके है एक तो यह कि हम कोर्ट मे जांए। अगर हम कोर्ट मे जाते है तो आप जानते है कि इसमे बहुत वक्त लगेगा। दूसरा तरीका यह है कि हम पी0एल0आई0 डाले। अध्यक्ष महोदय, मेरे विचार से पी0एल0आई0 डाल कर हम तुरन्त कार्यवाही कर सकते है। हम अगर ऐसा कुछ करे तो हो सकता है उस पर जल्दी ही कार्यवाही होगी वह करने की हम कोि ा ा करेगे। Speaker Sir, the Hayana Government is taking up this matter very seriously.

गैर सरकारी संकल्प

हरियाणा मे महिला एवम पुरूश लिंग के अनुपाल संतुलन संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, there are four resolution received. The following non official recoultion are in the order, when it is over then second will be taken up. Thereafter third and foruth resolution will be taken up.

Hon'ble Members, now Dr. Shiv Shankar Bhardwaj, will move that this House recommends to the State Government to take all necessary steps to reduce the ration of female and make in the State of Haryana and to take all necessary steps to restore the balance of the female and male sex ration in order to avoid the existing alarming situation of the said sex ration in the state.

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाज (भिवानी): स्पीकर साहब, मै अपना प्रस्ताव मूव करता हू।

कि वह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करती है कि हरियाणा राज्य मे महिला एवम पुरूश अनुपात को कम करने तथा राज्य मे उक्त लिंग अनुपात की वर्तमान संकटप्रद स्थिति से बचने के लिए महिला तथा पुरूश लिंग अनुपात के संतुलन को पुन स्थापित करने हेतू सभी आव यक पग उठाए।

Speaker Sir, the sex ratin in India has been generally adverse to women, i.e the number of women per 1000 men has generally been less than 1000. Apart from being miverse to women, the sex ration has also declined over the decades; Kerala has a Sex ration of 1058 famales per 1000 males in 2001. It is the only State with a sex rationfavourable

to females. I may bring to the notice of the House about the sex ration of Haryana in various deistricts. Sir, I have the figures of districtwise sex ratio. In Pancukula it is 823 per 1000. In Panipat it is 830, in Faridabad it is 839, in Sonepat it is 839 in Rohtak it is 827, in Jhajjar, It is 848. in Hisar it is 852, in Jind it is 853, in Kaithal it is 854, in Yamunanagar it is 863, in Karnal it is 864, in Kurukshetra it is 866, in Ambala it is 869, in Gurgaon it is 874, in Bhiwani it is 880, in Sirsa it is 882, in Fatehabad it is 886, in Rewari it is 901 and in Mahindergarh it is 919. This means the sex ratio is maost favourable to the women in the District of Mahindergarh. I must congratulate Rao Dan Singh in this regard. The sex ratio is something different in the age group of to 6 years. The best is in Gurgaon, In Gurgaon, it is 863 per 1000, स्पीकर सर, 1 मार्च, 2000 को भारत की आबादी 1.03 अरब हो गई थी इसके साथ ही दुनिया मे सबसे ज्यादा आबादी वाले दे ा चीन के बाद दूसरे नम्बर पर भारत का नाम आ गया थ। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)** उपाध्यक्ष महोदय, सन् 1991 से लेकर 2000 तक भारत की आबादी मे 21.34 प्रति ात की दर से बढोतरी हुई थी जो कि अब बढी नही है बल्कि वह परसैटेज घटी है। अब मै ि ा ु लिंग अनुपात के बारे म` कहना चाहूंगा कि जन्म के समय लिंग अनुपात लडको के पक्ष मे होता है। इसका मतलब यह है कि बालिकाओं की तुलना मे बालको की जन्म दर ज्यादा होती है। यह प्राकृतिक घटनाचक्र है। जन्म के समय लिंग अनुपात साधारण 1000 लडको की तुलना मे 940 से 950 लडकिया होती है। डिप्टी स्पीकर साहब, 0 से 6 साल की उम्र मे 1000 बालको की तुलना मे

बालिकाओ की संख्या को ि ा ु लिंग अनुपात कहा जाता है। भारत मे 1991 की जनगणना मे 1000 बालको की तुलना मे 945 बालिकाओ का ि ा ु लिंग द ार्ाया गया है जो कि 2001 की जनगणना मे घटकर 927 हो गया है। पिछले कई सालो मे यह अनुपात घटता जा रहा है।

सन् 1961 मे 976 लडकिया, 1971 मे 954 लडकिया 1981 मे 962 लडकिया थी। इस तरह से बिल्कुल ऐसी खराब स्थिति अब उत्पन्न हो सकती है। लेकिन इन लापता होती हुई लडकियो की भरपाई करना अंसभव न सही मि कल अव य हो जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, समाज द्वारा इस भेदभाव को पहचानने की जरूरत है। जैसे बालको को जीने का अधिकार है वैसे ही बालिकाओ को भी जीने का अधिकार है। इसके अलावा किसी भी लिंग की घटती संख्या और उस द्वारा उत्पन्न असन्तुलन, सामाजिक व मान्य ढांचे को नश्ट कर सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा, पजांब, दिल्ली और गुजरात जैसे प्रदे ाो मे यह अनुपात घटकर प्रति एक हजार बालको की तुलना मे 900 से भी कम बालिकाओ का हो गया है। हरियाणा मे यह लिंगनूपात 861 बालिकाओ का है। 16 प्रदे ा मे केन्द्र भाासित क्षेत्रो के 70 जिलो मे 1991 से लेकर 2000 तक के द ा मे ि ा ु लिगानूपात हरियाणा के कुरूक्षेत्र जिले मे 770 है अहमदाबाद मे यह लिंगनूपात 814 और दिल्ली के दक्षिण पि चम जिले मे 845 है जबकि इनकी गिनती दे ा के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्रो मे होती है दे ा मे जन्म से

पहले भ्रूण अवसथा मे भ्रूम के लिंग निर्धारण एवम अगर स्त्री भ्रूण हो तो उसका समापन करना एक आम बात होती जा रही है। जन्म से पहले स्त्रियो के हनन के प्रचलन को प्री बर्थ ऐलिमिने ान आफ फिमेल कहा जाता है। इसके दो चरण होते है भ्रूण का लिंग निर्धारण और अनचाहे लिंग का भ्रूण समापन। यह दि वास किया जाता है कि स्त्री भ्रूम समापन का प्रचलन भारत मे प्रतिकूल ि ा ु लिगानूपात के महत्वपूर्ण कारको मे से एक है। भारतीय सन्दर्भ मे पुत्रो के पक्ष मे अत्याधिक झुकाव है। इस झुकाव के पीछे नाना प्रकार के आर्थिक, सामाजिक एवम सास्कृतिक कारक है जैसे पुत्र ही परिवार के नाम और व्यवसय को आगे बढाने वाला होता है। उपाध्यक्ष महोदय, पुत्रो की कामना इसलिए भी की जाती है क्योंकि यह माना जाता है कि वे ही बुढापा का सहारा होते है तथा अन्तयेश्टि एवम उसके बाद के धार्मिक कार्यो के लिए भी उनकी जरूरत होती है। दहेज की प्रथा और पुत्रियो को पराये धन के रूप मे मानना, भाादी करके पराए घर भेज देना भी बेटियो के मुकाबले बेटो के प्रति झुकाव का कारण है। उपाध्यक्ष महोदय, मै दो उदाहरण हाउस के समाने रखना चाहूंगा। राजस्थान की और हमारी स्थिति के ज्यादा अतंर नही है बाई एड लार्ज वही स्थिति हमारे हरियाणा मे भी लागू होती है। उपाध्यक्ष महोदय, रानू, एक पुत्र की माता ने जन्म देने के एक दिन के अन्दर अपनी दो बच्चियों की गला घोटकर हत्या कर दी गई थी। ये दोनेा ही ि ा ु बालिकाओ थी। रानू न के बराबर स्कूल गई, रानू 18 साल की उम्र मे ब्याही गयी थी। उसके बीस साल की उम्र मे

अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था और उसके बाद वह सात बार गर्भवती हुई। उसके बेटो की मौत बीमारी की वजह से हुई और दो बार स्त्री भ्रूण होने के कारण उसके गर्भपात कराया एवम दो ि ा ु पुत्रियो की हत्या की गयी और एक बालक उसका जीवित है। रानू ने एक और बेटा चाहता। वह साफ साफ और दृढता से कहती है अगर उसके और लडकियो हुई तो वह उनको भी मार देगी क्योंकि उनकी भाादी मे देने के लिए उसके पास न के बराबर पैसे है। उसकी पति मुख्तयार दो हजार रूपये या तीन हजारा रूपये मासिक वेतन की नौकरी करने वाला सैनिक है। वह उदासीन प्रतीत होता है लेकिन न तो रानू और न ही उसके परिवार के सदस्य उन बालिकाओ की मौत पर दुख प्रकट करते है क्योंकि वे बेटियों को समस्या पैदा करने वाली मानते है। इसी प्रकार से दूसरा एक और उदाहरण है। श्रीमती रवि के तीन संताने है। उनकी सबसे बडी बेटी 23 वर्श की आयु की है। दूसरी बेटी 21 वर्श की है और एक 10 वर्शीय उनका पुत्र है। अपने पुत्र को जन्म देने से पहले श्रीमती रवि और श्री रवि ने 9 बार लिंग निर्धारण परीक्षण करवाए और 8 बार चिकित्सक ने उसको और गर्भधारण करने से मना किया था क्योंकि इससे उसके जीवन को खतरा हो सकता था। श्री रवि एक बहु राश्ट्रीय संस्था मे सीनियर ऐग्जक्यूटिव है और स्वर्गीय श्रीमति रवि एक पब्लिक स्कूल की ि ाक्षिका थी। कहने का मतलब यह है कि जो लडका हौने की चाह है वह जितनी गरीब है उतनी ही अमीर मे भी है।

11.00 बजे

हर वर्ग मे है और हर जाति मे है। इसी संबध मे मै आगे यह कहना चाहता हू कि पित्र सतात्मक ढांचा, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक तथा सास्कृतिक ढांचा, विकास के तथाकथित आयामो एवम प्रजनन से जुडी नयी तकनीकी, लिंग चयन तथ लिंग आधारित गर्भपात, दो बच्चो के परिवार की धारणा, सरकारी नीति, जनसंख्या नीति, महिलाओ से जुडे भेदभाव पूर्ण कानून और उनका सही पालन न होना, महिलाओ के प्रति हिंसा और घरेलू हिंसा, काम करने के स्थान पर यौन भाोशण, गर्भपात और गर्भाविरोध साधानो को ही इसका पर्याय मान लिया जाना, और बढ रहे उपभोक्तावाद आदि ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां 2001 की जनसंख्या के आकडे बताते है कि 0 से 6 साल तक की 60 लाख लडकियो गायब कर दी गई है यानी लडको के मुकाबले कम है दूसरे भाब्दो मे प्रकृति से खिलवाड करते हुए उन्हे जन्म से पहले ही गायब कर दिया जाता है उन्हे जीने के अधिकार से जन्म लेने से पहले ही वचिंत कर दिया गया है ये स्थिति अब उन क्षेत्रो मे भी पहुंच गई है जो क्षेत्र पहले पित्र सतात्मक ढांचे से मुक्त थे। भाायद उनको लिंग तथा लिंग आधारित गर्भ समापनो से कोई अपराध बोध जुडा महसूस नही होता होगा। इससे पहले कि गायब लडकियो की स्थिति लुप्तप्राय रेस बन जाए, आओ हम एक जुट होकर इस स्थिति के विरूद्ध अभियान मे भाामिल हो। महिलाओ की सामाजिक और आर्थिक स्थिति जिसमे पुत्र की कामना और पुत्रियो

की जन्म लैते ही विभिन्न ढाचे से मार देना, यह हमारे दे ा के लिए नया नही है। इसी अमानवीय परम्परा की अगली कडी मे आधुनिक तकनीको के गलत प्रयोग से कन्याओ को गभ्र मे से ही बाहर ने आने देना या फिर गर्भ मे ि ा ू के विकारो की जानकारी प्राप्त करने वाली तकनीको के गलत प्रयोग, लिंग की जानकारी प्राप्त करके गर्भ मे समाप्त करके उसे जन्म लेने के अधिकार से वचित कर देना आदि बाते है। पहले जहां विभिन्न सामाजिक, धार्मिक कारणे के चलते लडकिया अपने अधिकारो से वचित थी, वह परिवार तथा समाज के भाोशण का ि ाकार थी तो आज पुत्र की कामना की कमजोरी को बखूबो समझते हुए उसके खिलाफ बाजार की ताकत भी इसमे भाामिल हो गई है प्रजनन सिद्धात पर काम करते है जिसमे अवाछिंत लडकियो को समाप्त करना ही होता है। लिंग चयन तथा लिंग जानकारी द्वारा जन्म से पूर्व ही लडकियो को अदृ य या गायब कर देने के साथ तो कोई वैसा अपराध बोध नही जुडा होता, तो जन्म के प चात मारने या मारने की स्थिति मे छोड देने के साथ जुडा होता है। क्या यह अमानवीय व्यवहार महिलाओ के विरूद्व अकेला अपराध है। नही, सभी सामाजिक, आर्थिक परिस्थितिया इस बात का प्रमाण है कि यह अमानवीय अपराध महिलाओ के प्रति भेदभाव से भरे रवैये की विभिन्न दि ाओ मे एक मात्र दि ा है। दहेज, घरेलू, हिसां, महिलाओ की समस्या, भेदभाव भरे कानून, सरकारी नीतियां दो बच्चो का परिवार आदि जैसी ऐसी कितनी हि स्थितिया महिलाओ के भेदभाव का उदाहरण है। महिलाओ की संख्या पुरूशो के

मुकाबले महे ाा कम रही है परन्तु 2000 के आकडो के अनुसार 0 से 6 साल तक की लडकियो के अनुपात मे कमी हो जाना चिंता का विशय है जहां सन् 2000 की जनगणना के अनुसार महिलाओ की कुल गिनती मे राश्ट्रीय स्तर पर सुधार हुआ है वहां दूसरी और 0 से 6 साल की लडकियो की गिनती मे राश्ट्रीय स्तर पर दोनो मे गिरावाट आई है। मै आपको यह बता देना चाहता हू कि पजांब का हाल हमारे से बुरा है। पजांब मे जिला फतेहगढ मे और हरियाणा मे कुरूक्षेत्र मे सैक्स रेसो सबसे कम है। पजांब, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात का दे ा मे सबसे कम सैक्स रे ाो है भारत के 591 जिलो की 0 से 6 तक वर्श की लडकियो की संख्या 2001 जनसंख्या आकडो के अनुसार निम्नलिखित है।

0–6 साल की लडकियो की सख्या	जिलो की संख्या
800 से कम	16
800 से 849 के बीच	33
850 से 899 के बीच	72
900 से 949 के बीच	213
950 से 999 के बीच	245
1000 से 1049 के बीच	12

वहा मै बताना चाहता हू कि केरल एक ऐसा राज्य है जिसकी हमे नकल करनी चाहिए। केरल मे 1000 लडको के मुकाबले 1058 लडकिया है। मै बजट पर भी इस बात को बोलना चाहता था कि हमे पर कैपिटा इन्कम बढाने का जोर देना ही चाहिए। हमे क्वालिटी आफ लाइफ को बढाने पर जोर देना चाहिये because ultimately these should be quality of life, उसमे literacy भी आती है, उसमे maternal mortality rate.भी है, उसमे बहुत से फैक्टर है और ultimately जो मैटर करता है वह पैसा नही है वह quality of life, है। इनमे सबसे कम जनसंख्या वाला जिला पजांब का फतेहगढ साहिब और दूसरा जिला पटियाला है। क्या लिंग भेद को आर्थिकता के साथ जोडा जा सकता है? लिंग भेद को क्षेत्र के आर्थिक स्तर के साथ नही जोडा जा सकता। उदाहरणतयः केरला मे महिलाओ की संख्या पजांब से बेहतर है और दूसरी तरफ पजांब जैसे समृद्ध प्रान्त की संख्या राश्ट्रीय स्तर से भी कम है। वास्तव मे इसका कारण पितृसताम्क ढांचा है जिसमे विभिन्न कारणो से पुत्र की कामना गहरे स्तर तक समाई रहती है। महिलाओ/लडकियो की गिरती जनसंख्या के कुछ और भी कारण रहते है। इन कारणो मे से कुछ निम्नलिखित हैः—

छोटी लडकियो की विभिन्न ढगो से अवहेलना करना जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है प्रसव के दौरान महिलाओ की भारी संख्या मे मृत्यु होना, जन्म के बाद लडकियो को मार देना। भ्रूम हत्या और परिवार के सदस्यो की गिनती लिखाते समय

लडकियो का जिकर ही न करना। गावो मे तो कहते है कि इसका नाम किस लिए लिखवाना यह तो पराया धन है थोडे दिन मे चली जायेगी।

नई प्रजनन तकनीक तथा परम्परा का अनैतिक गठबन्धन 70 के द ाक मे प्रननन से जुडी विभिन्न तकनीकी जैसे एमनियोसिनसैसि, सोनाग्राफी, आदि का आगमन जिनसे गर्भस्थ ि ा ु के विकारो की जानकारी प्राप्त की जा सके, एक बडी प्राप्ति थी। परन्तु इन तकनीको का उददे ाय गर्भावस्था के दौरान ही भ्रूण के विकारो की जानकारी प्राप्त करना था, लेकिन इनका इस्तेमाल अपने उद्दे ाय से हटकर, भ्रूम के लिंग की जानकारी प्राप्त करना हो गया और उनके बाद अगर भ्रूण बालिका है तो उसे गर्भपात के द्वारा समाप्त करने के लिए किये जाने लगा।

कानून पास किए जानाः– इस बिगडते अनुपात से भविश्य मे आने वाले कुप्रभावो की पहचानते हुए, सन् 1994 मे सामाजिक जागरूक लोगो तथा महिला सगठनो मे एक लम्बे संघर्श के बाद एक केन्द्रीय एक्ट जिसे प्री नेटल डायग्नोस्टिक रेगुले ांज एंड प्रीवेन् ान्ज तकनीकी अर्थात पूर्व प्रसव नैदानिक तकनीके और निशेध के नाम से जाना जाता है, पास करवाने मे सफलता प्राप्त की। यह एक्ट 1994 मे बना, 1996 मे पास हुआ और 2002 मे इसमे स ाोधन हुआ, मै इसकी बारीकियों मे नही जाऊंगा। लेकिन उसका सक्षिप्त मे जिकर करूंगा। राश्ट्रीय जनसख्या नीति का लक्ष्य केवल लिंग संतुलित जनसंख्या की स्थिति ाील करना ही नही

बल्कि अन्य मुद्दो पर भी गौर करना है। जैसे ि ा ा, जीवन रक्षा, माता का स्वास्थय और गर्भ निरोध और साथ ही साथ ि ाक्षा के प्रसार तथा व्यवस्था मे उन्नति, सफाई, भाुद्ध पेयजल एवम आवास जैसी मूलभूत सुविधाओ को बढाने के अलावा स्त्री भाक्ति का विकास तथा उनके लिए रोजगार की सुविधाए प्राप्त करना है। प्री नेटल डायग्नोस्टिक तकनीकी सुधारीकरण एक्ट, 2002, 14 जनवरीए 2003 को लागू हुआ। प्री नेटल डायग्नोस्टिक एक्ट, 1994 मे नाम बदलकर प्री कान्सैप ान प्री नेटल डायग्नोस्टिक तकनीक रख दिया गया यह एक्ट गर्भाधारण से पहले या बाद मे लिंग चुनाव को निशिद्व करता है। यह एक्ट अल्ट्रा सांउड आदि जन्म से पहले लिंग निर्धारण पद्धतियो को जो भ्रूण अनुवाि ाक अनियमितताएं या यौन संबधी दूसरी अनियमितताओ के निर्धारण के लिए आव यक हो, को निशिद्ध नही करता परन्तु नियंत्रित करता है। इसका लक्ष्य एक लिंग निर्धारण तकनीको के अपव्यय को बन्द करना है, जिनके द्वारा स्त्री भ्रूणो की हत्या हो लिंग असतुलिंत समाज की उत्पति हो। स्पीकर साहब, इस एक्ट के तहत जो व्यक्ति लिंग चुनाव मे मदद मांगता है उसे उनके पहल जुर्म के लिए तीन वर्श की कैद हो सकती है और 50 हजार रूपये का जुर्माना भी देना पड सकता है और सबधित राज्य चिकित्सक परिशद् इससे जुडे चिकित्सा पंजीकरण को निलम्बित कर सकती है और दोशी करार दिए जाने की स्थिति मे उसका नाम कौसिंल पंजीकरण को निलम्बित कर सकती है और दोशी करार दिए जाने की स्थिति मे उसका नाम कौंसिल

रजिस्ट्रे ान से हटा सकती है। परम्परा और तकनीको का अनैतिक गठबन्धन डिप्टी स्पीकर साहब, बे ाक बालिका वध या फिर विभिन्न ढगो से उसे मरने के लिए छोड देना, हमारे दे ा मे कोई नही बात नही है, किन्तू फिर भी प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीको तथा प्रजनन से जुडी हुई तकनीको के गलत प्रयोग तथा बालिकाओ की गिर रही जनसंख्या के बीच मे गहरा सम्बन्ध है कोई भी तकनीक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संदनो के बीच मे ही इस्तेमाल की जाती है बे ाक प्रजनन से जुडी ये तकनीके यह दावा क्यों न करे कि यह उन दम्पतियो को बच्चा प्राप्त करने मे मदद करती है जिनके यहां कोई बच्चा नही होता, परन्तु वास्तव मे इन तकनीको को अधिकतर बेटा प्राप्ति के लिए ही इस्तेमाल किया जा रहा है, जैसा कि डाक्टर विभुति पटेल का पोलिटीकल इकोनोमी आफ दि मिसिंग गर्ल इन इडियां मे कहना है कि हमारे नेता मे प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीके इतनी सस्ती है कि आम आदमी भी इन सेवाओ को प्राप्त कर सकता है। बालिकाओ के गिर रहे लिंग अनुपात का दूसरा मुख्य कारण महिलाओ की सामाजिक सांस्कृतिक स्थिति भी रहा है। बेटिया जहां परिवार मे बोझ समझी जाती है वही बेटे धार्मिक, आर्थिक कारणे से परिवार के लिए वरदान समझे जाते है। महिलाओ मे भेद पूर्ण व्यवहार किया जाता है। उनका अपने भारीीर तक पर अधिकार नही है न तो वह अपनी इच्छा से बच्चा पैदा कर सती है न ही अनचाहे गर्भ से मनाही कर सकती है। बाल विवाह अधिनियम के रहते हुए भी दे ा के अधिकतर भागो मे उनका छोटी उम्र मे विवाह कर दिया

जाता है। उन्हे छोटी उम्र मे ही गर्भाधारण करना पडता है, वह अक्सर घरेलू हिंसा व यौनिक भाोशण का ि ाकार होती है। उनका सम्पति पर कोई अधिकार नही है कि वह सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियो की ही ि ाकार है बल्कि कानूनी स्थिति भी उनके पक्ष मे नही है। विभिन्न पर्सनल लाज को राजनैतिक और धार्मिक नेता अपने स्वार्थ व ा बदलने की हिम्मत नही जुटा पाते। तलाक हो जाने पर अक्सर सभी धर्मो मे इकटठे अर्जित की गई सम्पति पुरूश को ही मिलती है। महिलाओ का खर्चे का कानून भी काफी कमजोर है। अगर कुछ कानून महिलाओ के पक्ष मे भी है तो वह उन अधिकारो का या तो विभिन्न दवाबो के चलते वह उनका इस्तेमाल नही कर पाती या फिर उन्हे इतना पेचीदा कर दिया जाता है कि वह क्षमता के बाहर होती है।

गर्भपात बनाम गर्भ रोकू साधन कानून ही नही बल्कि सरकारी नीतियां भी महिलाओ के पक्ष मे नही रही है। उन्हे जनसख्या नियंत्रण का सुगम तरीका बना दिया गया है उनके भारीर पर विभिन्न गर्भ रोकू साधन का प्रयोग किया जाता है। दो बच्चो के परिवार की धारणा का भी महिलाए ही ि ाकार हो रही है, क्योंकि परिवार मे बेटा तो चाहिए ही और पहला बच्चा बेटी होने की स्थिति मे उसे टैस्टो के लिए मजबूर किया जाता है, उकसा कोई जोर नही चलता और अगर फिर से गर्भ मे बेटी हो तो महिला को उसके स्वास्थय यहां तक कि उसके जीवन को खतरा होने पर भी लिंग आधारित गर्भपात के लिए सीधे या असीधे

तौर पर विव ा किया जाता है या फिर सामाजिक सास्कृतिक जीवन मूल्यो के कारण वह अपने आपको उसके लिए प्रस्तुत कर देती है। स्थानिक स्व ाासन संस्थाओ जैसे पचांयत, नगर निगम आदि की सदस्यता के लिए भी बहुत सारे राज्यो मे दो बच्चो से ज्यादा बच्चो के माता पिता चुनाव के लिए खडे नही हो सकते। ऐसी स्थिति मे भी महिलाओ को लिंग आधारित गर्भपात करवाना पडता है, चाहे इसके लिए उन्हे अपनी जान या स्वास्थय की ही कीमत क्यों न देनी पडे।

गर्भ का चिकित्सीय समापन तथा लिंग निर्धारित गर्भपात गर्भ का चिकित्सीय सभापन तथा लिंग निर्धारित गर्भपात का भी आपसी सबंम्ध है। परन्तु हम सिफ लिंग निर्धारित गर्भपात का भी आपसी सम्बन्ध है। परन्तु हम सिर्फ लिंग निर्धारित को ही अनैतिक मानते है और यह गैर कानूनी भी है। परन्तु जहां तक गर्भ के चिकित्सीय समापन के कानून का प्र ान है, यह कानून महिलाओ ने मु कल से पाया है और वह सामाजिक व्यवस्था जिसमे अनचाहे गर्भ चाहे वह बलात्कार का परिणाम रहे हो चाहे वह वैवाहिक बलाक्तकार जिनको हमारा कानून बलात्कार ही नही मानता, के कारण हो, जहां पर महिलाओ द्वारा अपने साथी से गर्भ रोकू साधन को इस्तेमाल के लिए कहना ही गलत माना जाता हो आदि जैसे कारण मौजूद है कम से कम गर्भपात बल्कि सुरक्षित गर्भपात का अधिकार तो महिलाओ को मिलना ही चाहिए। इसमे हम कुछ सकारात्मक हस्तक्षेप कर सकते है। लिंग चयन तथा लिंग

आधारित गर्भपातो को मात्र महिलाओ का मुद्दा नही समझ कर इसे माननीय अधिकार और विकास के मुद्दे के रूप मे देखना होगा इसके लिए महिलाओ का स ाक्तिकरण तथा लिंग समानता के प्रति समाज के सभी वर्गो को संवेदन करने के लिए समाए, कार्य ालाए आदि का आयोजन करना चाहिये। दहेज, घरेलू, हिंसा तथा अन्य महिला विरोधी सामाजिक बुराईयो को समाप्त करने के लिए विभिन्न माध्यमो से अभियान छेडने की जरूरत है। इसके अतिरिक्ति गायब लडकियो की स्थिति से आने वाले समाज का चित्रण विभिन्न माध्यमो द्वारा प्रस्तुत किया जाना चाहिए। गर्भ की चिकित्सीय समापन तथा प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीको द्वारा लिंग चयन अधिनियम के प्रावधानो के बारे मे जानकारी देनी चाहिए। विभिन्न माध्यमो द्वारा लिंग निर्धारित गर्भपातो के कुप्रभाव की जानकारी देनी चाहिए। लिंग निर्धारित टेस्टो के बाद बार बार करवाये जाने वाले गर्भपातो के द्वारा कुप्रभाव की जानकारी देनी चाहिए। प्रजनन से जुडी नई तकनीको के गलत प्रयोगो के द्वारा आने वाले समाज पर पडने वाले कुप्रभावो की भी चर्चा होनी चाहिए। लिंग चयन तक प्रसव पूर्वनैदानिक तकनीके अधिनियम को भाक्ति से लागू करवाना चाहिए। सरल भाशा मे साहित्य निकालना चाहिए। महिलाओ से जुडे अन्य कानूनो की पालना करवानी चाहिए। जजो, जिला अटारनीज, पुलिस कर्मचारी/अधिकारी, माननीय अधिकारी से जुडे एक्टीवीस्टो, महिला संस्थाओ तथा समुचित अधिकारियो को प्र ाक्षण दिया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै प्र ाासन के सकारात्मक हस्तक्षेप के बारे मे बताना चाहूंगा

कि डाइग्नोस्टिक केन्द्रो के रिकार्ड को समय पर चैक करना चाहिए और केन्द्रो के पंजीकरण के जुडे कामो को तीव्र करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मै सकारात्मक सुझाव है जो प्रसा ानिक तौर पर दूर किये जा सकते है। उपाध्यक्ष महोदय, महिलाओ की स्थिति जो भी सही हो लेकिन हमारे दे ा की महिलाओ ने दे ा मे विदे ा मे काफी नाम कमाया है। कुछ महिलाओ पर हम बडा गर्व है यदि पहले भी कन्या भ्रूण हत्याऐ हुई है तो भाायद ऐसी वीरांगनांऐ न होती। जैसे मदर टैरेसाः–

मदर टैरेसा नारी नही, वे थी देवी एक,

उसके आंचल मे पले गरीब अनाथ अनेक।

उपाध्यक्ष महोदय, यदि मदर टैरेसा जैसी नारी पैदा हुई नही होती तो जो काम उन्होने किया वह कौन कर सकता था। उन्होने चैरेटी चलाये और अनाथो तथा गरीबो की मदद की।

सानिया मिर्जा

लांन टेनिस के नाम कमाया,

भारत मां का मान बढाया। महारानी लक्ष्मी बाई

खूब लडी मरदानी, वह तो झांसी वाली रानी थी,

म्हिलाओ के गौरव की, उसी ने लिखी कहानी थी।

कल्पना चावला

आसमान पे ये थी छाई, पूरी दुनिया की छवि बढाई।

कर्णम् मल्लेक्ष्वरी

जोर लगाके वजन उठाया,

ओलम्पिक मे तिरंगा फहराया।

लता मगे ाकर

सुर लहरो की ये है रानी,

आवाज ही कहे इसकी कहानी।

सन्तोश यादव

माउण्ट एवरेस्ट पर चढकर दिखाया,

हरियाणा और दे ा का मान बढाया।

पी टी उशा

पी टी ऊशा ऐसी दौडी,

मैडल लाकर कर दी, दे ा की छाती चौडी।

तीजन बाई

स्टेज पर महाभारत गाकर धाक जमाई,

नाम है इसका तीजन बाई।

किरण बेदी

पुलिस की सबसे पहली महिला अफसर

अपराधी जिससे रहते है डरकर।

इनके अतिरिक्त हमारी पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाधी जी ने भी दे ा के लिए जान दी। यदि इंदिरा गांधी जी नही होती तो भाायद आज हमारे दे ा ने जितनी तरक्की की है वह नही कर पाता। इसके अतिरिक्त मै हमारी लीडर सोनिया गांधी जी का भी नाम लेना चाहूंगा। जिनके नेतृत्व मे हमने चुनाव लडा और यहां हमारी सरकार बनी तो आज हम यहां बात कर रहे है उपाध्यक्ष महोदय, मेरे पास बोलने के लिए तो बहुत कुछ है लेकिन समय कम होने के कारण मै एक कविता जरूर कहना चाहूगा। बेटी के बारे मे यह एक कविता है जो मै आपको सुनाता हू:–

मैया। जन्म से पहले मत मार

बाबूल। जन्म से पहले मर मार।

चाहे मुझको प्यार न देना।

चाहे तनिक दुलार न देना

कर पाओ तो इतना करना

जन्म से पहले मार न देना

मै बेटी हू, मुझको भी है

जीने का अधिकार।

मेरा दोश बताओ मुझको

क्यों बेवात सताओ मुझको

मै भी अं ा तुम्हारा ही हू

तजकर फेंक न जाओ मुझको

जीने का जो हम दे दो तुम

देख लू से संसार

थोडी नजर बदलकर देखो

संग समय के चलकर देखो

बेटी से भी नाम चलेगा

ठहरो जरा संभलकर देखो

पौथेपन की लाठी बनकर

दूंगी दृढ आधार।

मै जब आंगन मे डोलूंगी

पिरारी की होती बोलूगी।

सेवा, करूणा, त्याग, तपस्या,

के नूतन द्वारे खोलूगी

दोनो कुल के मान की खातिर

तनम न दूंगी वार।

मैया। जन्म से पहले मत मार

बाबूल। जन्म से पहले मर मार।

उपाध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो के साथ मे आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

Mr. Deputy Speaker: Thank you very much.

श्रीमती किरण चौधरी (तो ाम): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे समाज मे नारी को बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है लेकिन बडी विडम्बना यह है कि in fact it is very irocnical that on one side our Vadas place the women on a pedestal and no religaiou ceremony in completed in without them and on the other side conversely we have the Sage Manu Waxing eloquent saying that women should be treated as cattle and other household goods. उपाध्यक्ष महोदय, नारी के बारे मे हमारे ग्रन्थों मे बहुत कुछ लिखा हुआ है और यहां तक कहा गया है कि यत्र नारीस्व पमज्यंते, रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है वहां पर देवाताओ का वास होता है। लेकिन बडे दुख की बात है कि नारी के बारे मे हमारे ग्रन्थो

मे इतना कुछ लिखा गया है। Infact our Pantheon of Gods is also headed by a women deity, But inspite of all this दुर्भाग्य की बात है कि कि नारी के प्रति इतनी दुर्द ाा आज की जा रही है। हम जानते है कि आज के दिन हरियाणा मे लडकियो की गर्भ मे ही भ्रूण हत्या कर दी जाती है और गर्भ मे ही उनको खत्म कर दिया जाता है। सब कुछ होने के बाद, कानून बनने के बाद और इन सारी चीजों के बावजूद इतना सब कुछ होता चला आ रहा है। मै जानना चाहती हू कि इन सब का जिम्मेदार कौन है ? अगर हम अपने आप को और अपने मन को झझोड कर देखे और अपने मन को टटोल तो मै समझती हू कि इसके उतरदायी हम सब है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह पूछती हू कि यह सब कुछ कम तक होता रहेगा? नारियो के साथ इस तरह का अन्याय कब तक चलाता रहेगा? उपाध्यक्ष महोदय, मै यह प्र ान आज सदन के सामने रखती हू। उपाध्यक्ष महोदय, यह सत्य है कि कन्या के पैदा होते ही उस के अन्दर हीनता की एक भावना पैदा कर दी जाती है। घर मे जब छोटा बच्चा पैदा होता है बडे ढोल नगाडो के साथ उसका स्वागत किया जाता है। (विघ्न) थालिया बजाई जाती है लडू बांटे जाते है और पूरे गांव के अन्दर खुि ाया मनाई जाती है और घर घर मे मिठाई बाटी जाती है लेकिन जब किसी घर मे कन्या का जन्म होता है तो वहां पर बहुत ही मायूसी का माहौल पैदा हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, लडको की तुलना मे लडकियो को हीनता की भावना से तो देखा ही जाता है। दोनो के पालन पोशण मे भी लडको को आगे रखा जाता है। घर मे जो अच्छा

वस्त्र होगा वह लडके को पहनाया जाएगा, दुध दही खिलाने की बारी आएगी तो वह भी लडको को ज्यादा खिलाया पिलाया जाएगा। महिलाओ और नारियों को हमे ाा पीछे रखा जाता है और यहां तक कि घर मे बेटी को बुरी तरह से दुत्कारा जाता है। उनके मन के अन्दर साई कालोजीकली इस तरह की एक बात पैदा कर दी जाती है कि वह बेटे से तुच्छ है, बेटे से हीन और कमजोर है तथा वह बेटे से आगे नही बढ सकती है, यह बडे दुर्भाग्य की बात है। उपाध्यक्ष महोदय, यह स्थिति केवल ग्रमीण इलाको मे जो गरीब परिवार है उन्ही मे ही नही बल्कि जो परिवार अच्छा खाते पीते है, जो परिवार भाहरो मे रहते है और अच्छे खासे पढे लिखे भी है उनकी मानसिकता भी इसी तरह की है। बडे दुख की बात है जिसके बारे मे मै वहां पर कहना चाहूंगी कि हम लोग सबसे बडी हिपोक्रिटस है, हम भी दो तरीके के मापदण्ड रखते हैं जब हम अपने हल्के मे जाते है तो लोगो मे महिलाओ के साथ और बच्चियो के साथ अलग तरीके का मापदण्ड प्रयोग करते है हम लोग ही दोहरे मापदण्डो का प्रयोग करते है। हम सबको मिलकर इस दोहरे मापदण्डो को बदलना चाहिए। जब तक हम ऐसा नही करेगे तब तक नारियो का उत्थान नही हो सकता। उपाध्यक्ष महोदय, हम भूल जाते है कि इन्सान की उन्नति के पीछे नारियो का कितना बडा योगदान है। सभी की खु ाहाली के लिए और जीवन को आगे बढाने के लिए आज नारी की जरूरत है। आज अगर नारी नही रहेगी तो जीवन आगे कैसे चल पाएगां फिर भी आज हम नारी का मान सम्मान नही करते है। उपाध्यक्ष महोदय,

आज हरियाणा मे 1000 लडको के पीछे 823 लडकियां है। यह बहुत ही गम्भीर समस्या है। अगर इस समस्या का समाधान जल्दी नही किया गया तो इस वजह से एक ऐसा प्रपो ान पैदा हो जाएगा जिसको हम सम्भाल नही पाएगे। इसकी वजह से स्थिति बहुत ही विस्फोटक हो जाएगी। आज हमे नारियो को सम्मान देना चाहिए, बच्चियो को प्यान देना चाहिए और समाज मे उन्हे उनकी असल जगह देनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगी कि उन्होने महिलाओ के लिंग अनुपात को ठीक करने के लिए बहुत सी योजनाए बनाई है और नारियों के उत्थान के लिए बहुत से काम भुरू किए है। अगर किसी के घर मे लडकी पैदा होती है तो उस लडकी के मां बाप को 5000 रू0 देने का प्रस्ताव किया है। इसके साथ ही एक इन्दिरा गांधी भागुन योजना के तहत 15000 रू0 की रा ि ा दी जाएगी यह बहुत ही सराहरणीय कदम है। इन सब चीजो के वह से बच्चियो के मां बाप को बहुत ही प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी भाादी के लिए उन पर किसी भी प्रकार का जोर नही आएगा और इसके लिए सरकार उनकी भाादी के लिए उन पर किसी भी प्रकार का जोर नही आएगा और इसके लिए सरकार उनकी मदद भी करती रहेगी। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों को भी लडकी की भाादी के लिए पहले 30 हजार रूपये की रा ि ा वितरित की जाती थी उसको भी इस सरकार ने बढाकर एक लाख रूपया कर दिया है। इसके साथी ही मै यह भी कहना चाहूंगी कि इस सरकार ने लडकियो के लिंग भेद अनुपात को समाप्त करने के

लिए ि ाक्षा के महकमे मे 33 प्रति ात का आरक्षण दिया है यह जो 33 प्रति ात का आरक्षण है, यह सचमुच मे बहुत ही ऐतिहासिक कदम है और इसको देखते हुए दूसरे राज्यो मे भी ऐसे कदम उठाए जाएगे। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार का यह पाथ ब्रेक कदम है। हमारी काग्रेंस पार्टी की अध्यक्षा महिलाओ को प्रोत्साहन करती है। जहां पर भी महिलाओ के स ाक्तिकरण की बात होती है, वह महिलाओ को प्रोत्साहन देती है जहां पर भी महिलाओ के उत्थान की बात होती है वे सबसे पहले उनके उत्थान के लिए कदम बढाती है और भाायद इसी का नतीजा है कि आज हमारे सदन मे इतनी सारी महिलाए विधायक बनाकर आयी है पिछली सरकार मे यह नही था। इसलिए मै कांग्रेस सरकार को बधाई दूंगी और अपनी पार्टी को जिसने इतनी टिकटे महिलाओ को दी। आज काफी महिलाए बढ चढ कर सदन की कारवाई मे हिस्सा ले रही है। मै यह बात जानती हू कि जहां पर महिलांए है वहां पर हमे ाा काम ईमानदारी से होता है तथा पारद ि ाता के साथ काम होता है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने महिलाओ की प्रगति के लिए जो महिला सहकारी विकास बैक नाम की योजना भाुरू की है उससे और भी महिलाओ को प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि बैक का सारा मनेजमैंट उन्हो के हाथ मे होगा। खास तौर से जो गरीब महिलाओ है और जो माता बनने वाली है उनको सुरक्षित डिलीवरी केन्द्र की सुविधा भी सरकार प्रदान करवा रही है इस तरह के तीन सौ केन्द्र बनाये जाएगे। प्रसूति गृहो को बनाने की योजना बनायी गयी है इससे भी महिलाओ को बहुत

फायदा पहुचेगा। हमारे मुख्यमंत्री जी और भी बधाई के पात्र है क्योंकि कल उन्होने भाोचालय बनाने के बारे मे अनांउस किया था। कई हमारे माननीय सदस्य जैसे सुरजेवाला जी ने सदन मे भाौचालयो को बनाने का सवाल उठाया था और कहा था आज भी महिलाओ के लिए भाौचालयो नही है, यह बडे दुख की बात है। I don't think there can be any more cruely to human beign more than this, that women have to go in dark to answer to natural call, कल मुख्यमंत्री जी ने यह आ वासन दिया है और कहा है कि गांव गांव के अंदर भाौचालय बनाए जाएगे। मै इसके लिए उनका बहुत बहुत धन्यवाद करती हू और उनको बहुत बधाई भी देती हू कि उन्होने महिलाओ के इस दुख की तरफ ध्यान दिया है जो कि आज बहुत ही बेसिक अमेनिटी है जिसके बिना भाायद Civilized Human Being can not exist हैरानगी की बात यह हे कि आज तक हरियाणा के अंदर महिलाए इस सुविधा से वचिंत रही है और अपना गुजारा करती आयी है। अध्यक्ष महोदय, हम कितने भी कानून पास कर ले, हम कितनी भी योजनाए बना ले, अगर उन योजनाओ के बारे मे पब्लिक अवेयरलैस नही होगी जो वे योजनांए सारी विफल हो जाएगी और वे कभी कामयाब नही होगी। सरकार ने बहुत सारी योजनाएं बना रखी है और बहुत सारे प्रोग्राम भी चले हुए है जिनके तहत अवेयरनैस नही होगी तो वे योजनाए बना रखी है और बहुत सारे प्रोग्राम भी चले हुए है जिनके तहत अवेयरनैस लायी जा रही है। मै कहना चाहूंगी कि खास तौर से इस बारे मे अलग से प्रोग्राम भाुरू किया जाए जिसके तहत इस

बारे मे द ार्किया जाए। चाहे ये प्रोग्राम पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट की तरफ से चलाया जाय या किसी और डिपार्टमैंट की तरफ से चलाया जाय लेकिन इस बारे मे प्रोग्राम जरूर चलाया जाने चाहिए। मै सारे सदन एक बात कहना चाहूंगी। सारे सदन मे मेरे भाई बैठे हुए है मेरे कुलिग्ज बैठे हुए है, मै उनसे भी अनुरोध करूगी और हमारा भी यह दायित्व बनता है कि लोगो मे अवेयरनैस लाए। जितने विधायक है जितने सांसद है, जितने गांव के संरपच या पंच लोग है उनको भी इस बारे मे हिदायत दी जानी चाहिए कि वे अपनी तरफ से अपने अपने हल्को के अंदर इस तरह का जनसम्पर्क प्रोग्राम चलाए और इस बारे मे अवेयरनैस फैलाए। जनता को भी इसमे भागिमल करे ताकि जनता को इस बारे मे पता चले कि महिलाओ को स ाक्तिकरण करना है, महिलाओ को आगे लाना है। बेटिया तो बेटो पहचाना है कि बेटी और बेटा दोनो बराबर है। सबसे जरूरी बात तो यह है कि हम सबको अपनी मानसिकता बदलनी पडेगी।

श्री उपाध्यक्षः अब आप वाईड अप करे।

श्रीमती किरण चौधरीः सर, मै वाईड अप ही कर रही हू। मै एक सुझाव रखना चाहूंगी और सरकार से आग्रह करूंगा कि जिस तरह प्लस पोलियो के बारे मे प्रोग्राम चलाएं जाते है उसी तरह परिवार नियोजन के लिए भी एक अलग से प्रकोश्ठ बनाया जाए और परिवार नियोजन के ऊपर कार्य किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही इम्पोटैट प्वयांट के बारे मे कहना चाहूंगी

कि हमने अपने ऐक्ट के अंदर जो अमैडमैंट की है वह सचमूच बहुत सराहनीय है। मेरे से पहले बोलते हुए ि ाव भाकंर भारद्वाज जी ने पांच प्रावधान मढकर बताए जिन प्रावधानो के तहत सजा दी जाएगी लेकिन इसके अंदर एक बडा लैकुला है जिसे भारद्वाज जी ओवरलुक कर गए क्योंकि खुद भी डाक्टर है और मै इसे बहुत जरूरी चीजे समझती हू। हर दोशी पर तीन वर्श का कारावास तथा 50 हजार रू0 जुर्माने का प्रावधान है। दोबारा दोशी हाने पर 5 साल की सजा व 1 लाख रू0 जुर्माना हो सकता है, लेकिन बडे दुख की बात है कि डाक्टर के विरूद्ध खाली प्र ाासनिक कार्यवाही चलेगी। डाक्अर इसका जानकार है। डाक्टर एक ि ाक्षक भांती है उसको पता है कि इसके नतीजे क्या हो सकता है उसी डाक्टर के खिलाफ इतनी थोडी सी कार्यवाही की बात कही गई है।मै मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगी कि एक और अमैडमैंट इसमे कराई जाए इसके अंदर इतनी सख्यत कार्यवाई की जाए क्योंकि यदि डाक्टर पर कार्रवाई नही की गई तो वे ऐसी और कार्रवाही करते रहेगे और अपनी रिपोर्ट भेजते रहेगे इसी तरीके से काम आगे चलता रहेगा और खत्म नही होगा। मै समझती हू कि ज्यादा से ज्यादा सख्ती से और 5 वर्श की सजा दी जाए और उसके ऊपर जुर्माना इतना मोटा ठोका जाए कि अगली बा रवह इस बार मे दखल देने की कोि ा ा भी न करे। हम सब जानते है कि ये एक बहुत ही बडी समस्या है इस समस्या का समाधान हम सबने मिलकर करना है इसलिए जब तक हम सब की नीयत साफ नही होगी तब तक यह नही हो पाएगा। केवल बोल बोल देने से या

लिप्स सर्विस देने से यह काम पूरा नही हो सकता। माननीय हुडा साहब की सरकार इस बारे मे वचनबद्ध है और इस लिंग अनुपात के असतुलन को ठीक कराया जाएगा, उसकी तरफ कार्रवाई की जाएगी। पिछली बार चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी इलैक ान मे वोट मांगने गए थे उन्होने मुझे बताया था कि मेरा एक सपोर्टर मुझे वोट देने के लिए तैयार नही है वह कहता है कि मै वोट उसको दूंगा जो मेरा ब्याह करा दे। उसके चौटाला साहब ने मेरा ब्याह कराने की हां भर ली है। यही हालात रहे तो अगली बार हम पांच साल बाद जब वोट मांगने जांएगे तो हमारे वोटर यही कहेगे कि हमारा ब्याह करा दो तभी वोट देगे। इन भाब्दो के साथ मे आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

कुमारी भाारदा राठौर (बल्लभगढ): उपाध्यक्ष महोदय, डां0 ि ाव भांकर भारद्वाज जी ने जो प्रस्ताव इस सदन मे रखा है मै उसका अनुमोदन करती हू लिंग अनुपता के अन्तर से एक बहुत भंयकर व भयावह स्थित आज हमारे हरियाणा प्रदे ा मे पैदा हो गई है। लिंग अनुपात ने एक इतना बडा अंतर व असतुलन पैदा हो गया है जो कि हमारे दे ा की संस्कृति के खिलाफ है और हमारे समाज के ताने बाने को भी यह छिन्न भिन्न करती है। हमारे तो भास्त्रो मे भी जब भगवान का नाम लेते है तो महिलाओ को सबसे आगे रखा जाता है। जब भगवान का नाम लेते है तो हमे ाा सीता राम, और राधा कृश्ण का नाम पुकारा जाता है। यहां भी महिलाओ को पहले ही पुकारा जाता है और पत्नी को अर्धागिनी

कहा गया है। परन्तु बडे अफसोस की बात है कि जिसे अर्धागिनी कहा जाता है जिसका नाम पुरूश से पहले लिया जाता है। आज उसकी पैदा होने से पहले की कोख मे ही हत्या कर दी जाती है। उस फूल को खिलने नही दिया जाता तो कली के रूप होता है अक्सर यह देखा जाता है बेटो मे मां बाप का ध्यान रखने की परवाह नही होती। जब पिता काफी समय के बाद घर मे आता है तो बेटा भागकर पानी लेकर नही आता। कभी बेटा भागकर चाय बनाकर नही लात। हमे ाा बेटी भागकर आती है और पिता से लिपटकर हाल पूछती है उसके लिए पानी लेकर आती है, उसके लिए चाय बनाकर लेकर आता है पिता की दिन भर की थकान उस बेटी के प्यार से और बोली से पल भर मे दूर हो जाती है यह सोचनीय विशय है कि नारी को हमे ाा ही पुरूश से नीचे क्यों समझा गया है। प्राचीन काल से ही हमारा पुरूश प्रधान समाज नारी के लिए हीन भावना पैदा करता रहता है। यहां तक कि हमारो ग्रन्थो मे भी आया है और कई जगह नारी को नीचे दिखाया गया है और यहां तक कि महाकवि तुलसी दास से भी एक जगह लिखा है कि ढौल, गवार, प ाु, भाुद्र नारी ये सब ताडन के अधिकारी। यह कभी सोच हुआ करती थी लेकिन अब हम 21वी सदी मे जी रहे है हमे सीख लेनी चाहिए कि यूरोपीयन कन्ट्रीज के दे ाो मे जो विकसित दे ा है वे विकसित क्यों हुए क्योकि उन्होने अपनी आधी आबादी को जो नारियां और महिलाएं है उनको कभी पीछे नही रखा वहां पर 50 प्रति ात आबादी महिलाओ की है यूरोप महिलाएं पुरूशो से कन्धे से कन्धे मिलकार

काम करती है और उनके हर कार्य मे उनकी बराबर की हिस्सेदारी होती है इसलिए वे लोग विकसित है और हम भी विकास ील है हमे विकसित होना होगा और हमे अपनी आधी आबादी को पूरा सम्मान देना पडेगा। उन्हे अपने बराबर समझना पडेगा तभी इस दे ा का विकास संभव है। जैसा कि किरण चौधरी जी ने बताया कि आज प्रति हजार लडको के पीछे 823 लडकियो है। आज वह विशम स्थिति हो गई है मै अपने जिले की बात करती हू। हमारे वहां लडकियो की भाादी के लिए बिहार से यहा बंगाल से लडकियो लाई जाती है। इससे कम से कम यह फायदा हो तो गया है कि अब जाति प्रथा का प्रचलन खत्म हो रहा है और अन्तर्जातीय विवाह जन्म ले रही है बलाक्तकार जैसी घटनाए बढ रही है और महिलाओ की खरीद फरोख्त होती है कुछ लोग सन्तान उत्पति के लिए किराए की मां ला रहे है। उनकी किराए की कोख लेते है और उन्हे प ाुओ के तबेले मे छोड दिया जाता है। उनके जीने मरने की, उनकी रोजी रोटी की और उनके गुजर बसर की जिम्मेवारी को वो परिवार नही लेते जो उन महिलाओ से अपना नाम चलाने के लिए, अपना व ां चलाने के लिए बच्चे पैदा करवाते है। आज यौन भाोशण का ि ाकार महिलांए हो रही है। जगह जगह पर हिंसा हो रही है। उन महिलाओ के साथ जो बेटियां पैदा करती है और जिन के बेटा नही होता उनके परिवार के लेाग और उनकी ससुराल के लोग उन्हे दिन भर जीने नही देते। उन्हे तरह तरह की बात सुनाते रहते है और समय समय पर उनके साथ हिंसा भी करते हैै, उनके साथ मार पीट करते रहते है

ऐसी महिलाओ के साथ दहेज की भी प्रोब्लम है जो महिलाए लडका पैदा नही कर पाती उनके मां बाप, उनके मायके वालो को तंग यिका जाता है और बार बार दहेज लाने के लिए बाध्य किया जाता है। मै माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी से धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होने इस समस्या से निजात के लिए तरह तरह की योजनांए बनाई है। आते ही सरकार ने लडकियों की पैदाइस को बढावा देने के लिए दूसरी लडकी पैदा होने पर 500 रू0 प्रति माह 5 साल तक लडकी के परिवार को देने का प्रोत्साहन योजना भुरू की है। जिनके परिवार मे एक ही बेटी है उनको भी पैं ान देने की योजना बनाई गई है। इन्दिरा गांधी विवाह भागुन योजना के तहत अनुसूचित जाति और गरीबी रेखा से नीचे के घरो की लडकियो को विवाह के समय जो पहले 5100 रू0 दिए जाते थे उसको बढाकर 15000 रू0 किया गया है। महिला सहकारी विकास बैंक खोलने की घोशणा की गई है उसमे 33 प्रति ात आरक्षण महिलाओ के लिए रखा गया है इससे हमारी बालिकाओ और महिलाओ को प्रोत्साहन मिलेगा। खास तौर से स्वर्गीय राजीव गांधी जी का मै धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होने हमे आज मौका दिया है कि आज हम जैसी महिलाओ भी विधान सभा तक पहुची है। मै बहुत सी महिला विधायका को जानती हू जो मेरी तरह से कोई स्थानीय निकायो से चुनकर आई है तथा कोई जिला पार्शद की मैम्बर बनी । मै भी आरक्षण के तहत नगर निगम की पार्शद बनी और आज जिसका नतीजा यह है कि मै यहां विधान सभा तक पहुंची। हमे स्वर्गीय राजीव गांधी का धन्यवाद करना चाहिए

जिन्होने पंचायती राज के तहत महिलाओ को आरक्षण दिया। इससे महिलाओ का मान सम्मान बढा है, हमारी आज पूछ हुई है और लोग हमे पूछते है। आज महिलाओ की आवाज उठाने का हमे अधिकार है। हमे सोनिया गांधी जी का धन्यवाद करना चाहिए जो लोकसभा और विधानसभाओ मे महिलाओ के लिए 33 प्रति ात आरक्षण करने के लिए कटिबद्ध है और उन्होने इसके लिए कई बार पहल भी की कि महिलाओ को आरक्षण दिया जाए क्योंकि जब तक उन्हे राजनैतिक अधिकार नही मिलेगा तब तक वे सामाजिक, भौक्षाणिक, और आर्थिक अधिकारो से वंचित रहेगी। इसके लिए हमे तथा अपनी पार्टी को सोनिया गाधी जी का धन्यवाद करना चाहिए। मै जब महिला अधिकारियो को देखती हू तो मैने पुरूश अधिकारियो के मुकाबले मे महिलांए ज्यादा योग्य पाई है। कोई महिला अधिकारी भ्रश्ट नही पाई गई है, जितने भी भ्रश्टाचार के मुकदमे होते है, गबन केस होते है या राजनेताओ से सम्बन्धित बाते हों उनमे महिलाओ के नाम के बराबर होते है पुरूशो का नाम ही भ्रश्टाचार के मामले मे आता है जब जब भी महिलाओ को मौका लिया तब तब महिलाओ ने अपनी योग्यता को साबित किया है और प्राचीन काल से महिलाओ अपनी योग्ताए साबित करती आई है।

प्रो0 छतर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर ये किसी को जैण्डर के आधार पर करप्ट या फेयर कह रही है तो ठीक नही है।

कुमारी भारदा राठौरः अध्यक्ष महोदय, मैने तो कम्पैरीजन किया है, मैने तो तुलना की है और कोई बात नही की। अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री महोदय का आभार प्रकट करूगी कि जिन्होने पी0एन0डी0टी0 एक्ट को और अधिक तर्कसगंत बनाया है। मै मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगी कि इन मामलो से सबधित किसी भी अपराधी को नही बख्भाना चाहिए। इस मामले मे यदि हम कानून को और सख्त बना सकते है तो बनाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, यह अच्छी बात है कि हमारी सरकार ने सबको साथ लेकर चलने का निर्णय लिया है और उसमे सामाजिक और धार्मिक संस्थाओ को भी जोडा है तो यह कहना चाहूंगी कि हमे डाक्यूमैट्री फिल्मे बनाकर अपने गांवो मे, कालोनीयो मे तथा उन क्षेत्रो मे दिखानी चाहिए जहां जागृति की कमी है। जहां हम लिंग अनुपात समानता के लिए ि ाक्षा दे रहे है उसके साथ साथ सेमीनार्ज और नुक्कड नाटको का भी आयोजन करना चाहिए। सभी सदस्यों को भी यह निर्णय लेना चाहिए कि जब भी हम किसी मंच पर हो इस बात की चर्चा अव य करे कि इस सामाजिक बुराई को हम कैसे दूर करना है। इसके अतिरिक्त कुरीति को दूर किया जा सके। इसके अतिरिक्त की हो यहा दूसरी नौकरी हो, रिजर्वे ान किया जाना चाहिए कि इतनी प्रति ात नौकरियां महिलाओ के लिए है। इसके अतिरिक्त कानूनी अधिकारो को भी महिलाओ के लिए है। इसके अतिरिक्त कानूनी अधिकारो को भी महिलाओ के प्रति और ज्यादा लिब्रल करना चाहिए और महिलाओ के प्रति जो बढते अपराध है उनसे सबंधित कानून

ज्यादा से ज्यादा सख्त बनाने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस सामजिक कुरीति को बदलने के लिए कोई एक व्यक्ति की जिम्मेवार नही है यह सामूहिक जिम्मेवारी है और सामाजिक सोच को बदलने की आव यकता है। हमे लोगो की जो पुरानी बीमार मानसिकता है उसको चुस्त दुरूस्त करना होगा। मै अपनी बहनो से भी कहना चाहूगी कि उन्हे अब आगे आना होगा और अपनी मदद स्वंय करनी पडेगी क्योंकि महिलाएं ही महिलाओ की रक्षा कर सकती है। हमारे घरो मे जो लडकियां पैदा हो रही है उन बच्चियो का लालन पालन हमे ही ठीक तरह से करना होगी। उनकी ि ाक्षा की तरफ भी हमे भी ध्यान देना होगा। इस तरह की जिम्मेवारी हमे खुद उठानी है तभी जाकर महिलाओ की द ाा मे सुधार होगा। अगर कही पुरूश इसका विरोध करते है यहा कही कोई और कभी आती है या जहां बच्चियां कुपोशण का ि ाकार हो वहां महिलाओ को सख्ती के साथ अपनी बच्चियों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। इसके अतिरिक्त जिन महिलाओ को भ्रूण हत्या के लिए मजबूर होना पडता है उनको भी सख्ती से पे ा आना चाहिए कि हम अपनी बेटी की कोख मे हत्या नही करेगी बल्कि उसको जन्म देगी। इसी दे ा मे मारियां, गारगी, मैंत्री जैसी विद्वान महिलांए पैदा हुई है जो राज दरबारो मे विद्ववानो और महापुरूशो के साथ बैठकर तर्क वितर्क किया करती थी। इसी दे ा मे झांसी की रानी, रजिया सुल्तान जैसी महिलाएं पैदा हुई है। इसी दे ा मे श्रीमती इंन्दिरा गांधी, कल्पना चावला जैसी महिलाएं पैदा हुई जिन्होने दे ा मे, विदे ा मे हमारा नाम रो ान

किया। उपाध्यक्ष महोदय, मै चाहूगी कि हम सबको मिलकर इस सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए और इस बुराई को पैदा करने वाले जो मेन कारण है उनकी तरफ हमे ध्यान देना चाहिए। इसके इलावा निरक्षरता और दहेज जैसी समस्याओ को भी दूर करने के लिए हमे आगे आना होगा क्योंकि दहेज की बुराई के कारण महिलाओ के सम्मान मे कमी हुई है और भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियां पैदा हुई है। हमे ि ाक्षा को भी बढावा देना होगा ताकि जो अनपढ लोग है वे यह जान सके कि लडके और लडकी मे कोई अंतर नही है। यह वे तभी जान पायेगे जब वे ि ाक्षित होगे। अंत मे मै यह निवेदन करूंगी कि हम सब इस प्रस्ताव का अनुमोदन करके यह संकल्प लेकर जाये कि हमे ाा हमे इस बुराई को दूर करने के लिए आवाज उठानी है। मै कहना चाहूगी कि

ऐ माओ, बहनो, बेटियो दुनिया की जन्नत तुम से है,

कौमो की इज्जत तुम से है, हम सबकी रोनक तुम से है।

उपाध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो मे साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्री एस0एस0 सुरजेवाला (कैथल): उपाध्यक्ष महोदय, मै भ्रूण हत्या या सैक्स रे ाो मे जो गिरावट आई है उसके बारे मे संक्षिप्त मे अपने विचार आपके सडक रूबरू रखना चाहूंगा। मुझे

यहां पर यह कहना है कि हांलाकि इस समाज मे इस दे ा मे औरतो की आबादी 50 प्रति ात है। (विघ्न)

श्रीमती प्रसन्नी देवीः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा यह कहना है कि हम औरते इस विशय के ऊपर बेहरत ढंग से बता सकती है। लेकिन हमारे साथ यहां भी अन्याय हो रहा है और हमने फर्क दिखाया जा रहा है। यहां पर भी पुरूश ही प्रधान है आप इस विशय मे कम से कम महिलाओ को तो बोलने के लिए टाईम दे।

श्री उपाध्यक्षः अभी तक तो इस विशय पर महिलांए ही बोली है आपको भी बोलने के लिए टाईम दिया जाएगा। इसलिए आप अभी बैठे।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय बहिन जी जो कह रही है यह सही नही है क्योंकि यह जो रैजोल्यू ान इस समय विचारधीन है यह भी एक मेल ही लेकर आए है इसमे सैक्स की कोई डिस्क्रिमिने ान नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मैम्बर्ज से कहना चाहूंगा और रिक्वैस्ट करूंगा कि माननीय साथी इस विशय पर बोलने के लिए मुझे पांच मिनट का समय दे और जो बीच मे विचारागोश्ठी चल रही है मेहरबानी करके इसे बन्द कर मुझे पांच मिनट का समय दे और जो बीच मे विचारगोश्ठी चल रही है मेहरबानी करके इसे बन्द कर दे। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे यह कहना है कि वह ऐसा

सवाल है, एक ऐसा ई ा है कि इसके बारे मे फौरन गहर विचार करने की बडी जरूरत है और इस बारे मे कोई कठोर फैसला लेने की बहुत जरूरत है। अगर इस विशय के विभिन्न पहलुओ की तरफ देखे तो मै इसी मंत्री से ही भाुरू करता हू। भ्रूण हत्या के लिए जो सब से ज्यादा उत्सुकता दिखाती है, भ्रूण हत्या के लिए उकसाती है, दबाव डालती है और मदद करती है वह महिला ही है। आदमी भी इसमे बराबर का मिल्टी है, मै पुरूश की एग्जोनरेट नही करता लेकिन सास का जो रोल है, बहन का जो रोल है उस बारे मे कहना चाहूंगा कि वे हमारे समाज मे बजाए इसके कि भाहद घोले, ये समाज की जिन्दगी मे, महिलाओ लडकियो की जिन्दगी मे जहर घोलती है और महिलाओ को तो खुद इसके लिए आगे आना चाहिए। कम से कम महिलाओ को तो खुद इसके लिए आगे आना चाहिए। कम से कम महिलाओ को तो खुद ही इस स्थिति पर तथा महिलाओ पर रहम करना चाहिए जो अपनी जाति को, अपनी बिरादरी को खुद ही नश्ट करने मे सबसे बडा और अग्रणी रोल अदा करती है। दूसरे मै यह कहना चाहूंगा कि जो यह कहते है कि गरीबी और समाज मे पिछडेपन की वजह से ऐसा होता है वह सही नही है, इसमे एक बडी विसंगति है। खूब पढे लिखे और हम प्रकार से जारूक लोग है। वे भी इस मानसिकता के ि ाकार है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यहां पर एक उदाहरण देना चाहूगा। यूनाईटिड ने ान्ज ने राजस्थान के बारे मे एक सर्वेक्षण करवाया है। इस सर्वेक्षण की चार लाईने मै यहां पर पढ कर सुनाता हू। श्रीमती एण्ड श्री रवि पत्नी का नाम जानबुझ कर नही

लिखा की तीन संताने है। उनकी सबसे बडी बेटी 23 वर्श की आयु की है। दूसरी बेटी 21 वर्श की है और एक 10 वर्शीय उनका पुत्र है। अपने पुत्र को जन्म देने से पहले श्रीमती रवि और श्री रवि ने 9 बार लिंग निर्धारण परीक्षण करवाए और 8 बार उसने गर्भापात करवाया। अपने पुत्र को जन्म देने के दो दिन बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। उनकी सबसे बडी बेटी 23 वर्श की आयु की है। दूसरी बेटी 21 वर्श की है और एक 10 वर्शीय उनका पुत्र है। अपने पुत्र को जन्म देने से पहले श्रीमती रवि और श्री रवि ने 9 बार लिंग निर्धारण परीक्षण करवाए और 8 बार चिकित्सक उसने गर्भपात करवाया। अपने पुत्र को जन्म देने के दो दिन बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)** अध्यक्ष महोदय, पुत्र को जन्म देने से पहले डाक्टर ने उसे गर्भधारण से मना किया था क्योंकि इससे उसके जीवन को खतरा हो सकता था। अध्यक्ष महोदय, अगली लाईन काबिले गौरे है। मिस्टर रवि बहुराश्ट्रीय कम्पनी मे एग्जिक्युटिव आफिसर है और स्वर्गीय श्रीमती रवि एक पब्लिक स्कूल मे ि ाक्षिका है। क्या यह बैकवर्डनैंस की बात है, क्या यह गरीबी की बात है? पति अन्तर्राश्ट्रीय कम्पनी मे एग्जिक्यूटिव आफिसर और बीवी पब्लिक स्कूल की टीचर है और उन्होने लडकियो को जन्म देने से रोकने के लिए आठ आठ बार गर्भपात करवाया। (विघ्न) डाक्टर साहब, हम आपका बडा आदर करते है। आप यह रैजोल्यू ान ले कर आए है उसके लिए मुझे बडा सख्त ऐतराज है माननीय मुख्यमंत्री जी भी रूबरू है। मै इनसे यह रिक्वैस्ट करना चाहता हू कि इस बारे मे जो ऐक्ट बनाया गय

है उस एक्ट मे सबसे बडी खामी यह है कि उस स्त्री को, उसके पति को या उकसाने वाले को पहली बार तीन साल की कैद और 50 हजार रू0 का जुर्माना है। दूसरी बार के लिए 5 साल की कैद और एक लाख रू0 के जुर्माने का प्रवाधन है लेकिन डाक्टर को एक दिन की भी सजा नही है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मुख्यमंत्री जी से एक बात कहना चाहता हू कि वह डाक्टर जिसने 100 लडकियो को जान से मारा या 200 लडकियो का जान से मारा, उस डाक्टर को तो उस कैद नही बल्कि फासी की सजा होनी चाहिए। उसका सारा सामान, उसका क्लीनिक और उसकी सभी म ीने जब्त होनी चाहिए। (विघ्न) डाक्टर साहब, आपने जो रैज्येाल्यु ान दिया है क्या आप उसको वापिस लेते है ? (विघ्न)

Mr. Speaker: Please take your seat, Bhardwaj Ji. You are not involved in it;.

डा0 ि ाव भाकर भारद्वाजः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब के मना करने के बावजूद गर्भपात करवाया जाता है। डाक्टर के दृश्टिकोण से तो ठीक सलाह दी जाती है। आपका डाक्टरो की तरफ इस तरह का दृश्टिकोण ठीक नही है।

Mr. Speaker:, Bhardwaj Ji. Doctor is always a party. (Interruptions) Nothing can be done without participation of the doctor. Doctor is a principal man in such cases. (Interruptions) Please take your seat, Bhardwaj Ji. You are not involved in it; why you are taking it so seriously.

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै डाक्टर सहाब से पूछना चाहता हू कि ये यह प्रस्ताव क्यों लेकर आए है ? (विघ्न) स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि पिछले पांच छ साल से हरियाणा मे लडकियो की रे ाो बहुत ही नीचे गिरी है और यह रे ाो और भी नीचे की और जा रही है जो कि बहुत ही अलार्मिंग सिचुए ान है। इसके सामाजिक कारण है हरियाणा मे जात पात, गोत का बहुत ही वर्चस्व है। यह सब पिछडेपन का कारण है। यहां पर आज भी औरत को पैरो की जूती समझा जाता है आदमी रोज रात को भाराब पीकर आता है, चौपालो मे बैठा हुक्का पीता रहता है, ता ा खेलता है, और घर मे बर्तन आदि तोडता है। स्पीकर साहब, यह घर घर की कहानी है। हमे सब को मिलकर इस प्रथ को बदलना पडेगा। यह केवल प्रचार करने से नही बदलेगा बल्कि इसके लिए हमे सख्त कानून बनाना पडेगा। आज हमारे यहां पर अगर कोई गोतर मे भाादी कर लेता है तो उसको पंचायतो मे बुलाकर सजा दी जाती है और तो और मां बाप ही उनका कत्ल कर देते है। स्पीकर साहब, ऐसी हमारी लोकदल पार्टी की मानसकिता है। कि वे आदमियों को औरतो के खिलाफ करते है, जात पता को बढाव देते है, परिवारवाद मे वि वा ा करते है। (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारे कुरूक्षेत्र मे एक हजार लडको के पीछे 770 लडकियां है। बाकी के हरियाणा मे भी कमोवे ा यही हाल है लडकियो के अनुपात मे हरियाणा सभी राज्यो मे सबसे नीचे आता है। यह केवल इनैलो की मानसिकता के कारण है जो केवल जात पात के आधार पर पार्टी बनाते है,

परिवार की सरकार बनाते है और औरतो को प्रताडित करते है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैने यह राजनैतिक बात नही कही है। मै यह सब बहुत ही दुखी मन से कह रहा हू और बहुत ही भरे हुए ह्रदय से कह रहा हू। मैने महिलाओ के स ाक्तिकरण के बारे मे 7–8 साल पहले भी पार्लियामैंट मे भी कहा था। अगर हमे वाकई मे महिलाओ के लिए कुछ करना है तो एग्रीकल्चल लैडढ का मालिक कोई आदमी नही बल्कि औरत होनी चाहिए। खेती तो औरते भी करते है। आदमी तो सारा दिन हुक्का पीता रहता है, ता ा खेलता है। भाराब पीता है और घर के बर्तन तोडता है (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरा तो यह भी कहना हौ कि जब कोई लडकी भाादी कके आती है तो एग्रीकल्चर लैड और सारी प्रापर्टी लडके के नाम से हटाकर लडकी के नाम पर हो जानी चाहिए। अगर ऐसा होगा तो ही औरतो की इज्जत होगी। (विघ्न) मेरी बहन करतार देवी जी कहती है कि पहले आप उदाहरण दे। अध्यक्ष महोदय, मै व्यक्तिगत बात नही करता हू। मै बडे फरख के साथ कहता हू कि मेरी तो ऐग्रीकल्चर जमीन मेरे बाप दादा से मुझे मिली है उसको मालिका मेरी पत्नी है। वही सारा पैसा रखती है, वही खेती करवाती है और वही मालिक है। (विघ्न) जमाबदी हो, गिरदावरी मे, इंतकाल मे उनका नाम है। (विघ्न)

Mr. Speaker: The Seniormost member of the House in speaking. Please keep quite.

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, एक बात मै कहना चाहता हू। मेरी दो बेटिया है। 1958 के द ाक मे जब हरियाणा पिछडा हुआ था, उनका उस समय भी मैने प्राईमरी स्कूल, नरवाना मे दाखिल नही करवाया था बल्कि उन्होने सोफिया कान्वैट स्कूल मे ही मैट्रिक की और फिर जी0सी0डब्लयू0 स्कूल से उन्होन ग्रेज्यूए ान किया। मेरा बेटा पहले गांव के तप्पड स्कूल मे पढा, फिर डि0ए0वी0 नरवाना मे पढा और फिर डि0ए0वी0 स्कूल मे चण्डीगढ मे पढा।

वित मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, इनके पास एक ही लडका या इसलिए इन्होने उसको अपने साथ रखकर ही पढाया।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, नही नही, ऐसी बात नही है। स्पीकर साहब, मै अपनी बात नही कर रहा हू। मै ज्यादा समय नही लेना चाहता हू। मै यह कहना चाहता हू कि गांवो मे जाति पाति का वर्चस्य, गोत नात की बात रहती है। जब लोकदल का राज आता है तो ये इस तरह के वाकये होते है। काग्रेस के राज मे इस तरह की बात नही होती है क्योंकि कांग्रेस टकरवा नही बढवाती है। लोकदल वाले टकराव बढाते है, औरतो पर अत्याचार करते है और जात पात की राजनीति करते है। यह इनकी सोच है इनकी मानसिकता है। अध्यक्ष महोदय, मै कोई राजनैतिक बात नही कर रहा हू मै दुख के साथ कहने लग रहा हू।

श्री राम कुमारा गौतमः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे एक बात पूछना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः गौतम जी, आप अगर न पूछे तो क्या आपका गुजारा नही होता?

श्री राम कुमारा गौतमः अध्यक्ष महोदय, इन्होने अभी बताया कि लोकदल के राज मे यह कमी थी। मै चौधरी साहब से पूछना चाहता हू कि लोकदल के राज मे कौन सी कमी नही थी ?

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, पडिंत बोलेगा तो ज्ञान की ही बात कहेगा। इधर वालो की तरह से बिटोडे से गोसे थोडे ही निकालेगा। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि ऐक्ट मे तरमीम करके डाक्टर का उम्र कैद और फांसी की सजा करना अनिवार्य है। जिन्होने एक कत्ल किया होता है उनको भी फांसी तो यह डाक्टर तो सौ सौ दौ दौ सौ कत्ल करने लग रहे है। एक बार चोरी करके वाला भी पकडा जाता है तो चोर कहलता है इन्होने तो पचासो बार चोरी कर ली। ये काम ही वही करने लग रहे है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, अगर डाक्टर इस तरह का काम करता हुआ पकडा जाए तो उसको पूरी सजा दो। उसकी इस तरह की सारी म ीने जब्त करना बहुत जरूरी है नही तो डाक्टर का लाईसैंस सस्पैड होने के बाद उसका कम्पाउंडर यह काम करने लगा। इसलिए यह प्रावधान होना बहुत जरूरी है। समाज के अदर औरतो का स ाक्तिकरण करना बहुत जरूरी है।

बाप की जमीन पर लडकियो का हक है उनके लिए कानून है। लेकिन अभी तक इसमे कमी है। अभी तक एक भी लडकी के नाम जमीन का वाकई नही है अध्यक्ष महोदय, मुझे समय देने के लिए मै आपका आभार व्यक्त करता हू।

श्रीमती प्रसन्नी देवी (नौलथा): स्पीकर साहब, डाक्टर भारद्वाज मे जो रैजोल्यू ान हाउस के सामने रखा है मै उससे सहमत हू और सदन मे एक बात कहना चाहती हू मेरे से पहले बोलते हुए मेरी बहनो ने और सुरजेवाला जी ने अपने अलग अलग विचार रखे। सुरजेवाला जी ने यहां तक कहा कि इसकी जिम्मेदारी महिला है लेकिन ये इस बात का भूल जाते है कि महिलाओ को कई तरह की दिक्कते उठानी पडती है। अगर उसके बेटी ही बेटी पैदा होगी तो या तो उसको अपनी जान खोनी पडेगी या फिर उसको पति की दूसरी भाादी करवाने के लिए मजबूर किया जाएगा। महिलाए कभी भी बच्चो मे फर्क नही करती। उसके पेट से जो भी बच्चा पैदा होता है उसको औरत ही समझ सकती है उसके लिए बेटा या बेटी दोनो ही प्यारे होते है। अध्यक्ष महोदय, दिन परदिन कानून जितने बनते जा रहे है जितने हमे साहूलियते मिलती जा रही है, उतना ही हमारा समाज उल्टा होता जा रहा है केवल लडकी को ही गलत माना जाता है लडका कही पर भी बीच मे नही आता।

मैने अपने पहले इलैक ान मे ऐसा समय देखा है, जब मै चौपाल मे नही जा सकती थी क्यांकि उस दिनो पर्दा खोलकर

चौपाल पर आने मे ऐतराज होता था। आज भी लेडीज संरपंच य पंच चुनी जाती है। चाहे जिला परिशद की चेयरमैन हो या ब्लाक समिति की चेयरमैन हो उनका होता क्या है कि कोई पूछता है कि फंला गांव की पंच कौन है तो उस महिला का नाम नही लिया जाता बल्कि उसके पति का नाम लिया जाता है। जैसे मान लो कोई भाकुंतला संरपच बनी है और भाम ोर उसका घरवाला है तो भाम ोर का ही नाम चलेगा उनके पति की जेब मे उनकी मोहर होती है जबकि उनमे काम करने की हिम्मत भी है। मै रिवाज की बात बताती हू वैसे तो सारे दे ा मे यही हाल है लेकिन खासकर हरियाणा मे तो किसी भी महिला को सरंपच नही कहेगे, उसके घरवाले को कहेगे। आज कल अच्छी अच्छी व पढी लिखी संरपच औ पंच आई हुई है और उनमे काम करने हिम्मत भी है। प्राचीन इतिहास देख लो, आज भी देख लो, जिस महिला को काम करने का मौका मिला वह पूरा काम करती है। बग्गी जोड के बेचारी उसमे गोबर डाल के ले जाएगी और आते ही उसमे घास डाल के ले आएगी। सब आदमी ता ा खेलते रहते है और भााम को भाराब पीकर घर आ जाते है। घर का और खेत का सारा काम महिलांए करती है, सबको खाना खिलाती है सबकी सभाल करती है। चाहे सामाजिक क्षेत्र मे देख लो, चाहे सर्विसेज के क्षेत्र मे देख लो, महिलाए किसी भी क्षेत्र मे पीछे नही रही लेकिन सि सबके बावजूद जिनती दुखद हालत समाज मे महिला की है उतनी समाज के अंदर किसी और की नही है। मै कांग्रेस पार्टी का आाभार प्रकट करती हू कि महात्मा गांधी के समय से लेकर आज तक और

राजीवं गांधी जी के प्रयासो से पंचायती राज के द्वारा महिलाओ के लिए काफी सुविधाये आती रही। राजीव गांधी जी के प्रयासो से पंचायती दुरूस्त करके उन्होने तीसरा हिस्सा कानूनी तौर से पचायते मे महिलाओ को दिया। इसके जरिए नमे काफी जागृति आई। सिर्फ ये भाई लोग महिलाओ के काम के दखल देना बंद कर दे तो वह सोनिया गांधी जी की आवाज सुनते है और पार्लियामैट मे जब तीसरा हिस्सा देने की बात चलती है तो इन भाईयों की नींद खत्म हो जाती है। वैसे होना तो आधा हिस्सा चाहिए। माफ करना जितने मैम्बर्ज आफ पार्लियामेंट है या विधान सभा के मैंबर है वे नही चाहते कि इतने सीटे महिलाओ की बढ जाए, दिल से कोई नही चाहता। अभी तक महिलाओ के बारे मे समाज मे भी नही सोचा, नही तो पैदा होने से पहले लडकी की हत्या हो ही नही सकती थी। अकेली महिला कभी ऐसा नही कर सकती। महिला तो डर से अपने को बसाने के लिए या अपने को बचाने के लिए वे कदम ठाती है क्योंकि उस पर लडका पैदा करने का प्रै ार होता है। (विघ्न)

श्रीमती अनीता यादवः स्पीकर साहब, महिला के लिए ऐसी सिचुए ान कैसे पैदा हुई कि वह अपने को बचाने के लिए ऐसा करती हो। (विघ्न)

Mr. Speaker: Alright, please sit down.

श्रीमती प्रसन्नी देवीः मै यह कह रही हू कि अकेली महिला की कुछ बात नही है चाहे उसको 5 बारे, 1 बार गर्भ

गिराने की नौबत आए उसे गिराना पडता है, अपनी जान को कोई खोना नही चाहता। उसने जीना चाहा, समाज मे रहना चाहा तो उसने ऐसा किया। पुराने जमाने मे जब परिवार नियोजन के साधन नही होते वे तब 10–10, 9–9 लडकियो पैदा होती चली जाती थी और तब तक होती चली जाती थी जब तक लडका पैदा नही होता था। क्योकि वे ये तकलीफ उठाती थी क्योंकि समाज इस चीज को पंसद नही करता था। मै यह समझती हू कि आज भी अगर भाई ये सोचकर चले कि हमने महिलाओ को पूरा सम्मान देना है तो वह नौबत नही आ सकती। यह बात ठीक है कि बहन किरण ने कहा था एंकी नौबत भी आएगी कि वोट के वक्त लोग कहेगे कि वोट तब देगे तक भाादी कराओगे, तो ऐसी नौबत भी कभी न कभी आएगी। लडकियो की तादाद जितनी घटती जाएगी उससे रेप के केस बढते जाएगे। इन चीजो को कोई नही देखता कि इससे महिला कितनी दुखी होती है। सरकारी तौर पर या कानूनी तौर कितने सदस्यो ने जो मेरे भाई यहां बैठे है मुझे बताये कि अपनी बेटियो के नमा कितनी जायदाद और मकान करवाये है। कानून तो हमने बना दिया। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने बजट के अंदर सर्विस के लिए तो 33 प्रति ात आरक्षण महिलाओ को मरने से बचाना है तो उन्हे बराबरी का हक देना होगा। अगर उनको समाज मे जिन्दा रखना है तो 33 प्रति ात की बजाए 50 प्रति ात आरक्षण देना चाहिए। जिससे महिलाए बेटी पैदा करने से डरेगी नही क्योंकि उसको पता होगा कि चाहे उसके चार बेटिया हो जाए उसको सर्विस तो मिल ही जाएगी।

श्री अध्यक्षः बहन जी, फिर तो ऐसा कर देते है कि पांच साल तक सारी औरतो का राज हो जाए और 5 साल सारे आदमियो का राज हो जाए।

वित मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायट सर। अध्यक्ष महोदय, फिर तो एक बिल भी पास नही होगा।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, यह इनका ख्याल है जितनी एकता महिलाओ मे है उतनी पुरूशो मे नही है। मै 22 साल तक हरियाणा स्टेट कांग्रेस पार्टी की महिला अध्यक्ष रही हू । मेरी एक टेलीफोन की काल पर सारी महिला इकट्ठी हो जाती थी। (ाोर एवम व्यवधान) मैने तो वह दिन भी देखे है जब वोट मांगने जाते थे तो गांव की चोपाल पर भी नही चढने देते थे। हम नीचे ही प्रोग्राम करके चले आते थे और अगर किसी साथ लगते गांव, अपनी ससुराल का गांव नही, उससे साथ लगते गांव मे अगर भाई और बहनो कह दिया तो बात बनाते थे कि ये तो अपने देवर जेठो को भी भाई साहब कहती है।

ि ाक्षा मंत्री श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जैसा कि यहां नीक झांक भ्ाुरू हो गई है इस बारे मे मै यह कहना चाहता हू कि हम आह भी भरते है तो हो जाते है बदनाम, वो कत्ल भी करते है तो चर्चा नही होती।

Mr. Speaker: Parsanni Ji, Please wind up.

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, अगर हम कानूनी तौर पर और सामाजिक तौर पर महिलाओ को सहूलियत दे तो कोई भी महिला बेटी की मां बनने मे डरेगी नही। अध्यक्ष महोदय, कोई भी आदमी संतान को मारने के लिए तैयार नही होती, यह तो उनकी मजबूरी होती है। मै हाउस से एक प्रार्थना करना चाहती हू कि अगर वाकई इस रेजोलू ान के जरिए कानूनी तौर पर इस बात को लाना चाहते है तो आप खुले दिल के साथ महिलाओ की मदद कीजिए, नही तो महिलांए यहां देखने को नही मिलेगी और फिर समाज कहां से चलेगा।

Mr. Speaker: Before partitionof the conntry, there was a cutom कि बगांल से महिलाए को खरीद कर लाते थे।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, भाास्त्रो मे भी यह बात है कि महिला और पुरूश गाडी के दो पहिए है। समाज को इसके प्रति ध्यान देना चाहिए। आपने मुझे बोलने के समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री मती गीता भुक्कल (कलाय, एस0सी0): स्पीकर साहब, मै आपका धन्यवाद करती हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। इस सदन मे लिंग अनुपात से असतुलन पर चर्चा चल रही है और यह एक गहरी चिन्ता का विशय है। महिला स ाक्तिकरण का बोलबाला बडे जोर भाोर से सारे वलर्ड मे भाुरू हुआ है। दूसरे महिलाओ के बढते हुए लिंग अनुपात की चिन्ता है। वह बहुत गहरी सोच का विशय है। मै कहना चाहती हू कि जो भी

इस विशय पर बहस हो, वह न केवल सैमीनार तक या इस हाल तक सीमित रहे बल्कि समाज के हर वर्ग, हर घर, हर परिवार और हर व्यक्ति तक जानी चाहिए। मै सदन मे एक बात कहना चाहूगी कि वैसे तो महिलाओ, हमारी बच्चियो और लडकियो के बारे मे कोई सोचता नही लेकिन एक दिन ऐसा होता है जब उनकी बहुत ज्यादा खोज की जाती है वह दिन होते है नवरात्रो के दिन कन्याओ के चरण पूजने के लिए मोहल्ले मे एक खोज भुरू हो जाती है कि किस किस के घर लडकी है, लडकी ले आओ, हमने उनकी पूजा करनी है। मै कहना चाहूंगी कि जिस तरह नवरात्रो मे ये कन्याएं पूजनीय है उसी तरह उनकी हमे ाा के लिए पूजा की जानी चाहिए। जिस तरह से भगवान ि ाव ने कहा था कि बिना भाक्ति के वह भाव के समान थे उसी तरह से यह समाज भी बिना महिलाओ के भाव के समान है इसलिए उनके पूरा हिस्सा नही तो कम से कम बराबर का हिस्सा जो जपर मिलना चाहिए। हमारी सरकार लिंगानूपात पर गहरी चिन्ता व्यक्त कर रही है। इस पर अकू ा लगाने के लिए पूर्व प्रजनन निदान तकनीक अधिनियम का 1994 मे समुचित सं ाोधन किया गया है। कानून तो बहुत से बनते है लेकिन जरूरत है कि नुकी सख्ती से इम्लीमैंट किया जाए। जरूरत है कि हर कदम को सख्ती से लिया जाए। जिस तरह से हमारी सरकार ने इस पर गहरी रूचि व्यक्त की है, यह वाकई मे हीएक गम्भीर सम्सया है। हरियाणा के हिसाब से देखे तो हरियाणा मे लिगानूपात संसार के किसी भी सभ्य क्षेत्र मे जहां जनगणना होती है उसमे सबसे कम है। यहा 1000 पुरूशो के

मुकाबले 861 महिलाएंहै। आने वाली पीढी मे 0 से लेकर 6 वर्श तक के बच्चो मे देखे तो यह संख्या केवल 819 रह जाती है भाहरी क्षेत्र मे वह संख्या 806 है और ग्रामीण क्षेत्र मे 823 है और यह बहुत ही चिनता का विशय है। जहां तक ग्रामीण क्षेत्रो की बात होती है, 1781 ऐसे गांव है जहां 0 से 6 वर्श तक के बच्चाो मे लिगानुपात 750 से भी कम है यानि 25 प्रति ात से अधिक लडकियो का अभाव है। 4168 गांव ऐसे है जहां 850 से भी नीचे लिंगानुपात है अर्थात 15 प्रति ात लडकियो का अभाव है। केवल 1570 ऐसे गांव है जहां 900 से अधिक लडकियां है। यह लिगानुपात गिरने का मूल कारण पुरूश प्रधान समाज मे महिलाओ को उचित स्थान न मिलना है। आने वाले समय मे कानून और व्यवस्था मे वि ोशकर महिलाओ के प्रति अपराधो की संख्या बहुत बढ रही है। अदें ाा है कि जिस तरह से लिंगानूपात मे कमी आती जा रही है उसी तरह से अपराधो की संख्या बढती जा रही है। अभी यहां चर्चा की गई खासतौर मे ग्रामीण इलाको मे बहुत दिक्कत आ रही है यह सोचने और विचारणीय योग्य बात है कि जिन क्षेत्रो मे हम आते है, वहां सामाजिक संतुलन बिगड रहा है क्योंकि भादियो के लिए बडी दिक्कत आ रही है, लडकियोनही मिल रही है। बडा ही विचारणीय विशय है कि इसी तहर से अगर लडकियो की संख्या मे कमी होती गई तो हमारा सामाजिक संतुलन बिगड सकता है और किसी भी हरद तक जा सकता है। इससे क्राइम रेट बढ सकता है इसिलए इसे हमे पूर्ण गम्भीरता के साथ लेना चाहिए। इस सामाजिक बुराई को दूर करना पूरे समाज

की हर व्यक्ति की जरूरत है। हमारे हरियाणा मे एन0जी0ओ0एस0 को काफी इग्नोर किया जाता है यह काफी इग्नोर सैक्टर रहता है। एन0जी0ओ0एस0 के माध्यम से वोल्यट्री ओर्गेनाइजे ान के माध्यम से, सो ाल एकटीविटीज के माध्यम से या वकेर्ज के माध्यम इस समस्या का हमे निदान करना चाहिए। इस समस्या को हमे हर घर तक पहुचांना चाहिए। इसके लिए बहुत सी सस्थाए ऐसी है, जैसे रेड क्रास है, बाज कल्याण है, भारतीय ग्रामीण महिला संघ है जो कि जिला परिशद के अधीन आती है डी0सी0 इसका चेयरमैन होता है। मेरी गुजारि ा है कि इस तरह की जो सस्थाए है उनकी बागडोर किसी सो ाल एक्टिविएटस या एन0जी0ओ0एस0 के हाथ मे होनी चाहिए ताकि इस समस्या का पूरी तरहसे निदान किया जा सके। जैसा कि मैने अभी भाुरू से बात की, हमारी सरकार इस विशय पर बहुत ज्यादा चिन्तत है। बहुत से कदम हमारी सरकार ने उठाए है, इसके लिए हमारी सरकार ने और मुख्यमंत्री चौ0. भूपेन्द्र सिंह हुडा जी बधाई के पात्र है। हमारी सरकार ने इसकी गंभीरता को समझते हुए एक प्रोत्साहन योजना भाुरू करने का निर्णय लिया है जिसके तहत दूसरी लडकी के पैदा होने पर उसके माता पिता के नाम ज्वांयट एकाउट मे यह पैसा जमा होगा, यह बहुत अच्छी बात है। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने इंदिरा गांधी प्रिय द र्ानी भागुन योजना भाुरू की है जिसमे गरीब लडकी की भाादी के समय अब 5100 रू0 की बजाय 15000 रू0 भागुन के रूप मे दिया जायेगा। हमारी सरकार ने इसमे तीन गुणा बढौतरी की है। इसके लिए मै मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हू। इसके अलावा एक

बहुत अच्छी योजना सर्वोतम माता की हमारी सरकार ने भाुरू की है। जिस तरह से हमारी सरकार ने इन सभी समस्याओ को गम्भीरता से लिया है। मुझे आ ाा है कि जल्दी ही इनमे सुधार होगा और हमारा प्रदे ा लिंग अनुपात के अन्तर सबसे आगे है। उसमे कमी आयेगी। अध्यक्ष महोदय, इस सामाजिक संतुलन को सुधारने के लिए लोगो की मानसिकता मे बदलाव की जरूरत है कि लडके और लडकी के भेदभाव को खत्म करे। इस समस्या का समाधान किसी एक व्यक्ति या केवल सरकार के प्रयासो से सभंव नही होगा सभी को मिलकर इसे दूर करने के लिए प्रयास करने की आव यकता है। हमारे लोक सम्पर्क विभाग द्वारा बुराई के बारे मे हर गांव मे, हरगली मे जाकर प्रचार करने की आव यकता है। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा मे बहुत सी अल्ट्रासाउड म ाीने लगी हुई है उनके बारे मे महिलाए कहती है कि उन्हे ज्ञान नही था कि लिंग जांच कराना कानूनी जुर्म है।इसलिए मै कहूगी कि जहां भी अल्ट्रासाउड म ाीने लगी है वहां मोटे मोटे अक्षरो मे लिखा नही है उनको भी पूरी जानकारी मिलनी चाहिए ताकि वे अपने घार वालो को कह सके कि हम जांच नही करवायेगी यह कानूनी जुर्म है। अध्यक्ष महोदय, इस समस्या का मेन कारण यह है कि हमारे यहां साक्षरता की बहुत कमी है पुरूश साक्षरता 75.04 प्रति ात है और महिलांए 49.3 प्रति ात साक्षर है यानि 25.74 प्रति ात का अंतर है। इसी कारण यह समस्या बढ रही है। इसलिए मै सरकार से अनुरोध करूंगी कि सरकार महिलाओ की ि ाक्षा पर जोर दे ताकि इस समस्या से निदान पाया जा सके। हम महिलाओ को

ि ाक्षित करके ही इस समस्या का समाधान कर सकते है और जो सैक्स रे ाो मे असुंलतन आया है उसमे जल्दी से सुधार किया जा सकता हैं अंत मे अध्यक्ष महोदय, मैै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्री धर्मबीर गाबा गुडागांवः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि अपने मुझे भी लिंग अनुपात के बारे मे चर्चा के लिए समय दिया है मै डाक्टर भारद्वाज का भी धन्यवाद करूगा कि उन्होने एक सजीदा मसले की तरफ हम सबका ध्यान आकर्शण किया। यह बहुत गंभीर समस्या है। इसका हम मजाक नही उडा सकते इस बारे मे हम सबसे संजीदगी से सोचना होगा। हमारे यहां यह समस्या इतनी गहरी है कि पिछले निदो जब श्रीमती सोनीया गांधी जींद मे आई थी उस समय उनसे इस बात का जिकर करना पडा थां। यह एक गंभीर समस्या है। इस बारे मे हमे किसी को जिम्मेवार नही ठहराना चाहिए कि पुरूश जिम्मेवार है या महिलाए जिम्मेवार है बजाय किसी को जिम्मेवार ठहराया जाये क्या हम राजाराम मोहनराय और स्वामी दंयान्नद जी की तरह काम नही कर सकते। यह समस्या आज से नही है बहुत सालो से है मुझे याद है कि मैने किताबो मे पढा है। मै बताना चाहूंगा कि एक दिन सुबह सुबह राजाराम मोहन राय घुमने के लिए गये थे। रास्ते मे उन्होने एक 15 साल को लडकी की ला ा के पास बैठे रोते हुए देखा। उसने वहां इकठ्ठे लोगो से पूछा कि यह क्यों रो रही है तो किसी ने बताया कि इस लडकी का पति मर गया है और अब

इसको सती होना है इसने सती होना पडेगा। राजाराम मोहन राय जी को यह बात बहुत बुरी लगी और उन्होने यह समस्या हमारे समाज मे दूर की यह हम सब जानते है और कोई आदमी कहता है कि वह अपनी लडकी को नही पढाएगा। महार्शि दयांन्नद ने कहा था कि अगर समाज को अपनी कुरीतियां बन्द करनी है तो अपनी लडकियो को पढाना होगा और आज हम बडे फरख से कहते है कि हमारी लडकियो पढती है। आज हम भ्रूण हत्या के लिए किस को जिम्मेवार ठहराते है ? आज बहिन जी ने एक सवाल उठाया कि सारा समाज इसके लिए जिम्मेवार है। क्या मै यहां पर पूछ सकता हू कि जब दहेज का मसला होता है तो बहू को मारने मे सबसे आगे कौन होता है ? सबसे पहले उसकी सास का और उसकी नन्नद का बडा अहम रोल होता है। मुझे इस बात का अफसोस है कि औरत को मारने वाला हैरत है मर्द नही। क्यों किसी औरत ने आज तक वह महसूस किया है हमारी बच्चियो को क्यो मारा जाता है क्यो हम उसको मारना चहाते है ? अगर उसको खाविद के कहने से मारा भी है तो क्या उसने प्रोटैस्ट किया है कि यह भी मेरी तरह औरत है, यह मेरी तरह बहु है और मै इसको नही मारूगी, इसको जहर नही दूंगी और इसके उपर मिटी का तेल छिडक कर आग नही लगाउगी। क्या आप लोगो मे से किसी ने इसका प्रोटैस्ट किया ? क्या हमारी जिम्मेदारी नही है कि सारी कुरीतियो को हम बन्द करे ? क्या आपने हमारा साथ नही देना है? यह पहले भी होता रहा है और आज भी होगा लेकिन जरूरत है तो केवल जागृति की। मै आपसे तथा सदन से

एक सवाल करना चाहता हू कि क्या कभी किसी ने ऐसा कोई कानून बनाया कि बारात आज जाएगी और भााम को वापिस आएगी। जब हम छोटे बच्चे थे तो देखा करते थे दिल्ली से थोडी दूरी तक बारात जाती थी और तीन दिन से पहले बारात नही आया करती थी। आज बारात सवेरे जा कर भााम को वापिस क्यों आ जाती है ? इसके लिए हमने कोई कानून तो नही बनाया लेकिन हम इस बारे मे लोगो मे अपने आप जागृति आने की वजह से यह सब हुआ है। लोगो ने खुद यह महसूस किया है कि यह प्रथा गलत है और लोगो ने इस बात को स्वीकार कर लिया और नतीजा यह है कि बारात सवेरे जाती है और भााम को वापिस आ जाती है। आप यह नही कह सकते है कि गलत प्रथा है और उसको समाप्त करना चाहिए। हम इस बात के लिए एक दूसरे पर निर्भर क्यों रहते है। आप खुद उठिए और राजाराम राया बनिये, आप खुद उठिये और माहर्शि दयान्नद के नक ो कदम पर चलिए तो मै देखता हू कि यह कुप्रथा कैसे खत्म नही होती। स्पीकर साहब, मै आज फरख से कहता हू कि मेरा एक ही लडका है और लडकियो दो है। कि यह फारेन युनिवर्सिटी मे डीन है और उसकी एक ही लडकी है इस बात का न उसे कोई अफसोस है और न मुझे कोई अफसोस है घर मे एक बच्चा चाहिए और इसका कोई अर्थ नही है कि वह लडकी है या लडका है। इसी तरह से हम समझते है कि अगर ऐसा ख्याल पैदा हो जाए, ऐसी सोच हो जाए तो सब कुछ ठीक हो सकता है। जब तक हमारी यह सैक्स रे ाो ठीक नही होगी तक तक बलात्कार के केसिज बढेगे और दुनिया

की सारी कुरीतिंया समाज मे आएगी। मै यह भी समझता हू कि आज जो हमारा अनऐजुकेटिड तबका है केवल वह ही ऐसा नही करता है बल्कि एजुकेटिड तबके मे भी यही हाल है। माननीय श्री सुरजेवाला जी कह रहे थे कि कि गरीब और अमीर दोनो ऐसा करते है। अध्यक्ष महोदय, लोगो ने यह बात नही देखी यह समस्या नही देखी कि गरीब आदमी को यह सोचना पडता है कि अगर मेरे घर मे लडकी पैदा हो गई तो उसको दहेज देने के लिए मेरे पैसा कहां से आएगा। इस सोच को खत्म करना होगा। मै कसम खा कर कर सकता हू कि मेरी दो लडकिया है और एक लडका है मैने एक लडका और दो दामाद है लेकिन किसी के मन मे ऐसी कोई बात नही है।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप क्यों एक्सपलेने ान दे रहे है आपकी बात पर सब को ऐतबार है।

श्री धर्मबीर गाबाः सर, यह केवल मेरी बात नही है। मै केवल यह कहना चाहता हू कि सब लोग इस सोच पर क्यों नही चलते है। सवाल यह है कि आज जो यह समस्या है और लोगो की सोच है कि मुझे कही दहेज ने देना पडे इसलिए लडकी का कतल कर दिया जाए। मेरे कहने का अर्थ यह है कि अगर यह दहेज का मसला न होता तो भाायद यह स्थिति पैदा नही हुई होती।

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह कहना चाहती हू कि बेरोजगारी इसमे सबसे बडा मुद्दा है। इस तरह की हत्याओ मे यह सबसे बडा मुद्दा और कारण है। जो बच्चे बेरोजगार है अगर उनको कोई रोजगार मिल जाता है और भुखमरी खत्म होती है तो मै समझती हू कि वह अपनी पत्नी को पीटने या मारने का कार्य नही करेगा और न ही यह कहेगा कि तू क्या लेकर आई है और वह अपनी मां तथा बहन को भी ऐसा कहने से रोक लेगा। इसलिए मेरा मानना है कि इसके पीछे बेरोजगारी सबसे बडा मसला है। (विघ्न)

श्रीमती धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मेरा सिर्फ इतना ही कहना है कि हम एक दूसरे को इसके लिए जिम्मेवार न ठहराए इससे समस्या का कोई हल नही होगा। हम सबको चाहे नारी है या नर है यह सोच कर चलना चाहिए कि इस गलत आदत को हमे खत्म करना है और सभी लोगो को यह प्रण लेना चाहिए कि हम समाज मे फैली हुई इस कुरीति को खत्म करके ही रहेगे। स्पीकर साहब, आज मे मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

डा0 कृश्णा पण्डित यमुनानगरः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गैर सरकारी प्रस्ताव पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करती हू। आज मै श्रीमती सोनीया गाधंी जी का का और डा0 मनमोहन सिंह का धन्यवाद करती हू कि जिन्होने स्त्रियो को नौकरियों मे 33 प्रति ात का कोटा देकर समाज मे

सिर ंउंचा करके खडे होने का मौका दिया है, यह हम स्त्रियों के लिए बहुत ही गर्व की बात है।

स्पीकर साहब, जब हम सदन मे एन्टर करते है तो लिका हुआ है कि जो सदन मे आए और न बोले तो यह ठीक नही है और जो सदन मे गलत बात बोलता है वह भी ठीक नही है इन दोनो सुरतो मे ही पाप की अधिकारी है। स्पीकर साहब, गाईनोकोलोजिस्ट डाक्टर होने के नाते इस सदन मे कुछ बाते कहना चाहूंगी। आज सदन मे सभी सदस्यो ने एम0टी0पी0 को रोकने के लिए अपने विचार प्रकट किए है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से भाई डा0 भारद्वाज जी का धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होने लिंग अनुपात मे आ रहे फर्क के बारे मे सदन मे रैजोल्यू ान रखा है। आज तो 1000 लडको के पीछे 865 लडकियो का रे ाो है। यह बहुत ही दुखदायी बात है। मेरी बहन किरण चौधरी जी ने और सदन के दूसरे साथियो ने एक बात कही कि लिंग अनुपात के लिए डाक्टर को सजा मिलनी चाहिए। स्पीकर साहब, इस बारे मे मै कहना चाहूंगी कि इसमे डाक्टर्ज को सजा नही होनी चाहिए क्योंकि उसका जो अल्ट्रासाउड करना बाद कर दिया गया, यही उसके लिए आ रहे है। उन चीजो को कोई भी वर्कर, मजदूर या कोई भी दूसरा व्यक्ति कैमिस्ट की दुकान से खरीद कर अपनी पत्नी को दे सकता है। जिसके उनका गर्भपात अपने आप हो जाता है। जब ब्लिडिंग बहुत ज्यादा होती है और बंद नही होती तो वे डाक्टर के पास जाते है। अब इसमे डाक्टर

का क्या कसूर है। स्पीकर साहब, दूसरी बात मै यह कहना चाहती हू कि आज समाज सुधार की जरूरत है। आज हमारे समाज मे दहेज को लेने और देने की प्रथा बहुत ज्यादा बढ गई है लडकियो को इसकी वजह से बहुत उत्पीडन सहना पडता है। स्पीकर साहब, एक यह भी वजह है कि आज मां बाप यह समझते है कि अगर लडका होगा तो वह मां बाप की सेवा करेगा और जब वे स्वर्ग सिधार जाएगे तो लडका ही उनका क्रियाक्रम करेगा, लडकी कुछ नही कर सकती है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सी0एम0 साहब से और फाईनांस मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहूगी कि ये बजट मे दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए पैसे का प्रावधान कर ले। इनको ऐसा प्रवाधान करना चाहिए कि जो लडका एक रूपए मे भाादी करेगा और दहेज नही लेगा तो उसको सरकार की तरफ से 1,2 या 5 लाख रूपए दिए जाएगे। अगर सरकार ऐसा करगी तो लोगो को बहुत सी खु ाी मिलेगी और यह दहेज प्रथा भी खत्म होगी। स्पीकर साहब, आज हमे समाज सुधारने की जरूरत है। (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारी आरती मे एक चीज आती है कि दूसरो की जय करने से पहले अपनी जय करो। मेरा कहने का मतलब यह है कि पहले हम अपने आप को इतना काबिल बनांए कि खुद कमा सके और हमे दूसरो से मांगने की जरूरत ही न पडे। स्पीकर साहब, आज हर लडकी पढी लिखी है और वह सोचती है कि क्यों हम दहेज दे, क्यों हम इस झमेले मे पडे और क्यों हम उत्पीडन सहे। आज जो माताएं है वे यह सोचती है कि जो उत्पीडन उन्होनेसहा है क्यों उनकी लडकी सहे

और क्यो उसको गर्भपात करवाना पडे। स्पीकर साहब, आज हमे सही एजुके ान नही मिलती है। दूसरे चीज ऐसी है कि जैसे ही लडकी पैदा होती है, खासकर हमारे यहां जो अनपढ मां बाप है, उनको एक डर सा लगा रहता है कि जेसा आज समाज मे हो रहा है और अखबारो मे भी छप रहा है कि फलानी जगह पर रेप हो गया है, कही वैसा उनकी लडकी के साथ न हो जाए। स्पीकर साहब, कम से कम दिन मे 5 से 1 केसिज ऐसे होते है और भाम्र के मारे वे लोग इस बारे मे किसी को भी नही बाता पता है मै सी0एम0 साहब से रिक्वैस्ट करूंगी बच्चे को सैक्स के बारे मे बाहर से जानकारी लेते है उसकी बजाए थोडी बहुत सैक्स की एजुके ान स्कूलो मे ही बच्चो को दी जानी चाहिए तकि बच्चो को यह पता चल सके कि हमे अपने आपको किस तरह से बचाना है। स्पीकर साहब, हमारे साथी डाक्टर भारद्वाज जी ने 1000 लडको के पीछे 865 लडकियो का रे ाो दिया है। लेकिन डाक्टर साहब से पूछिए कि किस तरह से ऐसे लाचार मां बाप अपने साथ और अपनी आठ साल की बच्ची को, 10 साल की बच्ची, 15 साल की बच्ची को लेकर आते है। और बताते है कि इन्हे वहा उठा ले गए, इन्हे वहां से ले गए। उन ठेकसाद का क्या किया जाए जो ऐसे काम करते है उनके लिए अगर थोडी बहुत पनि ामैंट डाक्टर्ज की तरह से कर दे तो वह ज्यादा बैटर है ताकि उनको भी एक तरह का डर हो कि अगर हम यह कर्म करेगे तो हमे यह सजा मिलेगी। इसके बाद एम0टी0पी0 का काम खत्म हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, समाज सुधार के बार मे भी मै कहना चाहूगी। हम बाहर

के दे ाो मे भी गए है हमने वहां देखा है कि आप चाहे कहीं भी चले जाईये, हर जगह स्टोर्ज पर लडकियो काम करती हुई मिलती है क्योंकि उनको अपने आप मे आत्म निर्भर रहना सिखाया जाता है कि कैसे वे अपने तकलीफो का सामना कर सकती है। हर घर मे वहां पर यह लिखा जाता है कि वे कैसे सुरक्षित रहे। लडके तो उनके बाहर रहतें है लडकियो घरो मे रहती है उनके घरो मे लिखा जाता है अगर आपको कोई तंग करता है या कोई कुछ कहता है तो 100 नम्बर घुमाओ उसी वक्त पुलिस आ जाएगी। इस तरह से मुख्य रूप से तो हमे समाज मे सुधार लाना चाहिए ताकि उनको यह लगे कि हमे सुरक्षा मिल सकती है और हमारा जो आने वाला भविश्य है वह ठीक रहेगा। अगर हम अपनी एजुके ान का स्तर उपर ले जाएगे और यदि हम उनको अच्छी ऐजुके ान देगे तो उसके बाद काफी हद तक लिंगानुपात जैसे बातो पर और जो एम0टी0पी0 होती है, उनमे काफी कमी जा जाएगी। अध्यक्ष महोदय, जैसे हमारी एक बहन ने बताया कि मदर हायर कर ली जाती है सोरोगैटेड मदर्ज को लाकर उनको 70 हजार या 80 हजार रू0 तक दिये जाते है। अगर ऐसा हो रहा है तो इससे क्या बच्चो मे संस्कार आएगे औ क्या वे बच्चो मे संस्कार भरेगी ? मै सरकार से गुजारि ा करूंगी कि ऐसे कदम जरूर उठाए जाए जिससे लडकियो का सुधार हो। आदरणीय ि ाक्षा मंत्रीजी से मेने पहले भी एक बार रिक्वैस्ट की थी क्योंकि वैसे तो देखने मे यह मसला अलग लगता है लेकिन हमे सैक्स एजुके ान को स्कूलो मे भाुरू करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप देखिए कि 13 साल, 14

साल या 15 साल की बच्ची को कुछ पता ही नही होता है। यमुनानगर मे आई0टी0आई0 बिल्डिंग की दीवार और हमारे घर की दीवार एक साथ लगती है। मेरा घर उसके साथ ही है वहां पर 10 बजे या 11 बजे तक हमने कई बार देखा है कि लडकियां अपने दूसरे कपडे पहनकर आती है और वहां लडके दो दो घंटे उनको लिए बैठे रहते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको यह असलियत बता रही हू क्योंकि यहा पर सच्ची बात कहने के लिए लिखा गया है। घरो मे लडकियो आती है उसके बाद अपनी यूनीफार्म बदलकर अपने घरो मे चली जाती है तो यह हमारे लिए और हमारे बच्चो के लिए बहुत ही खराब बात है। अध्यक्ष महोदय, उन गरीब आदमीयों के लिए जो हमारे तक या सरकार तक पहुच नही सकते है और जिनके साथ इस तरह का दुर्व्यवहार होता है उनके लिए कुछ न कुछ जरूर किया जाना चाहिए। जैसा माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो लडकियो के लिए दिया है वह बहुत ही अच्छी बात है इससे हमार सिर फरख से उंचा हो जाएगां लेकिन मै यह बात भी जरूर कहना चाहूंगी कि इतनी ही चीजे वह हमे और दे दे कि जिन्होने रेप किया है, जिन्होने लडकियो का बलात्कार किया है या जिन्होने लडकियो के साथ छेडछाडी की है, उनके लिए कडी से कडी सजा का प्रावधान किया जाए और उनके लिए अधिकारियो को इस्टरक ांज दी जाए कि वे बख्भो नही जाए। ये सारी चीजे करने के बाद जैसे ही हम सामाजिक सुधार लांएगे वैसे ही इन बातो मे फर्क आना भुरू हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, सी0एम0 साहब, को एक और मैने अर्ज की है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको

सच्चाई बता रही हू लोग छोटी बच्चियो को सिनेमाघर मे ले जाते है, बाक्सिज म`ले जोते है क्यों कि उनमे यह धारणा है कि जो हमारे वनीरियल डिसिज है वे सारी उससे खत्म हो जाती है। इस वजह से उनका भाोशण किया जाता है। डाक्टर उनको ऐग्जामिन करने के बाद उनको यह भी नही बता सकता कि क्या हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इन हालत मे आप बताइये कि क्यूं नही इनके मां बाप कहेगे कि भ्रूण हत्या हम करवाएगे ? क्योंकि समाज मे लडकियो के साथ जो होता है उसकोवे सहन नही कर सकते और न ही उसको खत्म कर सकते है इसलिए आज समाज को बदलने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय अतः मे मै आपका धन्यवाद करती हू कि आपने मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया। लेकिन ये सारी बाते असल मे होती है इसलिए मै आ ाा करती हू कि मुख्यमंत्री जी इस बारे मे जरूर कुछ न कुछ करेगे ताकि इस बुराई को दूर किया जा सके। स्पीकर साहब, अन्त मे आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्रीमती रेखा राणा घरोडाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मुख्यमंत्री जी से यह पूछना चाहती हू कि आज सदन मे चर्चा का विशय नारी क्यों रही ? आज तो नौकरियो मे 33 परसैट आरक्षण मिलने के बाद उसका आदर बढ गया है। अगर आज भी नारी स्ट्रिक्ट नही होती है तो समाज कैसे सुधरेगा? अध्यक्ष महोदय, हमे पैदा होते ही मां की जरूरत होती है, मां अगर पढी लिखी होती है तो वह गाईड करती है, बच्चे को स्टैड करती है

और समाज मे सुधरने का मौका देती है समाज को अगर हम नही सुधारेगे तो कौन सुधारेगा ? सबसे बडी कमी मां की होती है जो नारी के अंदर ऐसे गुण भरती कि अपनी रक्षा अपने आप कर सके। आज के समाज मे वह दबी नही है स्वंतत्र दे ा मे एक नारी को पूरा अधिकार है, उसे अपने अधिकार लेने होगे, अधिकार मिलते नही है, लिए जाते है। समाज मे जीने के लिए हमे अपनी हिम्मत और दम की जरूरत होती है। अपने अधिकार लेने की जिनमे हिम्मत नही है वे मैरे साथ आए मै उनको उनके अधिकार दिलाऊगी। जय हिन्द।

श्रीमती सुमिता सिंह करनालः स्पीकर साहब, सबसे पहले मै डाक्टर ि ाव भाकंर भारद्वाज को बधाई देती हू। जो इतने संवेदन ाील विशय के ऊपर लिंगानुपात के बारे मे रैजोल्यू ान लाए है यह बहुत चिंता का विशय है कि हमारे कुछ साथी इसको समझ नही रहे है व मजाक मे लेते रहे है यह बहुत ही दुख की बात है हरियाणा मे लडकियो की संख्या मे कमी होती जा रही है हमे इस पर चितन करना चाहिए। वह सोचकर दिल दहल जाता है कि आने वाल समय मे जब लडकियो कम हो जाएगी तो क्या हम महिला स ाक्तिकरण करेगे? यो जो हम हर बात मे 33 प्रति ात और 50 प्रति ात आरक्षण की बात करते है उसका क्या फायदा है ? आज इस बारे मे जागरूकता लाने की जरूरत है। मै अपने भाईयो से कहना चाहूंगी कि यह बहुत चिंता का विशय है इस पर ध्यान दे यह जो हमारी अल्ट्रासांउड म ीने है या सैक्स

डिटरमिने ान टैस्ट है इसके बारे मे हम पिछडे से पिछडे इलाके की महिला को भी पता है। मै एक ऐग्जाम्पल देती हू। मेरे घर काम करने वाली एक महिला थी उसकी दोनों आखे खराब हो गई उसको मै डाक्टर के पास ले गई डाक्टर ने उसका स्ट्रांग एटीबायोटिक्स लिख दी तो वह बोली कि मै यह एंटीबायोटिक नही खांऊगी क्योंकि मैने टैस्ट करवाया है मेरे पेट मे लडका है। उसकी दोनेा आंखे खराब हो गई लेकिन उसने दवाई खाने से मना कर दिया। अब जो कानून इस बारे मे बना है यह काफी सख्त कानून है मै स्वास्थय मंत्री से जानना चाहूंगी अखबार मे रोजाना हत्या के केसिज आते है उनमे गिरफतारियां भी होती है, सजा भी होती है लेकिन डाक्टर जो रोजाना ऐसा काम करते है उनको कोई सजा नही दी जाती। इससे महिलाओ के साथ जितना ज्यादा अन्याय होता है। इसके अलावा जो डौमैस्टिक वायलैस है यह पहले गरीब घरो मे होती थी लेकिन आज कल ये बडे बडे घरो मे होती है। बल्कि उनमे डौमैस्टिक वायलैस के केसिज ज्यादा मिलेगे। जहां तक दहेज की बात है बहुत गी दुख और अफसोस होता है कि हमारे लडकियो की भाादी करने के लिए इतना दहेज दिया जाता है उकसा परिणाम यह होता है कि लिंग अनुपात सैक्स डिटरमिने ाल टैस्ट आदि। हम चुने हुए नुमाईदे है और हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने हल्के मे, अपने एरिया मे, इसके प्रति लोगो को जागरूक करे कि इस प्रकार का टैस्ट नही होना चाहिए क्योंकि आज लडकिया हर क्षेत्र मे आगे है, सक्षम है, अपना घर चलाने के लिए सक्षम है मुझे खु ाी हुई सुरजेवाला जी

ने कहा कि मैने अपनी प्रोपर्टी अपनी पत्नी के नाम करा दी है। जब ये बात बोल रहे थे तो एक दो भाईयो ने यह बात कही कि क्यों हम मरवा रहे हो, हम लोगो की यह सोच है। अगर ऐसी बात हो रही है तो हमे अपनानी चाहिए। (विघ्न) अब मेरे माननीय साथी खु ा हो रहे है लेकिन एक साल ऐसा आयेगा जब कल को ये अपने बेटो की भाादी मे दहेज देगे और हाथ जोडकर पैर पकडकर कहेगे कि हमारे लडके की भाादी कर दो, हम सारी प्रापर्टी तुम्हारे ना करा देगे। मै अपनी उन बहन बेटियों को बधाई देती हू जिनको गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया जाता है फिर भी वे गर्भपात नही कराती। ऐसी बहन बेटियो आज भी हमारे समाज मे है। मै माननीय मुख्यमत्री जी का आभारी हू जिन्होने ि ाक्षा विभाग की नियुक्तियो मे 33 प्रति ात रिजर्वे ान महिलाओ का किया है। मै उनसे यह भी मांग करूंगी कि बाकी की भी जो नियुक्तियां है उनमे भी महिलाओ का आरक्षण किया जाये। इसके लिए हम सारी बहने और महिलांए आपकी आभारी होगी। स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, धन्यवाद।

श्रीमती राज रानी पूनम असंध, एस0सी0: स्पीकर साहब, सबसे पहले मै डाक्टर ि ाव भाकंर भारद्वाज को बधाई देती हू। जिन्होने यहां पर यह प्वायंट उठाया उनको मै बधाई देती हू क्योंकि वे वाकई ही बधाई के पात्र है आज हमारे समाज मे भ्रूण हत्या का दोशी महिलाओ को ठहराया गया है लेकिन यह बिल्कुल गलत है इस गलती को करने वालो मे पुरूश समाज भी भाामिल

है। इसमे केवल महिला ही गलती नही है। महिला अकेली अस्पताल मे इस सबंध मे भ्रूण हत्या के लिए कभी नही जायेगी और न ही गई है। इसमे पुरूश की सलाह होती है, सारे घर वालो की सलाह होती है तभी वह अस्पताल मे जाती है ऐसे ही नही जातीै जब मे स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने पचायतो के माध्यम से महिलाओ को अधिकार दिया तब से महिलाएं अपने आपको आजाद समझने लगी है। आज महिलांए सरपंच है, ब्लाक समिति की मैम्बर, प्रधान है जिला परिशद की मैम्बर और प्रधान है, यहां तक कि एम0एल0ए0 मंत्री डाक्टर पायलट सब कुछ है। आज हम महमे मे महिला कर्मचारी कार्यरत है। कही भी महिलाएं पीछे नही है। जैसे हमारे दे ा मै हमारे माननीय कर्मचारी कार्यरत है। कभी भी महिलांए पीछे नही है। जैसे हमारे दे ा मे हमारी माननीय श्रीमती इन्दिरा गाधंी जी प्रधानमंत्री बनी और उसके बाद उन्होने हर गरीब लडकी का सबसे पहले ध्यान रखा था। ऐसे ही आज भी हमारी वही कांग्रेस की सरकार आ गई है जो हर गरीब लडकी का पूरा ध्यान रखेगी। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी तो सबसे पहले यह कह चुके है कि गांव मे कोई महिला परे ाान ही होगी। उनकी भौचालय की समस्या सबसे बडी समस्या है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने सबसे पहले गांवो मे महिलाओ के भौचालयो बनवाने का अदे ा दिया है। हम अपने माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देते है कि उन्होने बहुत अच्छे काम किए है। 5100 रू0 की रा ि ा जो कन्यादान के रूप मे मिलती थी उन्होने बढाकर 15 हजार रू0 करने का सराहनीय काम किया है। हमारे पुरूश यदि यह कहे कि

इसमे महिलाओ की कमी बिल्कुल नही है। हम यह मान कर चले कि इसमे किसी की भी गलती हो सकती है। दोनो यानि पुरूश और महिला की हो सकती है। दोनो की फिफटी जिम्मेवारी है मै तो बहनो को यह कहूंगी कि कोई भी बहन भ्रूण हत्या उठाती है तो उनको अव य सजा मिलनी चाहिए क्योंकि यदि कोई पुरूश गलती करता है तो हम भी उनको सजा दिलवाते है इसलिए यदि कोई बहन गलती करती है तो वह सजा की पात्र है स्पीकर साहब, आपने मुझे इस प्रस्ताव पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हू।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र ंसिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि सभी ने यहां चर्चा की है, मै एक दो बाते सदन मे जरूर बताना चाहूंगा। महिला स ाक्तिकरण का जहां तक सवाल है, हरियाणा सरकार पूरी तहर से सचेत है और हमारा पूरा प्रयास है कि महिलाओ, बहनो और बेटियो को हम बराबर मे लांए। महिलाओ मे अवेयरनैस की यहां बात की गई। एक तो मेरे सभी माननीय साथी यहा बैठे है मेरा उनसे निवेदन है कि हम हैल्थ मकहमे के द्वारा अवेयरनैस वर्क ाप जो लगाएगे, हमारी बहन जी बता देगी। उनमे सबसे पहले विधायको को बुलाएगे ताकि वे लोग पी0एन0डी0टी0 एक्ट के बारे बताएं। हमने दूसरी कई स्कीम बनाई जिनकी यहां चर्चा की गई जैसे इन्दिरा गांधी के नाम से कन्यादान रा ि ा की स्कीम है या कोई और भी स्कीम है। हमने फैसला किया है वूमैन कोपरेटिव डिवैल्पमैट बैक बनाएगे जिसमे महिलाओ

की एम्पलायज होगी और पूरे प्रदे ा मे महिलाओ ही बैनीफि ारीज होगी। हमने रजिस्ट्रै ान फीस मे घटोतरी की है जो कोई महिला के नाम कोई प्रापर्टी करेगा तो औरो के मुकाबले 2 प्रति ात कम उसकी रजिस्ट्रै ान फीस लगेगी। बच्चे के जन्म से ही एक और कार्यक्रम प्रदे ा मे हम ला रहे है जिसमे 1000 पोपुले ान के पीछे एक लिंग वर्कर होगा। हर पचांयत पांच हजार रू0 रखेगे क्योंकि जब कभी भी किसी महिला की डिलीवरी का समय होता है उस समय तकलीफ होती है तो वह वर्कर गाडी लेकर और गाडी का किराया लेकर उस महिला को होस्पिटल तक ले जाए। हम चाहेगे जितने जन्म बच्चो के हो वह अस्तपाल मे हो ताकि उस समय कोई भी प्रोब्लम न आए जैसे सैपटिक वगैरह, उससे बचा जा सके। इस प्रकार उस समय उसी वर्कर की जिम्मेवारी होगी कि वह गाडी लेकर और किराया लेकर जाए और बच्चे का जन्म हस्पताल मे ही हो।

13.00 बजे

उसको बाद जो बच्चे के रख रखाव की बात है, उसकी सेहत की बात है उसका भी ध्यान रखा जाएगा। मैने स्वास्थय मंत्री जी से इस बारे मे चर्चा की है। हर बच्चे का हैल्थ कार्ड बनेगा। क्योकि यह पाया गया है कि देहात मे बच्चो की सेहत की तरफ वि ोश ध्यान दिया जाता है और जो लडकिया अनीमिक हो जाती है उनकी तरफ वि ोश ध्यान दिया जायेगा। हर बच्चे का तीन महीने मे चैक अप होगा। और हैल्थ कार्ड मे उसकी इंटरी की

जायेगी। इसके अतिरिक्त मै पूरे सदन को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि हमारी सरकार यह भी विचार कर रही है कि घरो के बिजली कनैक ान यदि घर की महिला के नाम पर होगा तो उसमे 10 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिल मे छूट दी जायेगी।

श्रीमती अनिता यादव (साहलावास): अध्यक्ष महोदय, डाक्टर ि ाव भाकंर भारद्वाज जी ने जो प्रस्ताव रखा है मै उस पर अपने विचार प्रकाट करने के लिए खडी हुई हू। मेरे से पूर्व वक्ताओ ने अपने अपने वक्तव्य दिए है मेरा भी यह मानना है कि एक तरफ तो यह कहा जाता है कि जहां स्त्रियो का सम्मान होता है वहां देवताओ का वास होता है दूसरी तरफ यह कहा जाता है अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहनी, आंचल मे है दूध और आखो मे पानी।

अध्यक्ष महोदय, महिलाओ मे साथ अत्याचार आज से नही पहले से ही चले आ रहे है और पहले तो महिलाओ को जिंदा जला दिया जाता था और महिलाओ ने इसका मुकाबला भी किया है। हम सब जानते है कि जीजा बाई, सरोजनी नायडू, गागरी, झांसी की रानी जैसी महिलांए हमारे दे ा मे पैदा हुई है उन्होने अपनी लडाई खुद लडी थी। जहा तक देवताओ का सवाल है सीता पार्वती जैसी महिलांए भी हमारे दे ा मे पैदा हुई है। जहां तक मोहमडंज की बात है इसमे कई जगहो पर पर्दा प्रथा अभी भी हैं। मोहमडंज मे यदि महिला पर्दा नही रखती तो उसे सजा दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो महिलाओ 33

प्रति ात के आरक्षण की बात राजीव गांधी जी के पंचायती राज मे कर रहे है। और दूसरी तरफ आज भी मोहमडंज मे महिलाओ के लिए पर्दा प्रथा की बात की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, लिग अनुपात के बारे मे मेरी बहन ने कहा कि इसमे औरतो की कोई गलती नही है लेकिन मेरा इसमे मानना है है इसमे औरतो की भी गलती है जब लडका भाादी करके घर मे बहू लाता है तो सास का सबसे पहले ताना बहू को यह होता है कि ते क्या दहेज लेकर आई है? तू तो कम दहेज लेकर आई है तूने तो समाज मे हमारी नाक कटवा दी। इस तरह से सास विधायक है, हम सबको अपने भी सदस्य हम यहां बैठे हुए है। वि ाशकर जो लेडी विधायह है, हम सबको अपने अंदर टटोल कर देखना चाहिए और सभी को प्रण लेना चाहिए कि हमारे चाहे एक बच्चा है या दो बच्चे है, चाहे वे लडके हो या लडकी हो हम उन्ही से संतुश्टी करेगे और उनकी भाादी मे न दहेज लेगे और न ही दैगे। यदि हम ऐसा करते है तो आधी समस्या का समाधान तो यही हो जायेगा। मै हरियाणा काग्रेस की अध्यक्ष रही हू। मै बहन सुमिता जी को सुझाव देना चाहती हू कि महिला कांग्रेस की हरियाणा विंग की तरफ से महिला जागरूक अभियान के तहत वर्क ाप हर ब्लाक मे और हर गांव मे चलाई जाये जिसमे लिंग अनुपात के बारे मे महिलाओ को जानकारी दी जाये ताकि महिलाओ मे जागृति आये और इस समस्या का समाधान हो क्योंकि गांवो मे ही दहेज के मामले बढते है ज्यादातर गावों मे ही लडके और लडकी मे अतर समझ जाता है। गांवो मे मां खुाद यह कहती है कि बेटी तम तो स्कूल ड्रैस

ही घर की पहन लिया कर भाई को स्कूल के अलावा और दूसरी ड्रैस भी मंगवा देते है। बेटी तू स्कूल से आने के बाद मेरी भरोटी लिवाने आ जाना और अपने भाई को पढाई करने देना। भाई को तो जेब खर्ची भी मिल जाएगी लेकिन लडकी को कुछ नही मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मै यहां पर यह बात स्पश्ट कर देती हू कि मै भाईयो को दु ामन नही हू लेकिन परिवारो मे जो होता है मै उसके बारे मे नही कह रही हू भाईयो को तो जेब खर्ची भी मिल जाती है और इसके साथमी उसको घूमने फिरने का टाईम भी मिल जाएगा। जब स्कूल जाने की बारी आएगी तो हम देखते है कि उसकी साईकिल रासते मे खडी मिलेगी और वे वहा बैठे ता ा खेलते मिलेगे। जब रिजल्ट की बारी आती है तो जिस लडकी को जिस दूध भी कम मिला, सरकारी स्कूलो की ड्रैस मिली उसने घर का काम भी पूरा किया उसके बावजूद भी उसके नम्बर सारे स्कूल मे ज्यादा आए और हमारे भाईयो मे क्या किया, ता ा खेल कर और दूसरे अनाप भानाप तरीके से अपना टाईम पास किया और स्कूल का रिजल्ट जीरो। उसके बाद कालेज बने गये तो वहां रिजल्ट जीरो या कम्पार्टमैंट भी आ गया इसके बावजूद भी भाईयो की इस नालायकी को इग्नोर कर मांए भाईयो को ज्यादा प्रोत्साहन देने की बात करती है आप अपने आप इस बात पर विचार करे। आज जब हम लोग गावो मे वोट मांगने के लिए जाते है तो ऐसी स्थिति आम परिवारो मे देखने को मिलती है और इस समस्या का समाना भी हम सभी को करना पडता है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै पंचायती राज पर अपना वक्तव्य देना चाहती हू।

आपने इसमे महिलाओ को 33 प्रति ात आरक्षण दिया है। (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारी बडी बहिन जी ने कहा आज 33 प्रति ात आरक्षण का हम महिलाओ को मिला है और यह हक लेकर हम लोग क्या करती है पंच बन गई, संरपच बन गई या एम0एल0ए0 बन गई। उसके बावजूद अगर मेरे डाक्टर साहब मेरी मोहर लेकर बैठ जाते है तो मै क्या करूंगी। किसी डोमिसाईल सर्टिफिकेट बनवाना है वा किसी का और कुछ सर्टिफाई करना है और मै उन लोगो को यह कहूं कि मोहर तो डाक्टर साहब जेब मे ले गये है इसलिए मै तो कुछ नही कर सकती हू। हमे इस स्थिति से अपने आप को मुक्त करना होगा। अगर अपने पचांयती राज को कामयाब करना है। तो खुद को इसके लिए सक्षम बनाना होगा। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहती हू कि 33 प्रति ात आरक्षण का हम हमे नौकरियो, जे0बी0टी0 के एडमि ान मे और दूसरी सस्थओ मे भी मिला है हमे अपनी बागडोर खुद ही सम्भालनी पडेगी मे दूसरी सस्थाओ मे भी मिला है। हमे अपनी बागडोर खुद ही सम्भालनी पडेगी तभी हम इस प्रथा से बच सकती है और माननीय मुख्यमंत्री महोदय से 50 प्रति ात आरक्षण जो दावा हम रखने वाला है वह हम तभी ले सकती हैं स्पीकर साहब, मंत्री महोदय, से 50 प्रति ात को जो दावा हम रखने वालो है वह हम तभी ले सकती है। स्पीकर साहब, बहन जी ने भी इस बात को कहा है कि औरत और मर्द एक ही गाडी के दो पहिये होते है।

Mr. Speaker: Anita Ji, please ty to wind up.

श्रीमती अनीता यादवः हम पचास प्रति ात का रिजर्वे ान माननीय मुख्यमंत्री जी ने तभी ले सकती है जब हम 33 प्रति ात रिजर्वे ान पर अपने आप सम्भालेगी। स्पीकर साहब, इन भाब्दो के साथ मे आपका बहुत धन्यवाद करती हू।

स्वास्थय मंत्री बहिन करतारी देवीः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। सदन के सामने जो रैजोल्यू ान आज विचाराधीन है यह प्रस्ताव मे ही बहुत चिन्ता का विशय है। जनगणना 2001 के आकडो के अनुसार हरियाणा मे लिंग अनुपात दे ा के अन्य प्रदे ाो की तुलना मे सबसे कम है। हर कार्य मे हरियाणा का नाम पूरे दे ा मे सबसे आगे आता है। गांव गांव मे बिजली है, गांव गांव तक सडक है, गांव गांव मे स्कूल और कालेज है लेकिन जब लिंग अनुपता के बारे मे चर्चा होती है वे हमारा नम्बर दे ा मे सबसे लास्ट मे आता है। 1991 की जनगणना के आकडो के मुताबिक 1000 पुरूशो के पीछे 865 महिलाए थी और वर्श 2001 की जनगणना के आकडो के अनुसार इनकी सख्ंया घटर कर 861 रह गई है। अग हम एक वर्श छ वर्ग की आयुवर्ग के बच्चो पर दृश्टि डालते है तो हमारा लिंग अनुपात और भी कम हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, इसका अर्थ साफ है कि दिन प्रति इस अनुपात और भी कम हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, इसका अर्थ साफ है कि दिन प्रति दिन इस अनुपात मे कमी आती ही जा रही है। केवल इतनी ही बात नही है आज हम सब के लिए

बडी चिन्ता का विशय है। आप उस समय की कल्पना करे जब बेटियो की संख्या बिल्कुल कम हो जाएगी तो अपराध तो बढेगे ही साथ मे बेटियों से इतना प्यारा दुलार करने वाले लोगो के सामने बडी गम्भीर समस्या खडी हो जाएगी। इसलिए समाज मे यह सन्तुलन बनाए रखना आव यक है। अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे कहना तो बहुत कुछ चाहती थी लेकिन समय कम है इसलिए मै केवल इतना ही कहूंगी कि हमारे 19 मे से जो 9 जिले है पंचकूला, कैथल, पानीपत, जीन्द, फरीदाबाद, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, तथा हिसार मे लिंग अनुपात राज्य मे औसत से कम है। हमारे माननीय उप मुख्यमंत्री जी के जिला पंचकूला मे इस समय सबसे कम है। यानि 823 महिलाए स्पीकर सर, मै यह बात इसलिए कहना चाहती हू कि हम लोग जनप्रतिनिधि है और हमारा यह दायित्व बनता है कि समाज के अन्दर जो अपराध प्रवृति बढती जा रही है और इसमे भी महिलाओ पर अत्याचार ज्यादा बढ रहे है इस प्रवृति को रोकने के लिए हमारा बहुत बडा दायित्व बनता है और वह तभी बनेगा जब हम महिलाओ और बेटियो को उचित आदर देने लगेगे। स्पीकर साहब, भारत हमारी मातृभूमि है और यह अपने आप मे इस बात का सकेंत है कि हमारा भारत मातृ प्रधान दे ा है इसको फादर लैड कयो नही कहा जाता है। स्पीकर साहब, मां को भारत ने कितना उंचा दर्जा मिलना चाहिए वह इस बात से जाहिर हो जाता है। स्पीकर साहब, इतना ही नही अगर हम महाभारत की तरफ दृश्टि डाल कर देखे तो अर्जुन जैसे भूरवीर को कुन्ती पुत्र के नाम से पुकारा जाता है। यानि मां का

नाम पहले लिया जाता है। स्पीकर साहब, भारतीय संस्कृति स्वश्ट द र्ाती है कि राम को भले की मर्यादा पुरूशोतम माना जाता है। लेकिन राम के नाम से पहले सीता का नाम लिया जाता है यानि की सीताराम, इसी तरह से राधा कृश्ण का नाम लिया जाता है। यानि की उस समय मे महिलाओ को दर्जा दिया गया है। लेकिन आज के समाज मे ऐसी गिरावट आ गई है कि आज महिलाओ को दर्जा दिया गया है। लेकिन आज के समाज मे ऐसी गिरावट आ गई है कि आज महिलाओ का स्वतन्त्र असतित्व को खत्म हो गया है। जब वह पैदा होती है तो कहा जाता है फलाने की बेटी है जब जवान हो जाती है और ब्याह कर दूसरे घर मे जाती है तो कहा जाता है फलाने की पत्नी है। और जब वह बूढी हो जाती है तो कहा जा कि फलानें की मां है। आज उसका नाम तक लेने की आव यकता नही समझी जाती है। हमने तो यहां तक आज सोच लिया है कि औरत का नामोंनि ाान नही होना चाहिए। स्पीकर साहब, मै भाई धर्मबीर की आभारी हू कि उन्होने कहा है कि आज फिर समय आ गया है कि राजा राम मोहन राय और महार्शि दयान्नद जी की तरह से हम इनको समझे। स्पीकर साहब, मुझे गर्व है कि हमारी पार्टी की वजह, महात्मा गांधी जी की वजह से जब भाराब हिन्दुस्तान मे पीक कर चल रही थी। तो उसको रोकने के लिए उन्होने स्पश्ट कहा कि यह काम भाई नही कर सकते है।, वह काम बेटियां करेगी। उस समय मे महात्मा गांधी जी महिलाओ को आगे लेकर आए थे। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहूंग कि राज की बात अलग है कि जिस राजा ने अपनी लडकी को पालन

पोशण जिस ढंग से किया वह उसी राह पर आगे बढ गई। लेकिन साधारण घरो मे लडकियो को घर की चार दीवारो को लांघना भी बहुत मु कल रहा है। लेकिन मै यह गर्व के साथ कहना चाहती हूं जो बहन चार दीवारी को लांघ कर आगे चली गई है वह पीछे नही हटी है उसने अपने अपने क्षेत्र मे अच्छा काम किया है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, चाहे कोई और क्षेत्र हो। स्पीकर साहब, मै सदन मे बडी नम्रता से मंत्री होने के नाते से नही बल्कि बहन होने के नाते यह कहना चाहूंगी कि हमे आज अपने दृश्टिकोण को इस बात पर ले जाना चाहिए।

यत्र नारी स्तु पुर्जते, रमंते तत्र देवत्म

स्पीकर साहब, इसका मतलब यह है कि देवताओ का वास वही पर होगा जहां पर नारी की पूजा होगी।

वास्तव मे अगर आप अच्छी बुद्धि चाहते है, धन चाहते है, सुख समृद्धि चाहते है, न्याय से लडने की भाक्ति चाहते है तो आप किस की प्रार्थना और अराधना करेगे ? आप दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती देवियों की पूजा और अराधना करेगे तभी आपको जो चीज आपने मांगी है वह प्राप्त होगी।

आज हमे चाहिए कि हमे अपनी मातो का, बहनो का, और बेटियों का वे जिस रूप मे हमारे घर मे है उनका पूरा मान सम्मान करना चाहिए। कुछ भाईयो ने यहां पर बोलते हुए महिलाओ को इसके लिए जिम्मेवार माना है और कुछ न पुरूशो

को जिम्मेवार माना है। मै यह कहती हू कि इसके लिए दोनो की जिम्मेवार है। स्पीकर साहब, महिलाओ की तो मजबूरी होती है इस बारे मे मै एक बात सदन मे कहना चाहूंगी कि मैने एक साधारण सी महिला से बात करी कि आप खुद महिला हो तो आप भ्रूण हत्या के लिए राजी होती हो? स्पीकर साहब, इस बात का जवाब जो उस औरत ने मुझे दिया वह हमारी आज की व्यवस्था की पोल खोलता है। उस औरत ने कहा कि बहन मै आपको क्या बतांऊ कि हमने कितने दुख सहे है ब्याह कर जब लडकी घर आती है तो बहुत से ताने सुनने को मिलते है कि यह नही लाई, वह नही लाई और अगर उसके बेटी हो जाएगी तो घर मे जीना ही मु कल हो जाएगा। उसने आगे यह कहा कि जो दुख मैने सहे है वह मेरी बेटी न सहे। अगर व जन्म नही लेगी तो वह इन दुखो को सहने से तो बच जाएगी। बेटा होगा तो वह हमारा परिवार आगे चलाएगा और कुल का नाम रो ान करेगा और अगर लडकी होगी तो वह परिवार पर बोझ होगी। जबकि मै यह कहना चाहूंगी कि ये दोनो बाते ही गलत है। बेटा अगर गलत विचारो का पैदा हो गया हो गया तो वह आपका नाम रो ान करने की बजाए आपका नाम डूबो देगा और अगर बेटी अच्छे विचार वाली हो गई तो वह आपका नाम रो ान कर देगी। मै आपको बताना चाहूंगी कि जवाहर लाल नेहरू जी की एक ही बेटी श्रीमती इन्दिरा गांधी जी थी और वि व मे सबक उनको नमन करते है, हम भी उनको कदम पर याद करते है। जब भी कोई संकट आता है तो हम सोचते है कि अगर इन्दिारा गांधी जी होती तो यह कभी हो नही

सकता था। तो यह तो आप पर डिपेंड करता है कि आपने बेटी के लिए क्या किया और उसको क्या दिया तथा किस तरह से उसका पालन पोशण किया। हम हर दृश्टि से बेटी को ही कसूवार नही कह सकते। मै तो इस भाशा मे थोडा परिवर्तन करना चाहूंगी। जब हम कहते है कि लिंग अनुपात मे इतना दर्द नही होता ये तो हमारी मिसिंग बच्चिया है। अगर बेटी गम है या बेटी कम है। तो आपके धन मे, आपके बल मे या आपकी बुद्धि मे हर तरह से कमी आएगी। हमे पुराने अंध वि वासो मे नही फसंना चाहिए। हमे उच्च दृश्टि से देखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै श्रीमती सोनिया गांधी की आभारी हू और डा0 मनमोहन सिंह जी की कांग्रेस सरकार की आभारी भी हू क्योंकि कांग्रेस ने ही भुरू से यह बीडा उठाया है कि महिलाओ को बराबर का अधिकार मिलना ही चाहिए। वि ोश तौर पर राजीव गांधी जी ने राजनीति मे ऐसा प्रयास किया कि इनकी भागेदारी हम काम मे हो ताकि समाज का विकास सतुंलित तरीके से हो सके। उनका ख्याल था कि ऐसा करके असतुलन नही आएगा। हमारी सरकार इस बात के लिए बधाई की पात्र है क्योंकि सरकार ने सबसे पहले लडकियो की ि ाक्षा पर ध्यान दिया है। लडकियो की वर्दी फरी की है, पुस्तको का, स्टे ानरी का जो पैसा मिलता था वह सौ रूपयो से बढाकर दो सौ रूपये कर दिया है। और वर्दी का भत्ता भी 75 रू0 से बढाकर 150 रूपये कर दिया ह। जो लडकिया नौवी या दसंवी मे पढती है उनके लिए भी यह 200 रू0 कर दिया है। इसके अलावा जिन लडकियो को एक या दो मिलोमीटर स्कूल जाना

पडता है उनके लिए ि ाक्षा विभाग की तरफ से फरी साईकिल दी जाएगी ताकि उनकी ि ाक्षा बीच मे अधूरी न रह जाए। भ्रूण हत्या को रोकने के लिए स्वास्थय विभाग ने भी दोनो तरफ से काम भ्रुरू किया है। यह ठीक है कि केवल कानून से बात नही बनेगी क्योंकि कानून तो बहुत है लेकिन समाज जब तक उनको मान्यता नही देता तब तक कानून कागजो मे ही रहते है। अध्यक्ष महोदय, कानून बन जाते है लेकिन कभी फर भी रह जाती है। अब यह देखा जाएगा कि कौन इस प्रकार से परीक्षण करके यह बतादेता कि तेरे लडकी होने वाली है। इस पर कई तरह की रोक लगायी भी गयी है। कई म ीने सीज भी की गयी और करीब 23 के लगभग ऐसे केस भी चले है। सबसे पहले हरियाणा मे इस तरह के कदम उठाए गए थे। मै भाई सुरजेवाला जी की इस बात से सहमत हू कि डाक्टर जिनको परमात्मा के बाद दूसरा दर्जा प्राप्त है, उनको इस कार्य से जरूर बचना चाहिए। अगर अनजाने मे उनसे गलती हो जो तब तो यह माफ हो सकती है लेकिन जो जानबूझकर गलती करते है वे तो सजा के हकदार होने ही चाहिए। ऐक्ट मे अमैडमैंट की जरूरत होगी तो हम उसको करने की कोि ा ा करेगे। 18 फरवरी, 1996 मे यह ऐक्ट लागू है और इसमे संसोधन 2002 मे किया गया था। इसके तहत एक तो कमेटी ऐडवाइजरी बोर्ड के नाम से स्टेट लेवल की होगी जो संबधित मंत्री की अध्यक्षता मे होगी तो समय समय पर इसका प्रचार प्रसार का काम वि ोश रूप से देखेगी और निर्दे ान का कार्य भी करेगी। इस बोर्ड मे जहा कमि ानर और दूसरे आफिसर्ज होगे

वही समाज कल्याण विभाग का भी इसमे सदस्य होगा। तीन महिलांए सदस्य जो चुनकर आयी है वे भी इस बोर्ड मे भाामिल होगे ताकि समय समय पर वे इस बारे मे बात करे। इसके अलावा जिला स्तर पर सिविल सर्जन की अध्यक्षता मे भी कमेटीज बना दी गयी है जिसमे जिले के फैमिली प्लांनिग विभाग के अधिकारी, सिविल सर्जन, बच्चो को देखने वाला डाक्टर और तीन सो ाल वकेर्ज इसमे भाामिल होगे जो समय समय पर इसको चैक किया करेगे। जैसा मुख्यमंत्री जी ने अभी अनांउस किया है तो हमारा प्रयास होगा कि एक हजार के ऊपर एक लिंग वर्कर हम बनाएगे जो इस प्रकार की बात रखेगे।

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै बीच मे ही उनको रोककर एक सुझाव देना चाहता हू क्योंकि मै डाक्टर भी हू और मै इस बारे मे जानता भी हू।

श्री अध्यक्षः इस समय सुझाव की बात नही है आप बतांए कि आपका प्वायंट आफ आर्डर क्या है ?

डा0 सु ीला इंदौराः मै यह कहना चाहता हू कि सिविल सर्जन्स को ज्यादा वैस्टेड पांवर्स दी गई है उनको चैक करवा लिया जाए।

बहिन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, यह जो सगंठन बनाए गए है इनमे दो तरह के काम करेगे। जैसा मुख्यमंत्री जी ने कहा, पहले जो सेमीनार होगी वह हम विधायको और पार्लियामैंट

के मैबर्स की करेगे। इसके लिए सैंटर से ऐक्सपट्र्स को बुलाएगे ताकि वास्तिवित स्थिति दे ा की क्या है, क्या कानून है क्या हम कर सकते है इस बारे मे उस दिन ये बाते डिसकस हो जाएगी। जो हमारी बहने है, चुनी हुई मैबर है और जितने भी मैबर है, चाहे महिला हो या पुरूश हो, चाहे पंचायतो की सदस्य है उन सबको बुलाकर के इस प्रकार के सेमीनार्स का गठन किया जाएगा। महिला स ाक्तिकरण के नाम से हर जगह कोि ा ा की जाएगी कि महिलाओ को उनके स्वरूप का ध्यान दिलाया जाए। जो अल्ट्रासाउड म ाीनो का इस्तेमाल कर रहे है उन संस्थाओ और व्यक्तियो का सर्वेक्षण कर लिया गया है। प्रदे ा मे 831 आनुवाि ांक क्लीनिक है। और 666 आनुवाि ाक पराम र्ा केन्द्र स्वीकृत किए गए है। सभी जिला वि ाश्ट प्राधिकारियों द्वारा प्रसवपूर्व निदान तकनीकी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानो की उल्लंखना करने वाले क्लीनिको के अतिरिक्त अपंजीकृत तथा खराब पडी 51 अल्ट्रासाउड म ाीनो को जब्त और सील कर दिया गया है। सभी जिला वि ाश्ट प्राधिकारियो को निर्दे ा दिये गये है कि वे प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम के विभिन्न प्रावधानो का उल्लखंन करने वाले क्लीनिको पर छापे मारे और व्यक्तिगत रूप से रूचि लेकर सक्रियता से काम करे। फर्जी मरीज बनाकर क्लीनिको मे भेजे जाने के परिणामस्वरूप प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम के विभिन्न प्रावधानो की उल्लखंना करने के अपराध मे 22 अभियोजन जिला फरीदाबाद और गुडगांव मे 6–6, रेवाडी और रोहतक मे 2–2, अम्बाला, भिवानी, झज्जर और कुरूक्षेत्र पानीपत व

यमुनानगर मे 1–1 ि ाकायत दर्ज की गई है। इस तरह के तीन मामले पहले ही कोर्ट मे विचाराधीन है लेकिन अफसोस है कि इसमे किसी को सजा नही हुई। हमारा प्रयास होगा कि इस पर सही पाबंदी तभी लगेगी जब उन लोगो की भी सजा मिले जो ये ऐब्रो ान करते है, उनको भी सजा मे सांझीदार बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मात्र अधिनियम मे स ाोंधन किये जाने से पूर्णतः उन्मूलन नही हो पाएगा। इसलिए जितने भी गैर सरकारी सगठन है वह समाज के प्रत्येक नागरिक से मै यह आवहान करना चाहूंगी कि अपने प्रदे ा का नाम इस बारे मे नीचा है इसलिए इसे ऊपर उठाने के लिए हम कार्य करे। इसके साथ साथ हमारे ऊपर तो आर्य समाज का भी काफी प्रभाव रहा है। घर घर मे मार्हिश दयानंद को मानने वाले लोग है, जिन्होने कन्या की ि ाक्षा चाहे वह छोटी हो फिर भी मात्र स्वरूप मानकर अपना स्थान दिया था। हम अपने पुराने स्वरूप को पहचानेगे और इस बुराई को सबसे पहले अपने प्रदे ा से बंद करके भारत मे अपना नाम ऊंचा करेगे और दिखायेगे कि आज भी जो हरियाणा की आत्मा है वह मरी नही है। आज भी हम बेटी का पूरा सम्मान करेगे। इन भाब्दो के साथ मे डा0 ि ाव भांकर भारद्वाज जी का भी आभार प्रकट करते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्री धर्मबीर गाबा: अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब, ने हाउस के अंदर एक गभींर मसला पे ा किया है, खासकर हमारे दे ा के लिए और वह भी उस वक्त जबकि हमस ब जानते है कि काम

करने की क्षमता आदमी की तुलना मे महिलाओ की ज्यादा है। यह उदाहरण हमारे सामने है। जब भी स्कूल या कालेज का रिजल्ट आता है तो सबसे ज्यादा मैरिट मे आने वाली लडकियो होती है। जबकि घरो का काम भी वही करती है। घर मे लडका दस साल का हो और उससे पानी का गिलास मांगो तो वह अपनी 15 साल की बहन से कह देगा कि पानी दे दो। पढाई लिखाई मे लडकियो हमे ाा अच्छी नंबर आती हैं उसके बावजूद हम नही समझ पाते खासकर उतरी भारत मे लिंग अनुपात जिस प्रकार से गिरता जा रहा है उसका नतीजा क्या होगा। मेरी बात गौर करे। मै उदाहरण देता हू कि इस दे ा मे रामायाण और महाभात का क्या था, जिससे इस दे ा का खातमा हुआ। खातमा किस कारण हुआ था ? उस वक्त भी लिंग अनुपात इसी प्रकार गिरा था। चार चार भाईयो मे एक महिला होती थी बाकी सब रण्डूवे होते थे और आपस मे लडा करते थे। मेरा तो यही मानना है कि इस खातमे से बचने के लिए हमे कुछ न कुद करना चाहिए। मां बाप बेटा पैदा करने से डरते है क्योंकि उनको पता है कि कल बेटी की भाादी मे दहेज देना पडेगा। आजकल दहेज के मामले मे भी कम्पीटि ान चल रहा है। इसमे कोई माननीय सदस्य बुरा न माने। खासकर दिल्ली के आसपास हरियाणा के अहीरवाल और राजपूतो मे इस बात का कम्पीटि ान है कि उसने अपनी बेटी की भाादी से मारूती दी है तो मै उससे भी लम्बी गाडी दूंगा। उनके अनाप भानाप पैसा है और जिसके कारण उस बात का असर हमारे रोहतक, भिवानी और सिरसा के लोगो पर ज्यादा पडता है। क्योंकि उनके पास

इतना पैसा नही है तो वे रि ता कैसे करेगे। मै माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूगा कि वे स्टेट लैवल पर कानून मे सं ाोधन के कि की जो लडका अपनी भाादी मे दहेज लेगा तो उसकी नौकरी बर्खास्त कर दी जायेगी। आज से 15 या 20 साल पहले भाायद 1980 से 1985 तक हमारे समाज मे पंचायत लेवल पर यह प्रथा चली थी कि कोई भी अपने लडके की भाादी मे पांच से ज्यादा बाराती नही ले जायेगा और दहेज बिल्कुल नही लेगा यदि वह ऐसा करता है तो उसका सामाजिक बहिश्कार किया जायेगा। इस बात का असर चार पांच साल तक तो रहा परन्तु फिर थोडे दिन बाद दहेज लेने का प्रचलन भाुरू हो गया। सरकार को इसके प्रति लोगो को जागरूक करना चाहिए और पंचायत लेवल पर या सामाजिक संगठनो के जरिये इस मुहिम को दोबारा चलाया जाये नही तो आपको पता है कि पहले यह तो सुनते थे कि किसी लडके मे जयदाद के लिए या पैसो के लिए अपने मां बाप का कत्ल कर दिया लेकिन अब दहेज के लिए लडकियो भी अपने परिवार का कत्ल कर रही है। यह बात अखबारो मे भी देखने को मिली है।

प्रो0 छतरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ऐसे बहुत के केसिज कोर्ट मे है जिसमे महिलाओ ने अपने पूरे परिवार का कत्ल किया है।

Mr. Speaker: Now, the House stands adjorned till 9-3-0 A.M tomorrow, the 17th June, 2005.

13.30 hrs

The Sabha adjorned till 9.30 A.M on Friday, the 17th June, 2005.